



■ बुनियादी ढांचा सुधार से तेजी से बढ़ रहा उग्र का संपत्ति बाजार : यूपी रेरा-12



■ कामकाज का मॉडल बदल रहा एआई, पर बाजार नहीं होगा कम-12



■ तीस्ता पर तनाव : भारत से जुड़ा मुद्दा लेकर चीन के पास पहुंचा बांग्लादेश-13



■ विनेश फोगाट एशियन गेम्स के सेलेक्शन ट्रायल के लिए अयोग्य घोषित-14

आज का मौसम

28.0°

अधिकतम तापमान

22.0°

न्यूनतम तापमान

सूर्योदय

05.28

सूर्यास्त

06.50

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष षष्ठी, 12:21 उपरांत साप्तमी विक्रम संवत 2083 **

बरेली

शुक्रवार, 8 मई 2026, वर्ष 7, अंक 163, पृष्ठ 14

मूल्य 6 रुपये

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ

■ बरेली

■ कानपुर

■ मुरादाबाद

■ अयोध्या

■ हल्द्वानी

दमखम

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को बिष्णूपी महाविद्यालय (यमकेश्वर, उत्तराखंड) में युवाओं को फिटनेस के प्रति प्रेरित करने के लिए ओपन जिम उपकरणों पर व्यायाम किया।

ऑपरेशन सिंदूर अंत नहीं था, यह तो बस एक शुरुआत है

OPERATION SINDOOR

● सेना का संदेश- कोई आतंकी ठिकाना सुरक्षित नहीं

जयपुर, एजेंसी

भारतीय सेना ने गुरुवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि पाकिस्तान में कोई भी आतंकी ठिकाना सुरक्षित नहीं है और यह मिशन तो बस एक शुरुआत है।

ऑपरेशन सिंदूर के एक वर्ष पूरे होने पर भारतीय वायुसेना, नौसेना और थलसेना के सैन्य अभियानों के प्रमुखों ने जयपुर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ऑपरेशन के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। इस अभियान को सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देने के लिए पाकिस्तान को ढंड़ित करने के वास्ते पिछली आधी सदी में भारत का सबसे व्यापक सैन्य अभियान बताया गया।

इस ऑपरेशन के क्रियान्वयन में अहम भूमिका निभाने वाले सेना के तत्कालीन सैन्य संचालन महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर अंत नहीं था, यह तो बस एक शुरुआत है। घई ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने अपनी पुरानी रणनीतियों से हटकर एलओसी और पाकिस्तान के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा

पहली वर्षगांठ पर पाकिस्तान को भारतीय सेना का करारा जवाब

शतरंज का खेल, पारियों की हार

नई दिल्ली। पिछले साल सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने के बाद से एक साल के भीतर, सैन्य अधिकारियों ने इसकी जटिलताओं का वर्णन करने के लिए कई उपमाओं का इस्तेमाल किया है- दुश्मन की अगली चाल के बारे में अनिश्चितता को दर्शाने के लिए ‘शतरंज का खेल’ से लेकर भारत की जीत की विशालता को उजागर करने के लिए ‘पारियों की हार’ तक। इस सैन्य कार्रवाई में शुरुआत से ही प्रतीकात्मकता अंतर्निहित थी। इसके नाम के साथ- साथ अब व्यापक रूप से पहचाने जाने वाले ‘लोगो’ से भी एक स्पष्ट संदेश मिलता है।

मोदी ने सो. मीडिया की डीपी बदली

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के एक साल पूरा होने पर अपने सभी सोशल मीडिया हैंडल पर डिस्प्ले पिकचर (डीपी) बदल दी तथा उन्होंने सभी से सशस्त्र बलों और उनकी सफलता के प्रति सम्मान के रूप में ऐसा ही करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने एक पोस्ट में कहा कि एक साल पहले भारतीय सशस्त्र बलों ने अपने शौर्य का प्रदर्शन किया था और हमला करने वालों को करारा जवाब दिया था।

के पार स्थित आतंकवादी ढांचों को बेहद समन्वित तरीके से निशाना बनाया। यह अभियान हमारे देश के संकल्प, जिम्मेदारी और रणनीतिक

संयम का प्रतीक था। तत्कालीन एयर ऑपरेशन्स महानिदेशक एयर मार्शल भारती ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने वायु शक्ति की अहमियत को फिर

से स्थापित किया। 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत ने पिछले वर्ष सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था।

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली में वर्ष 2024 में 23,058 लोग लापता

नई दिल्ली। दिल्ली में वर्ष 2024 में कुल 23,058 लोग लापता हुए, जिनमें 9,482 पुरुष और 13,567 महिलाएं शामिल थीं। यह जानकारी राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट से मिली। शहर में 2024 में लापता वयस्कों के 17,567 नए मामले दर्ज किए गए, जिनमें 7,911 पुरुष और 9,656 महिलाएं शामिल हैं। बुधवार को जारी एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्षों से 14,637 पुरुष, 18,238 महिलाएं और छह उभयलिंगी अब भी लापता हैं। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 2024 में दिल्ली में लापता व्यक्तियों के कुल 55,939 मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें 24,119 पुरुष, 31,814 महिलाएं और छह ट्रांसजेंडर शामिल थे।

अवैध दवा : अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने नकली दवा बनाने, सरकारी आपूर्ति की दवाओं पर नए लेबल लगाने तथा उन्हें वितरित करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के मुखर्जी नगर इलाके में एक अवैध इकाई को भी पता चला है, जहां दवाइयों की प्रोसेसिंग और दोबाबी पैकिंग की जा रही थी। यह गिरोह उत्तर प्रदेश के सरकारी अस्पतालों के लिए भेजी गई दवाइयों हासिल करता था। गिरफ्तार किए गए लोगों में मुखर्जी नगर का निवासी कथित सरगना मनोज कुमार जैन (56), पंचकुला (हरियाणा) निवासी राजू कुमार मिश्रा (57), प्रयागराज निवासी विजय सिंह उर्फ सन्नी (32) और वतन (35) शामिल हैं।

कनाडा करे भारत विरोधी चरमपंथियों पर कार्रवाई

नई दिल्ली। भारत ने कनाडा से आह्वान किया कि वह उसकी धरती से काम कर रहे भारत विरोधी चरमपंथी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करे। भारत की यह अपील कनाडा की खुफिया रिपोर्ट के महंजवर आई है, जिसमें खालिस्तानी तत्वों द्वारा उत्पन्न राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे को भी पता चला है, जहां दवाइयों का प्रोसेसिंग और दोबाबी पैकिंग की जा रही थी। यह गिरोह उत्तर प्रदेश के सरकारी अस्पतालों के लिए भेजी गई दवाइयों हासिल करता था। गिरफ्तार किए गए लोगों में मुखर्जी नगर का निवासी कथित सरगना मनोज कुमार जैन (56), पंचकुला (हरियाणा) निवासी राजू कुमार मिश्रा (57), प्रयागराज निवासी विजय सिंह उर्फ सन्नी (32) और वतन (35) शामिल हैं।

पश्चिम बंगाल विधानसभा भंग

राज्यपाल ने अपनी शक्तियों का किया प्रयोग, ममता नहीं रहीं मुख्यमंत्री

कोलकाता, एजेंसी

● ममता के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे से इनकार करने के बाद राज्यपाल ने कड़ा कदम उठाया

पश्चिम बंगाल में गुरुवार को बड़ा संवैधानिक उलटफेर हुआ है। राज्यपाल आरएन रवि ने अनुच्छेद 174(2)(ब) के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य विधानसभा को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है। ममता बनर्जी के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे से इनकार के बाद राज्यपाल ने यह कड़ा कदम उठाया जिससे कैबिनेट भी बर्खास्त हो गई है। मुख्य सचिव द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार यह निर्णय 7 मई, 2026 से लागू हो गया है।

राज्य विधानसभा को उसका कार्यकाल पूरा होने के बाद ही भंग किया गया है। एक आधिकारिक अधिसूचना जारी कर फैसले की घोषणा की गई। मई 2021 में वर्तमान विधानसभा का गठन किया गया था जब राज्य में ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटी थी। हाल ही में संपन्न हुए दो चरणों के चुनावों के बाद, निवर्तमान विधानसभा को भंग किया जाना उसके कार्यकाल की औपचारिक समाप्ति का प्रतीक है।

महिलाओं ने प्रशासनिक टीम पर बोला हमला

संवाददाता, माधोटांडा (पीलीभीत)

अमृत विचार : शराब की दुकान खुलने का कई दिनों से चला आ रहा विरोध गुरुवार को हिंसक हो गया। पुलिस बल की मौजूदगी में दुकान खुलवाने पहुंचे आबकारी और प्रशासनिक अधिकारियों से महिलाएं भिड़ गईं।

तीखी कहासुनी से शुरू हुआ विवाद तूल पकड़ गया और उग्र भीड़ ने हमला कर दिया। लाठी-डंडे चले और फिर पथराव भी कर दिया गया। पुलिस ने भी लाठियां फटकारी। हमले में तहसीलदार, तीन दरोगा

● शराब की दुकान का विरोध कर रहीं महिलाओं ने बरसाए पत्थर और लाठी-डंडे चले

समेत टीम के पांच लोग घायल हो गए जबकि आधा दर्जन से अधिक ग्रामीण भी घायल हो गए। घायलों के अस्पताल भेज पुलिस कार्रवाई की तैयारी में जुटी रही।

घटना नेपाल सीमावर्ती कलीनगर तहसील क्षेत्र के गांव बूंदीभूड की है। गांव में आवंटित हुई कंपोजिट शराब की दुकान को खुलवाने के लिए एसडीएम कलीनगर प्रमेश कुमार, तहसीलदार वीरेंद्र कुमार पुलिस

● तहसीलदार-दरोगा समेत पांच घायल, लाठीचार्ज में दर्जनभर महिलाएं भी जखमी

और आबकारी टीम के साथ गुरुवार को पहुंचे थे। इस दुकान के खुलने का पूर्व से ही विरोध किया जा रहा था। टीम ने दुकान खुलवाने के लिए प्रयास किए तो तमाम महिलाएं डंडे लेकर एकत्र हो गईं और शराब की दुकान खोलें जाने का विरोध शुरू कर दिया। आरोप है कि उग्र भीड़ ने टीम पर हमला कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि पहले पुलिस की ओर से लाठी फटकारी गई।

संवाददाता, खमरिया (लखीमपुर खीरी)

अमृत विचार : थाना खमरिया क्षेत्र में शारदा नदी पर बने ऐरा पुल पर गुरुवार शाम तेज रफ्तार ट्रक और ऑटो की आमने-सामने की हुई भिड़ंत में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 अन्य गंभीर घायल हो गए। हादसे के बाद पुल पर चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया है।

हादसा पीलीभीत-बस्ती मार्ग स्थित ऐरा पुल पर शाम करीब 4:15 बजे हुआ। ट्रक और ऑटो के बीच टक्कर इतनी भीषण थी

हादसे में क्षतिग्रस्त ऑटो।

कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को तत्काल सरकारी अस्पताल

- पीलीभीत-बस्ती हाईवे के ऐरा पुल पर हुआ हादसा
- चारों घायलों की हालत गंभीर जिला अस्पताल में भर्ती
- ट्रक चालक को हिरासत में लेकर पुलिस ने शुरु की जांच

नकहा भेजा गया। हादसे में गंभीर रूप से घायल रामदेवी (42) पत्नी सुशील कुमार निवासी खनियापुर थाना लहरपुर जनपद सीतापुर, जाहिरा पत्नी मैनुहीन (32) निवासी महाराजनगर कोतवाली, खलीकुन पुत्री अब्दुल

रहमान निवासी महाराजनगर कोतवाली धौरहरा और एक अज्ञात करीब 55 वर्षीय व्यक्ति को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने ट्रक चालक छुटकन्ने पुत्र भोदू निवासी मरसंडा थाना लहरपुर सीतापुर को हिरासत में ले लिया है। हादसे के चलते कुछ समय के लिए यातायात भी बाधित रहा। एएसपी पूर्वी पवन गौतम ने बताया कि शिव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं। ट्रक चालक पुलिस हिरासत में है। हादसों के कारणों की जांच की जा रही है।

स्कूल से सटे 60 फिट गहरे कुएं में गिरकर छह साल के छात्र की मौत

संवाददाता, बरेली/ भुता

● इंटरवल में खेलते समय गिरा गया था कुएं में, परिवार में कोहराम

● थाना भुता क्षेत्र के गांव अदीनपुर में हुआ हादसा, स्कूल प्रबंधन पर सुरक्षा में लापरवाही के आरोप

था। वह पास के गांव अदीनपुर के आत्मानंद विद्या मंदिर स्कूल में पहली कक्षा में पढ़ता था। बड़ा भाई अनुज भी स्कूल में दूसरी कक्षा का छात्र है। परिवार ने बताया कि सुबह 10:30 बजे लविश इंटरवल में साथी बच्चों के साथ स्कूल के बाहर मैदान में देखा गया था। किसी तरह वह मैदान में

अमृत विचार : यहां के अदीनपुर गांव में संचालित निजी स्कूल में पढ़ने वाला छह साल का छात्र कैपस के बाहर खुले पड़े गहरे कुएं में समा गया। मासूम इंटरवल के समय बाहर मैदान में खेलने गया था। काफी देर बाद भनक लगने पर जब उसे निकाला गया, तब तक मासूम लविश की मौत हो चुकी थी। घटना से परिवार समेत पूरा इलाका सदमे में है। परिवार और स्थानीय लोग स्कूल प्रबंधन पर लापरवाही के आरोप लगा रहे हैं।

पुलिस के अनुसार, मासूम लविश क्षेत्र के गांव अंगदपुर खमरिया गांव के रहने वाले किसान टिंकू का पुत्र

प्रदेश के निर्माण कार्यों पर अब आईआईटी की नजर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में सड़क, पुल और जलापूर्ति जैसी बड़ी सरकारी परियोजनाओं की गुणवत्ता पर अब आईआईटी और इंजीनियरिंग संस्थानों की नजर रहेगी। योगी सरकार ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने व गड़बड़ियों पर अंकुश लगाने के लिए थर्ड पार्टी क्वालिटी ऑडिट की नई व्यवस्था लागू कर दी है। लोक निर्माण विभाग ने इसके लिए विस्तृत शासनादेश जारी किया है।

अपर मुख्य सचिव वित्त दीपक कुमार की ओर से गुरुवार को सभी सचिवालय, निदेशालय, मंडलायुक्त,

जिलाधिकारी से लेकर सभी विभागाध्यक्षों और विश्वविद्यालय प्रशासन को जारी शासनादेश में कहा है कि परियोजनाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए थर्ड पार्टी क्वालिटी ऑडिट (टीपीक्यूए) की नई व्यवस्था लागू कर दी गई है। नई व्यवस्था के तहत आईआईटी कानपुर, आईआईटी बीएचयू,

आईआईटी दिल्ली, आईआईटी रुड़की, एमएनआईटी प्रयागराज, एएमयू अलीगढ़, एचबीटीयू कानपुर और एमएमएमयूटी गोरखपुर सहित कई संस्थानों को अलग-अलग श्रेणी की परियोजनाओं का ऑडिट सौंपा जाएगा। शासनादेश में सड़क, पुल और जलापूर्ति/सीवर परियोजनाओं के लिए अलग-अलग मानक तय किए

किन संस्थानों को मिली जिम्मेदारी

● आईआईटी कानपुर

● आईआईटी बीएचयू

● आईआईटी दिल्ली

● आईआईटी रुड़की

● एमएनआईटी प्रयागराज

● एएमयू अलीगढ़

● एचबीटीयू कानपुर

● एमएमएमयूटी गोरखपुर

एमओयू होगा। ऑडिट एजेंसियां निर्माण सामग्री, डिजाइन, सुरक्षा मानकों, गुणवत्ता नियंत्रण और कार्य प्रगति की जांच करेंगी। निर्माण के विभिन्न चरणों डिजाइन, 25 प्रतिशत, 50 प्रतिशत, 75 प्रतिशत प्रगति और कार्य पूर्ण होने पर निरीक्षण अनिवार्य रहेगा। शासनादेश ने गुणवत्ता ऑडिट के लिए शुल्क भी तय किया है।

जिले में आज..

- शहीद जामा मस्जिद में जुमे की नमाज दोपहर 1.30 बजे।
- लोक अदालत के संबंध में एडीआर भवन में प्रेसवार्ता सुबह 10.30 बजे।
- अग्रवाल सभा भवन में आध्यात्मिक आंतरिक संस्संग सुबह 8.30 बजे से।

न्यूज ब्रीफ

लिपिक को बचाने की डीएम से शिकायत

पीलीभीत, अमृत विचार : भाजपा नेता एवं नामित सभासद जगन्नाथ लोधी ने डीएम से की गई शिकायत में बताया कि उन्होंने 15 अप्रैल को पावर कॉरपोरेशन के एक्सईएन से एक शिकायत की थी। ये शिकायत एक लिपिक से संबंधित थी। शिकायत में आरोप लगाया था कि उक्त लिपिक ने भ्रष्टाचार कर आय से अधिक संपत्ति अर्जित की है। उपभोक्ताओं को डरा धमकाकर वसूली करता है। मुख्यमंत्री और ऊर्जा मंत्री को भी शिकायती पत्र भेजे गए थे। मगर उसके बावजूद अभी तक उसके खिलाफ कोई कोई कार्रवाई नहीं की गई है। विभागीय जिम्मेदारों पर संबंधित लिपिक को बचाने का आरोप लगाते हुए जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है।

दंपती पर मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव जाककलिया की रहने वाली रुखसाना बेगम पत्नी इंदरीश ने पुलिसको तहरीर देकर बताया कि छह मई को उसके पति इंदीश खेत पर थे। इस दौरान गांव का ही पप्पू उर्फ इरशरा, नाजरा भी खेत पर थे। दोनों के खेत आसपास में है। आरोपियों से जब पति ने मेड़ तोड़ने से मना किया तो गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर पति के ऊपर सहमला कर दिया। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

सड़क हादसों में

महिला समेत 4 घायल

बीसलपुर, अमृत विचार : सड़क हादसों में महिला समेत चार लोग घायल हो गए। ग्राम खांडेपुर निवासी सुधाकर सिंह बाइक से बीसलपुर आ रहे थे। वीनी मिल के पास पहुंचते ही बाइक की ई रिक्शा से टक्कर हो गई। ग्राम कसनपुर चक निवासी हरिशंकर पुत्र शिवनाथ बाइक से पत्नी गंगा देवी के साथ खरीदारी करने बीसलपुर आ रहे थे। गांव के बाहर पहुंचते ही दूसरी बाइक से टक्कर हो गई। जिसमें दंपति घायल हो गए। इसके अलावा मोहल्ला दुर्गाप्रसाद निवासी अनुप कुमार पुत्र सर्वेश कुमार भी हादसे में घायल हुए। सभी को सीएचसी भर्ती कराया गया।

ग्रामीण से लूटपाट करने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार, जेल भेजा

पीलीभीत, अमृत विचार: ग्रामीण से लूटपाट करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बता दें कि न्यूरिया थाना क्षेत्र के ग्राम टाह पौटा के निवासी विपिन कुमार पुत्र भोपाली राम निजी कार्य से पांच मई को बरखेड़ा जा रहे थे। शाम करीब चार बजे अज्ञात लोगों ने रोका और डरा धमकाकर 700 रुपये व मोबाइल छीन लिया था। ऑनलाइन 400 रुपये

भी अपने खाते में ट्रांसफर कराए थे। अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच की गई। इंस्पेक्टर सुनगढ़ी नरेश त्यागी ने बताया कि गुरवार को तीन आरोपी नौगवां पकड़िया निवासी निजाम बेग पुत्र शमशाद, फैसल खां पुत्र जफर खां और शोहेल पुत्र राशिद अली को गिरफ्तार किया है। उनके पास से मोबाइल और नकदी बरामद कर जेल भेज दिया है।

बढ़ने पर फाल्ट होते रहे। जिसे लेकर उपभोक्ता बेहाल रहे और कर्मचारियों की भी दौड़-भाग बनी रही। गुरुवार सुबह मौसम बदला। सुबह से बादल छाए और तेज हवा चली। हल्की बारिश भी हुई। इसी बीच सुबह करीब तीन बजे से ही बिजली व्यवस्था लड़खड़ा गई। 33 के वी लाइन का जंफर खराब हुआ तो कहीं ट्रांसफार्मर और तारों में फाल्ट हो गए। शिवनगर कॉलोनी,

संवाददाता, पीलीभीत/माधोटांडा

अमृत विचार: बूंदीभूड़ गांव में शराब की दुकान खुलने का विरोध किस कदर महिलाओं में पनप रहा है, इसका आकलन कई दिनों से चली आ रही शिकायतों के बाद भी जिम्मेदार नहीं लगा सके। ग्रामीण विरोध तो करेंगे लेकिन इस तरह से महिलाएं हमलावर हो जाएंगी। इसका आभास नहीं था। शायद यही वजह रही कि दो थानों से अधिक पुलिस बल के साथ अफसरों की मौजूदगी में दुकान खुलवाने के लिए पहुंची आबकारी टीम को भागकर खुद को बचाना पड़ा। दुकान के भीतर रखी शराब और बीयर की पेटियों को निकालकर महिलाएं सड़क पर फेंककर तोड़ती रही। पुलिसकर्मी मोबाइल से वीडियो बनाते दिखाई दिए। हालांकि बाद में सख्ती की गई तो और हालात बिगड़ गए।

माधोटांडा थाना क्षेत्र के बूंदीभूड़ गांव में पहली बार कंपोजिट शराब की दुकान खुलने का विरोध कई दिनों से चल रहा था। जिसकी वजह से दुकान खुलवाने के लिए सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त करके अधिकारी खुद साथ गए थे। वैसे तो टीम के पहुंचते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए थे। मगर, विरोध की कमान हाथों में लाठी डंडे लेकर पहुंची महिलाएं, युवतियां संभाल रही थीं। उनका सिर्फ एक ही कहना था कि गांव में किसी भी कीमत पर शराब की दुकान नहीं खुलने दी जाएगी।

एसडीएम, तहसीलदार, सीओ,



बूंदीभूड़ गांव में शराब की दुकान खुलने के विरोध में लाठी लेकर पहुंची महिलाएं।



दुकान से बाहर निकालकर फेंकी गई शराब की पेटियों पर लाठी बरसाती महिलाएं।

24 अप्रैल को डीएम से की थी शिकायत, आबकारी टीम से हुई थी बहस कलीनगर तहसील क्षेत्र के ग्राम बूंदीभूड़ की महिलाएं शराब की दुकान खोले जाने का विरोध पिछले करीब दो माह से कर रही है। इसे लेकर पहले तहसील जाकर एसडीएम स्तर पर शिकायत की गई थी। अभी कुछ दिन पूर्व 24 अप्रैल को महिलाएं एकत्र होकर कलेक्ट्रेट पहुंची और डीएम कार्यालय के बाहर भी प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा था। उनका कहना था कि ग्राम पंचायत सीमा के भीतर शराब की दुकान नहीं खुलनी चाहिए। ग्राम प्रधान शीला सिंह की अगुवाई में पहुंची महिलाओं ने डीएम को ज्ञापन देकर बताया था कि ग्राम पंचायत में अंग्रेजी और देशी शराब की दुकान प्रस्तावित है, जिसका पहले भी विरोध किया था। उनका कहना है कि शराब की दुकान खुलने से माहौल खराब होगा। डीएम कार्यालय के बाहर भी आबकारी विभाग के अधिकारियों से महिलाओं की बहस हुई थी।

इंस्पेक्टर, आबकारी टीम हर कोई महिलाओं को समझाने का प्रयास कर रहा था लेकिन व मानने को तैयार नहीं थी। जब दुकान खुली और उसके भीतर शराब, बीयर की बोतलें रखी हुई थी। महिलाओं की भीड़ दुकान के भीतर घुस गई।

पुलिस ने रोकने का प्रयास भी किया लेकिन असफल रही। फिर तो उग्र महिलाओं का गुस्सा पहले शराब पर फूटा। लाठी डंडे लिए महिलाएं दुकान में घुसी और शराब-बीयर की पेटियां उठाकर बाहर लगाकर जमीन पर फेंकना शुरू कर दिया।

महिला ने फंदे से लटककर तेंदुआ ने बकरी को बनाया निवाला

संवाददाता, बिलसंडा

अमृत विचार: रात को किसान के घर में घुसा तेंदुआ बकरी उठा ले गया। सुबह सवेरे परिजनों ने मौके पर तेंदुआ के पगमाकं और खून पड़ा देखा तो खोजबीन शुरू की। घर से करीब 250 मीटर बकरी का अधखाया शव पड़ा मिला। जिससे हड़कंप मच गया। किसान ने क्षेत्रीय वनाधिकारी को पत्र भेजकर घटना से अवगत कराते हुए मुआवजा दिलाने की मांग की है। घटना दियोरिया रेंज के अंतर्गत गांव जगतपुर में बीती रात हुई। गांव निवासी अमरजीत सिंह ने बताया कि उनकी बकरी घर के भीतर बंधी हुई थी। देर रात दीवार फांदकर घर में घुसे तेंदुआ बकरी पर हमला कर से खींच ले गया। किसान के बताया घटना की जानकारी गुरुवार सुबह



शराब की दुकान खुलवाने पहुंची टीम से विरोध जताती महिलाएं।



हाथ में आई चोट दिखाती महिला।



चोट दिखाते तहसीलदार वीरेंद्र कुमार।



चोट दिखाते तहसीलदार वीरेंद्र कुमार।

पथराव और लाठी-डंडे चलने में ये हुए घायल

शराब की दुकान के विरोध में हुए पथराव और लाठी- डंडे चलने में कलीनगर तहसीलदार वीरेंद्र कुमार, माधोटांडा थाने के दरोगा सैफ अली, नौशाद अली, महिला थाना की दरोगा रीता देवी, आबकारी के वाहन का चालक परवेश अहमद घायल हो गए। पथराव में आबकारी की बस, चार पहिया वाहन भी क्षतिग्रस्त हुआ है। वहीं, शीतल, किरण, सुधा, बिंदू, शीला, मालती समेत दर्जनभर महिलाओं के भी घायल हुईं।



बकरी का अधखाया शव मिलने के बाद जमा ग्रामीण।

● सुबह घर से 250 मीटर दूर मिला अधखाया शव

उस समय हुई, जब वे बकरियों को चारा डालने पहुंचे। मौके पर तेंदुआ के पैरों के निशान और पास में खून पड़ा हुआ था।

इससे किसान के परिवार में हड़कंप मच गया। तेंदुआ के पैरों के निशान के माध्यम से जब खोजबीन की गई तो घर से करीब 250 मीटर दूर झाड़ियों में बकरी का अधखाया



महिलाओं को समझाने का प्रयास करते एसडीएम कलीनगर और पूरनपुर सीओ।

दो माह का उठ चुका था स्टॉक, शराब की दुकान एक दिन भी नहीं खुली

बताते हैं कि बूंदीभूड़ गांव में आवंटित की गई अंग्रेजी शराब की दुकान बनारस के एक ठेकेदार के नाम पर आवंटित हुई जबकि देसी शराब की दुकान एक भाजपा नेता को हुई थी। इन दुकानों को अप्रैल माह से शुरू होना था, लेकिन विरोध के चलते दुकानें संचालित नहीं कराई जा सकी। अप्रैल और मई माह का स्टॉक भी दे दिया गया था। हालांकि दुकान एक दिन भी खुल नहीं सकी थी। जिसके चलते ठेकेदारों का भी नुकसान हो रहा था। बताते हैं कि करीब दस दिन पहले ठेकेदारों ने दुकान खुलवाने या फिर संबंधित प्लाइट कैंसिल करने की मांग प्रशासनिक अधिकारियों के सामने रखी थी। जिस पर शर्तों कर सब ठीक कराने के आश्वासन दिए गए थे। मगर अब हुए बवाल के बाद खलबली मच गई है।

पहली बार बूंदीभूड़ में आवंटित हुई हैं दुकानें

बता दें कि कलीनगर तहसील क्षेत्र के ग्राम बूंदीभूड़ में शराब की दुकानों का आवंटन पहली बार हुआ है। इससे पहले यहां पर कोई शराब की दुकान नहीं थी। बताते हैं कि यहां के लोग शराब पीने के लिए नेपाल सीमा क्षेत्र की दुकानों पर जाया करते थे। अब गांव में ही शराब की दुकान खुलने का पता चला तो महिलाओं का आक्रोश बढ़ गया था। उनका मानना था कि गांव में शराब की दुकान खुलेगी तो इसका असर सभी परिवारों पर पड़ेगा। उनका ये भी कहना था कि नजदीक में मंदिर भी है। इससे सामाजिक वातावरण खराब होगा और कानून व्यवस्था पर भी असर पड़ेगा।

बूंदीभूड़ गांव में आबकारी विभाग की दुकान स्वीकृत हुई थी। इसका विरोध कर रही महिलाओं को कई बार समझाने का प्रयास किया गया था। पुलिस बल के साथ पहुंची टीम ने समझाने का प्रयास किया तो भीड़ उग्र हो गई। दुकान में घुसकर शराब की बोतलें फेंकनी शुरू कर दी। तब भी शांत कराने का प्रयास किया गया, तो हक्का बल प्रयोग कर खेदे। आबकारी निरीक्षक की तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई कराई जा रही है।

—डॉ. प्रतीक दहिया, सीओ पूरनपुर।

महिला की मौत मामले में अस्पताल स्टाफ का बयान दर्ज

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● पूरनपुर की महिला की जिला महिला अस्पताल में हुई थी मौत

हो गई। परिवार ने हंगामा कर अस्पताल स्टाफ पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया था। शिकायत पर जांच टीम गठित की गई थी, जिसमें डॉ. जगदंबा सरन, डॉ.प्रेमचंद्र श्रीवास्तव और डॉ.संजीव कुमार को शामिल किया था। टीम ने पूर्व में प्रकरण से जुड़े दस्तावेज लिए थे। इसके बाद अब महिला को भर्ती कराने से लेकर उसकी मौत होने तक मौजूद रहे स्टाफ के बयान दर्ज किए हैं। जल्द ही जांच पूरी कर इस मामले में टीम रिपोर्ट अधिकारियों को सौंपेगी।

नगर पालिका को 30 लाख अतिरिक्त मिला बजट

●अभी तक 2.82 करोड़ का मिलता था राज्य वित्त से बजट

शहर में विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। नगरपालिका को बोर्ड फंड के अलावा राज्य वित्त आयोग से भी फंड दिया जाता है। यह ग्रंट नगर पालिका के लिए बेहद अहम मानी जाती है। इसी धनराशि से शहर में सड़क निर्माण, नाली मरम्मत, इंटरलॉकिंग, स्ट्रीट लाइट, साफ-

सफाई, कूड़ा उठान, पेयजल व्यवस्था और वेतन आदि समेत सुविधाओं पर खर्च किया जाता है। पिछले कुछ समय से महंगाई बढ़ने के कारण विकास कार्यों की लागत भी लगातार बढ़ रही थी, जिससे पालिका को सीमित बजट में कार्य कराने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। अभी तक 2.82 करोड़ की ग्रंट मिलती थी। मगर इस बार शासन की ओर से 30 लाख रुपये अतिरिक्त दिए गए हैं।

ईओ संजीव कुमार ने बताया कि अतिरिक्त बजट मिलने से रुके हुए कई छोटे-बड़े कार्यों को दोबारा गति दी जा सकेगी। खासतौर पर बरसात से पहले नालों की सफाई, खराब सड़कों की मरम्मत और सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। शहर के कई मोहल्लों में लंबे समय से बुनियादी सुविधाओं को लेकर उठ रही मांगों को भी इससे राहत मिलने की उम्मीद है।

सुविधा शुल्क मांगने वाला लेखपाल निलंबित

बीसलपुर, अमृत विचार: आय प्रमाण पत्र जारी करने के नाम पर महिला से पांच हजार रुपये सुविधा शुल्क मांगने वाला लेखपाल निलंबित कर दिया गया है। डीएम के निर्देश पर कार्रवाई की गई।

बरखेड़ा ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम कुसमा में तैनात लेखपाल धर्मपाल ने बीते दिनों एक महिला के आय प्रमाण पत्र पर विभागीय रिपोर्ट लगाई गई थी। महिला ने डीएम ज्ञानेंद्र सिंह के समक्ष पेश होकर आरोप लगाया था कि लेखपाल ने आय प्रमाण पत्र में आय से अधिक आमदनी दर्शा दी है। कम आमदनी दर्शाने के लिए कहा तो पांच हजार रुपये सुविधा शुल्क मांगा गया। रुपये न दे पाने पर आय से अधिक आमदनी का प्रमाण पत्र जारी किया गया। एसडीएम नागेंद्र पांडे को मामले की जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। एसडीएम ने बताया कि लेखपाल को निलंबित कर दिया है।

अमृत विचार: मानसून की दस्तक से पहले ही हो रही बेमौसम बारिश एवं आंभी ने पावर कॉरपोरेशन की ओर से किए गए बेहतर बिजली सप्लाई के दावों की कलाई खोलकर रख दी है। बिगड़ते मौसम के मिजाज के बीच गर्मी से कुछ राहत मिल रही है। मगर, बिजली की अधोषि्त कटौती ने लोगों को परेशान कर दिया। बेहतर बताए जा रहे संसाधन तेज हवा और बारिश के बीच हांफ रहे हैं। लोकल फाल्ट की वजह से व्यवस्था चरमरा गई है। जिसका सीधा-असर घरेलू और व्यावसायिक जीवन पर पड़ रहा है। गुरुवार को भी पूरे दिन लोग बिजली की कटौती को लेकर सुबह से ही परेशान होते रहे। पावर कॉरपोरेशन की टीमें सुधार के लिए दौड़ती रही।

इन दिनों मौसम का मिजाज बार-बार बदल रहा है। बुधवार को गर्मी के बीच कई जगह लोड़



घनश्याम कॉलोनी फाल्ट ठीक करता कर्मचारी।

बढ़ने पर फाल्ट होते रहे। जिसे लेकर उपभोक्ता बेहाल रहे और कर्मचारियों की भी दौड़-भाग बनी रही। गुरुवार सुबह मौसम बदला। सुबह से बादल छाए और तेज हवा चली। हल्की बारिश भी हुई। इसी बीच सुबह करीब तीन बजे से ही बिजली व्यवस्था लड़खड़ा गई। 33 के वी लाइन का जंफर खराब हुआ तो कहीं ट्रांसफार्मर और तारों में फाल्ट हो गए। शिवनगर कॉलोनी,



33 केवी लाइन की मरम्मत को लगी टीम।

● बिजली कटौती: गुरुवार को भी मौसम का मिजाज बदलते ही शहर में गहराया बिजली संकट,

आईटीआई के पास लो वोल्टेज की दिक्कत हुई। सुभाषनगर कॉलोनी में सुबह तीन बजे से ही बत्ती गुल हो गई। एकटा नगर कॉलोनी, खकरा फोडर, बल्लभनगर कॉलोनी, राजीव कॉलोनी, झंडे वाला चौराहा,



रामलीला उपकेंद्र क्षेत्र में केबिल बॉक्स ठीक करता कर्मी।

घंटों गुल रही बिजली

● जंफर हुए खराब तो कहीं ट्रांसफार्मर और तारों में फाल्ट

नई बस्ती, डोरीलाल, आसफजान, होली चौराहा पुरानागंज, ठेका चौकी रोड, उपाधि कॉलेज मार्ग, चौक बाजार, खुशीमल आदि

अधे शहर से अधिक इलाके के उपभोक्ता बिना बिजली के परेशान हो गए। सभी जगहों पर टीमें दौड़ाई

गई। जिसके बाद एक-एक कर सुधार कराकर सप्लाई चालू कराई जाती रही। दोपहर करीब दो बजे तक सभी स्थानों पर बिजली सप्लाई सुचारू कर दी गई। हालांकि इसके बाद भी कई इलाकों में बिजली की आंख मिचौली बनी रही। उधर, दिनभर बादल छाए रहे और रुक-रुककर बूँदाबांदी होती रही, जिसे लेकर तेज बारिश का अनुमान लगाया जाता रहा।



ट्रांसफार्मर को सुधारने पहुंची टीम।



अग्रवाल सभा के पास सुधार करता कर्मचारी।



ROHILKHAND
CANCER
INSTITUTE

200 बेड का आधुनिक
कैंसर हॉस्पिटल
पिछले 5 साल से
आप के बीच में

कैंसर की
सम्पूर्ण
देखभाल
एक ही छत
के नीचे

बरेली का एकमात्र
PET CT

पूरे शरीर का
रंगीन सीटी,
कैंसर की स्टेज
जानने के लिए

हमारी सेवाएं

सर्जिकल
ऑन्कोलॉजी

रेडिएशन
ऑन्कोलॉजी

डे केयर थेरेपी

इम्यूनोथेरेपी

कैंसर आईसीयू

फ्रोजन सेक्शन और
इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री

मैमोग्राफी

कैंसर के रोकथाम

की ओपीडी

इण्टरवेंशनल

रेडियोलॉजी



प्रधानमंत्री आरुग्मन योजना
के अन्तर्गत पाँच लाख तक
का इलाज मुफ्त

Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050

www.rohilkhandcancerinstitute.com

रेहलखण्ड मेडिकल कॉलेज
एवं हॉस्पिटल कैम्पस

सुरेश शर्मा नगर,

पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

डिजिटल जनगणना के महापर्व का आरंभ

डीएम ने खुद भरा स्व-गणना फॉर्म, जनप्रतिनिधियों ने भी भरे, कार्यालया में अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जनपद में जनगणना-2027 के प्रथम चरण का गुरुवार को आगाज हो गया। डीएम ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में स्वयं का स्व-गणना फॉर्म भरकर इस अभियान की औपचारिक शुरुआत की। इसके साथ ही गांधी सभागार में जनपद स्तरीय अधिकारियों की स्व-गणना कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें डिजिटल माध्यम से जनगणना के बारीकियों को साझा किया गया। साथ ही डीएम ने अधिकारियों को अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों से स्वगणना फार्म भरवाने के निर्देश दिए।

जनपद में जनगणना-2027 को लेकर जिला प्रशासन द्वारा पिछले कई दिनों से तैयारियाँ की जा रही थीं। इधर गुरुवार को जनगणना के प्रथम चरण यानी स्व-गणना अभियान की शुरुआत हो गई। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में स्व-गणना फार्म भरकर अभियान का शुभारंभ किया। जनप्रतिनिधियों द्वारा भी स्व-गणना फार्म भरकर प्रथम



कलेक्ट्रेट कार्यालय में पोर्टल पर स्व-गणना फार्म भरते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह।

चरण की शुरुआत कराई गई।

एसडीएम सदर श्रद्धा सिंह टीम के साथ राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार के आवास पर पहुंची और फिर राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने खुद स्वगणना फार्म भरा। इसी तरह से पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान, बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्ता नंद समेत अन्य जनप्रतिनिधियों के स्व-गणना फार्म स्वयं भरे। इधर गांधी सभागार में स्व-गणना कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें डीएम ने कहा कि 7 मई से शुरू हुआ स्व-गणना का यह अभियान 21 मई तक जारी रहेगा।

● **पोर्टल पर डेटा फीडिंग का कार्य शुरू, 21 मई तक चलेगा स्व-गणना अभियान**

प्रशिक्षण के दौरान मौजूद अधिकारियों ने भी पोर्टल पर अपने-अपने स्व-गणना फॉर्म भरे। इस दौरान डीएम ने निर्देश दिए कि सभी विभागाध्यक्ष अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों से समयबद्ध तरीके से स्व-गणना फॉर्म भरवाना सुनिश्चित करें।

स्व-गणना प्रक्रिया में जन भागीदारी बढ़ाने पर विशेष बल दिया जाए। कहा कि डेटा की शुद्धता और समयबद्धता इस



स्वगणना फार्म भरने के बाद राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार, एसडीएम सदर व टीम।

जनगणना केवल आंकड़ों का एकत्रीकरण नहीं है, बल्कि यह देश के भविष्य की योजनाओं और विकास का मूल आधार है। नागरिक डिजिटल माध्यम से स्वगणना पोर्टल पर जाकर स्वयं अपनी गणना कर सकते हैं। हमारा लक्ष्य डेटा की शत-प्रतिशत शुद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।

—ज्ञानेंद्र सिंह, डीएम।

अभियान की प्राथमिकता है। कहा कि इस बार नागरिकों को डिजिटल माध्यम से स्वयं की गणना करने की सुविधा दी गई है, जिससे न केवल समय की बचत होगी बल्कि मानवीय त्रुटियों की संभावना भी कम रहेगी।

उन्होंने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से अपील की कि वे आमजन को जागरूक करें, स्व-गणना पोर्टल [https://](https://se.census.gov.in)

se.census.gov.in का उपयोग कर राष्ट्र निर्माण के इस महापर्व में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। इस मौके पर एसपी सुकीर्ति माधव, सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास, एडीएम वित्त प्रसून द्विवेदी, एडीएम न्यायिक रोशनी यादव, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर समेत अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

छात्रा निमिष पाल को मेडल पहनाकर किया सम्मानित

संवाददाता, बरखेड़ा

अमृत विचार: लखनऊ में युवा संसद 2026 कार्यक्रम में एचआरपी डिग्री कॉलेज में बीए चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा निमिष पाल द्वारा किए गए उत्कृष्ट प्रदर्शन को लेकर गुरुवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रबन्ध निदेशक मुकेश कुमार गुप्ता, प्राचार्या डॉ.वन्दना शर्मा ने छात्रा को मेडल पहनाकर और ट्रॉफी भेंट करके सम्मानित किया।

जिला स्तर पर 24 मार्च को विकसित भारत युवा संसद 2026 का राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बीसलपुर में आयोजन किया गया था। इसमें विभिन्न महाविद्यालयों के युवाओं ने लिया था। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों में छात्रा निमिष पाल प्रथम रहीं। उनका चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ।



सम्मानित की जाती छात्रा निमिष पाल।

● **लखनऊ में युवा संसद 2026 कार्यक्रम में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन**

छात्रा ने एक से तीन मई तक विधानसभा लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय विकसित भारत युवा संसद कार्यक्रम में प्रतिभाग की। जनपद का प्रतिनिधित्व किया। प्रबन्ध निदेशक आशीष गुप्ता ने छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस तरह के आयोजनों से युवाओं को राष्ट्रीय मुद्दों पर अपनी बात रखने का अवसर मिलता है, उनमें जागरूकता और आत्मविश्वास का विकास होता है। डॉ. अनूप बेरी ने भी विचार रखे।

राज्य महिला आयोग की सदस्य ने जाना महिलाओं का हाल



गोमती सभागार में सुनवाई करती महिला आयोग की सदस्य पुष्पा पांडेय।

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: राज्य महिला आयोग की सदस्य पुष्पा पांडेय ने गुरुवार को विभिन्न सरकारी संस्थानों की जमीनी हकीकत परखी। इस दौरान उन्होंने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण व्यवस्थाएं परखीं। वहीं जिला कारागार में पहुंचकर महिला बंदियों की समस्याएं जानी। इस दौरान उन्होंने जनसुनवाई करते हुए पीडित महिलाओं की शिकायतों भी सुनीं और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के तत्काल निस्तारण के निर्देश दिए। राज्य महिला आयोग की

● **बांटी बेबी किट, अस्पताल, कारागार और कस्तरबा विद्यालय का किया निरीक्षण**

सदस्य पुष्पा पांडेय गुरुवार को एक दिवसीय दौरे पर पीलीभीत पहुंचीं। करीब 10 बजे वे जिला अस्पताल पहुंचीं। उनके औचक निरीक्षण से अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया। उन्होंने लेबर रूम का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था पर विशेष जोर दिया। महिला अस्पताल में उन्होंने पांच नवजात बालिकाओं को बेबी किट वितरित की। इसके बाद विकास भवन स्थित गोमती सभागार में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: मां यशवंतरी देवी मंदिर परिसर में भाजपा की ओर से पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में हुई पार्टी की जीत और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के जन्मदिन के अवसर पर भंडारे का आयोजन किया गया। जिलाध्यक्ष की अगुवाई में जमा हुए जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने केक काटकर उपमुख्यमंत्री का जन्मदिन मनाया गया और फिर भंडारे कराया। बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। सुरक्षा के लिहाज से कोतवाल सत्येंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। इस मौके पर जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य, पूर्व जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद, पूरनपुर विधायक

● **केशव प्रसाद मौर्य के जन्मदिन पर कराया भंडारे का आयोजन**

बाबूराम पासवान, पूर्व विधायक किशन लाल राजपूत, नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गुरुभाग सिंह, ब्लॉक प्रमुख मरौरी सभ्यता देवी वर्मा, ब्लॉक प्रमुख अमरिया निशान सिंह, जिला उपाध्यक्ष लेखराज भारती, विकास



गांधी सभागार में बैठक के दौरान निर्देश देते राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार।

विधायकों के प्रस्ताव पर ही बनेगी सड़कों की कार्ययोजना

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जनपद में वित्तीय वर्ष 2026-27 के निर्माण कार्यों की कार्ययोजना गठन को लेकर राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार की अध्यक्षता में बैठक हुई। इस दौरान जनपद की विधानसभाओं के लिए प्रस्तावित निर्माण एवं मरम्मत कार्यों के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान राज्यमंत्री ने कहा कि सड़कों के निर्माण और मरम्मत को कार्ययोजना जनप्रतिनिधियों के समन्वय से धरातल पर तैयार की जाएगी।

गांधी सभागार में गुरुवार को हुई इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने लोक निर्माण विभाग के अभियंताओं को निर्देशित किया गया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना का गठन पूरी पारदर्शिता एवं जनप्रतिनिधियों के समन्वय के साथ किया जाये। निर्देश दिए कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के

● **वित्तीय वर्ष के निर्माण कार्यों की कार्ययोजना गठन को लेकर बैठक में राज्यमंत्री ने दिए निर्देश**

प्रस्ताव संबंधित विधायक से प्राप्त किये जाएं तथा प्रस्तावों का मिलान संबंधित विधानसभा के विधायक से कराने के उपरांत ही अंतिम कार्ययोजना तैयार की जाए।

कहा कि किसी भी विधानसभा क्षेत्र की कार्ययोजना में अन्य विधानसभा क्षेत्र के मार्गों को सम्मिलित न किया जाये, जिससे कार्यों का निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। कहा कि विकास कार्यों में क्षेत्रीय आवश्यकताओं एवं जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। बैठक में विधायक विवेक वर्मा, विधायक बाबूराम पासवान, विधायक प्रतिनिधि हरेंद्र कुमार, डीएम ज्ञानेंद्र सिंह, सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी राजेश चौधरी आदि मौजूद रहे।



पूर्व जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह को केक खिलाते भाजपा जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य।

उपमुख्यमंत्री का मनाया जन्मदिन

बीसलपुर, अमृत विचार: विधायक विवेक वर्मा के कैप कार्यालय पर गुरुवार को उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का जन्मदिन मनाया गया। विधायक ने केक काटकर उपमुख्यमंत्री की दीर्घायु की कामना की। इस मौके पर पूर्व मंत्री रामसन वर्मा, जिला उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता, ईटगांव मंडल अध्यक्ष पंडित बुजेश शुक्ला, आद्रीलाल वर्मा, सुमित कुमार गंगवार आदि मौजूद रहे। इस दौरान फल और मिठाई भी बांटी गई।

बाबूराम पासवान, पूर्व विधायक किशन लाल राजपूत, नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गुरुभाग सिंह, ब्लॉक प्रमुख मरौरी सभ्यता देवी वर्मा, ब्लॉक प्रमुख अमरिया निशान सिंह, जिला उपाध्यक्ष लेखराज भारती, विकास

श्रीवास्तव, मनोज गुप्ता, आयुष मिश्रा, जिला मंत्री पंकज तिवारी, ऋद्धा सिंह पटेल, नानेंद्र प्रताप, रेनु राज, जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा गीता मिश्रा, मीडिया प्रभारी अभिमन्यु गंगवार, अभिषेक सिंह गोहड़ी, अंशुमन तिवारी, साकेत सक्सेना प्यारेलाल आदि मौजूद रहे।

चयन के लिए होगा खिलाड़ियों का ट्रायल

पीलीभीत, अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने पांच प्रमुख स्पोर्ट्स कॉलेज में नए शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। इनमें 300 से अधिक सीटों पर ट्रायल के आधार पर चयन होगा। मंडल स्तरीय चयन ट्रायल 15 से 25 मई के बीच होंगे। राज्य स्तरीय ट्रायल तीन जून से छह जून के बीच लखनऊ, गोरखपुर, सैफई में होंगे। उसके बाद सफल आवेदन कर्ताओं का मेडिकल कराने के बाद प्रवेश दिया जाएगा। जिला कोड़ा अधिकारी जयवीर सिंह ने बताया कि प्रदेश के अयोध्या, सहारनपुर, गोरखपुर, मुरादाबाद, वाराणसी, आगरा, प्रयागराज और लखनऊ समेत प्रदेश के अन्य जिलों के आठ शहरों में ट्रायल होंगे। इसमें सभी जिलों के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। स्पोर्ट्स कॉलेज में इस बार अलग-अलग आयु वर्ग और खेल श्रेणी में सीटों पर प्रवेश होगा। चयन खिलाड़ियों के प्रदर्शन फिटनेस और खेल कौशल के आधार पर होगा। विशेषज्ञ कोच और चयन समिति खिलाड़ियों का मूल्यांकन करेंगे।

बीए-बीएससी के पाठ्यक्रम संचालन की मिली अनुमति

पीलीभीत, अमृत विचार: स्प्रिंगडेल कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज को महात्मा ज्योतिबा फुले रहेलखंड विश्वविद्यालय से सत्र 2026-27 से बीए, बीएससी के विभिन्न विषयों में पाठ्यक्रम संचालित करने की औपचारिक अनुमति मिली है। इससे आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को राहत मिलेगी।

कॉलेज में बीए के अंतर्गत अर्थशास्त्र, शिक्षा शास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान, हिंदी, अंग्रेजी विषयों की पढ़ाई कराई जाएगी। वहीं बीएससी में वनस्पति विज्ञान,



स्प्रिंगडेल कॉलेज का भवन।

रसायन विज्ञान, गणित, भौतिकी और प्राणी विज्ञान जैसे प्रमुख

डीएम-एसपी ने छात्रा को किया सम्मानित

पीलीभीत, अमृत विचार: डीएम ज्ञानेंद्र सिंह, एसपी सुकीर्ति माधव ने जवाहर नवोदय विद्यालय बीसलपुर की राष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट में द्वितीय स्थान पर चयनित छात्रा तनुष्का गंगवार को सम्मानित किया। गांधी सभागार में हुए कार्यक्रम के दौरान छात्रा को प्रमाण पत्र व शील्ड देकर सम्मानित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



छात्रा को सम्मानित करते डीएम-एसपी।

इस खेल में प्रोत्साहित करने एवं मार्गदर्शन में रेनु भाटिया टीजीटी खेल शिक्षिका ने सहयोग किया।

न्यूज़ ब्रीफ

किसान के बेटे का

ऑडिटर पद पर चयन

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ऑडिटर भर्ती में बेहजम ब्लॉक क्षेत्र के टेङ्गवा गांव निवासी सुरेश वर्मा एक छोट किसान इन्द्रपाल वर्मा के पुत्र हैं। मां गृहिणी हैं। सुरेश वर्मा ने बताया उनका चयन ऑडिटर पद पर हुआ है। वह वर्तमान में चौधरी बेबेलाल महाविद्यालय रसूलपुर चौरहरा में बीएड विभाग में सहायक अध्यापक हैं।



बाइक चालक के

खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : कुम्हारन टोला निवासी साजन ने बताया कि 6 मई को दोपहर एक बजे उनका भाजा रथाम बांकेगंज रोड पर जा रहा था। विकास चौराहा के निकट नशे में धुत बाइक चला रहे शहाबुद्दीनपुर गांव निवासी शिखर वर्मा ने उसे टक्कर मार दी, जिससे भांजा घायल हो गया, जिसे सीएचसी से लखनऊ रेफर किया गया, जहां निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसने शिखर वर्मा पर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

कीटनाशक छिड़क रहे मजदूर की हालत बिगड़ी, मौत

संवाददाता, रजागंज

अमृत विचार : गोला कोतवाली क्षेत्र के गांव करनपुर में गन्ने के खेत में यूरिया के साथ कीटनाशक दवा डाल रहे मजदूर की हालत बिगड़ गई। उसे परजिन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसकी मौत हो गई।



मृतक गंगाराम।

गांव करनपुर निवासी गंगाराम (48) गुरुवार को गांव के ही केशव राम मिश्रा के गन्ने के खेत में मजदूरी करने गया था। वहां वह खेत में यूरिया के साथ कीटनाशक दवा डाल रहा था। इस दौरान उसे चक्कर आने लगे और घबराहत में मजसूर हुई। कुछ देर बाद उसकी हालत और बिगड़ गई। खेत में मौजूद अन्य मजदूरों और ग्रामीणों ने किसी तरह उसे घर पहुंचाया। परजिनों ने

संवाददाता, भानपुर/भीरा (लखीमपुर खीरी)

अमृत विचार : भीरा थाना क्षेत्र के मोहल्ला सलावत नगर में तेज रफ्तार बाइक निकालने को लेकर हुए विवाद में पिटाई से घायल मौलाना चांद खान (50) की इलाज के दौरान गुरुवार को मृतक मौलाना चांद खां। मौत हो गई। इससे मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजते हुए हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है। घटना के बाद से गांव में तनाव का माहौल है।



मृतक मौलाना चांद खां।

मोहल्ला सलावत नगर मौलाना चांद खान का पुत्र नौशदा दो दिन पहले अपनी गली से बाइक लेकर निकल रहा था। इस दौरान उसी के पड़ोसी रेहान पुत्र बाबू ने तेज गति से बाइक निकालने पर ऐतराज किया। इस पर दोनों पक्षों में विवाद हो गया



रोती-बिलखती मृतक के परिवार की महिलाएं।

● अमृत विचार

● मौलाना चांद खां भानपुर मस्जिद में नमाज पढ़ाते थे

था। इससे आरोपी पक्ष रंजिश मान रहा था। बुधवार की दोपहर तीन बजे के आसपास मौलाना चांद खान घूमने के इरादे से मैलानी रोड की तरफ गए थे। आरोप है कि छाजूराम कॉलेज के पास बाबू, शाहरुख, रेहान, गामा और अफसाना पत्नी बाबू ने उन्हें रोक लिया और विवाद करने लगे। इस पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी बढ़ गई।

इससे देखते ही देखते विवाद ने उग्र रूप ले लिया। परजिनों का आरोप है कि आरोपियों ने मौलाना चांद खां पर लाठी-डंडों और लात-घूसों से हमला कर दिया। हमले में उनके सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं और वह मौके पर ही लहलुहान होकर गिर पड़े।

घटना की सूचना मिलते ही परजिन मौके पर पहुंचे और घायल अवस्था में खून से लथपथ पड़े मौलाना को अस्पताल ले गए, जहां उनकी गुरुवार को उपचार के दौरान मौत हो गई।

कम किराये के सफर ने छीनी चार जिंदगियां, ठसाठस भरा था टेंपो

संवाददाता, खमरिया

अमृत विचार : महज 30 रुपये किराये का लालच गुरुवार शाम ऐरा पुल पर चार परिवारों की जिंदगी पर भारी पड़ गया। कम किराए में सफर कराने की होड़, क्षमता से अधिक सवारियां और तेज रफ्तार ने ऐसा दर्दनाक मंजर पैदा किया कि चीख-पुकार से लोग दहल उठे। भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद पुल पर अफरा-तफरी और मातम का माहौल बन गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक खमरिया से लखीमपुर के बीच चलने वाले कई सीएनजी ऑटो चालक महज 30 रुपये में यात्रियों को बैठाते हैं। कम किराए के कारण लोग मजबूरी और सुविधा के चलते इन ऑटो में सफर करते हैं, लेकिन चालक अधिक कमाई के लालच में क्षमता से कहीं



जाम खुलवाती पुलिस।

● अमृत विचार



घायल अख्तर। घायल शाने आलम।

ज्यादा सवारियां भर लेते हैं। गुरुवार शाम हादसे का शिकार हुआ ऑटो भी यात्रियों से ठसाठस भरा था। बताते हैं कि उसमें करीब 18 यात्री सवार थे। ऐरा पुल पर ऑटो चालक तेज रफ्तार में आगे चल रहे वाहन को ओवरटेक



घायल ऐश्वर्य अवस्थी। घायल जाहिरुन्निशा।

करने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक से उसकी जोरदार भिड़त हो गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए और कई यात्री सड़क पर जा गिरे। हादसे के बाद हाईवे पर

वाहन की टक्कर लगने से साइकिल सवार की मौत

निघासन, अमृत विचार : निघासन कोतवाली क्षेत्र के नंदापुरवा गांव निवासी महावीर एक सिख फार्मर के यहां नौकरी करते थे। बुधवार रात करीब आठ बजे वह साइकिल से सामान लेने जा रहे थे। इसी दौरान खैरटिया गांव के पास किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में महावीर गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मृतक के पुत्र दलीश कुमार ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गई है। आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।

29 महीने बाद वतन लौटेगा चीनी युवक

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- दिल्ली से आज चीन रवाना होगा कागजी प्रक्रिया पूरी
- सीमा पर बिना दस्तावेज पकड़ा गया था वांग गोर्जुन

गया था। करीब दो वर्ष से अधिक समय तक जेल में रहने के बाद 8 अप्रैल 2026 को उसकी रिहाई हो गई। कागजी औपचारिकताओं और अंतर्राष्ट्रीय प्रक्रिया में समय लगने के कारण उसे अस्थायी डिटेनशन सेंटर में रखा गया। इस दौरान गृह मंत्रालय के अधिकारी लगातार चीनी दूतावास के संपर्क में रहे और आवश्यक दस्तावेज तैयार कराए गए।

जेल अधीक्षक पीडी सलौनिया ने बताया कि गुरुवार सुबह सुरक्षा व्यवस्था के बीच चीनी युवक को दिल्ली भेज दिया गया है। शुक्रवार को वह दिल्ली से अपने देश चीन के लिए रवाना होगा। देश लौटने की खबर सुन युवक के चेहरे पर खुशी थी।



घटना स्थल पर वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाती फॉरेंसिक टीम।

● अमृत विचार

फॉरेंसिक टीम ने जुटाए अहम साक्ष्य

घटना की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम में घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और वहां से चप्पल, काला अगोछा तथा कंबल समेत कई अहम साक्ष्य बरामद किए। इसके अलावा कई अन्य वैज्ञानिक साक्ष्य भी जुटाए हैं। पुलिस इन साक्ष्यों के आधार पर पूरे घटनाक्रम की जांच में जुटी है।

पुलिस बल तैनात किया गया है। एसओ रोहित दुबे ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगाई गई हैं, जो संभावित स्थानों पर दबिश दे रही हैं। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मृतक मौलाना चांद खां भानपुर मस्जिद में नमाज पढ़ाते थे और क्षेत्र में एक शांत स्वभाव व नेकदिल



सलामत नगर भद्गा गांव में तैनात पुलिस बल।

● अमृत विचार

भाई को बेरहमी से पीटा गया

मृतक के भाई जहूर खां ने आरोप लगाया कि उनका भाई रोज की तरह सुबह टहलने गया था। तभी आरोपियों ने उस पर अचानक हमला कर दिया। लाठी-डंडों से ली गई बेरहमी से पिटाई में उसे गंभीर चोटें आईं, जिसके कारण इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

इंसान के रूप में जाने जाते थे। उनके परिवार में तीन बेटे और तीन बेटियां हैं, जिनमें एक बेटा की भी कार्रवाई की जाती है। मौलाना की मौत से लोगों में गम और गुस्सा है।

पुल पर गूंजती रहीं चीखें मदद को दौड़े लोग

हादसे के बाद पुल पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोग और राहगीर तुरंत मदद के लिए दौड़ पड़े। किसी ने घायलों को सभाला तो किसी ने एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नकहा पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में कई घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहीं चार लोगों की मौत से अस्पताल से लेकर घटनास्थल तक कोहराम मच गया। मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था।

हादसे में घायलों के नाम

टुक और ऑटो के बीच हुई भिड़त में घायल होने वालों में ऐश्वर्य अवस्थी पुत्र विजय कुमार निवासी मोहल्ला ईदगाह लखीमपुर खीरी, शर्मा देवी पत्नी रामलखन सिंह निवासी ओयल, अख्तर अली पुत्र छोट निवासी कोइरी थाना तंबौर सीतापुर और छोट पुत्र मैनूद्दीन शामिल हैं। सभी का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

दोनों तरफ कई किलोमीटर लंबी वाहनों की लाइन लग गई। पुलिस ने

नियमों की अनदेखी बन रही जानलेवा

स्थानीय लोगों का कहना है कि खमरिया- लखीमपुर मार्ग पर लंबे समय से ओवरलोड सीएनजी ऑटो धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं। न तो इनकी नियमित जांच होती है और न ही क्षमता से अधिक सवारियां बैठाते पर कोई प्रभावी कार्रवाई की जाती है। कई बार शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार विभाग गंभीर नहीं हुआ, जिसका नतीजा गुरुवार को दर्दनाक हादसे के रूप में सामने आया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। लोगों ने प्रशासन से ओवरलोड ऑटो संचालन पर तत्काल रोक लगाने, नियमित चैकिंग अभियान चलाने और नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों को रोक जा सके।

समय-समय पर अभियान चलाकर वाहनों की चैकिंग की जाती है। निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां मिलने, ओवरलोड, कागजी के पूरे न होने पर वाहन और सीज करने की भी कार्रवाई की जाती है। जल्द ही पीलीभीत-बरती हाईवे पर बड़े स्तर पर चैकिंग अभियान चलाकर ऐसे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

-शांति भूषण पंडेय, एअरटी।ओ।

आंटी को किनारे कराने और घायलों को अस्पताल भेजने के बाद हाईवे

खुलवाया। तब जाकर करीब एक घंटे बाद आवागमन शुरू हो सका।

मंदिर कमेटी और वन कर्मियों में तीखी नोकझोंक

संवाददाता, फूलबेहड़

- पेड़ों की कटाई की आशंका से भड़के श्रद्धालु

अमृत विचार : ललौटी नाथ शिव मंदिर मार्ग के चौड़ीकरण को लेकर गुरुवार को विवाद खड़ा हो गया। सड़क किनारे लगे पेड़ों की मार्किंग करने पहुंचे वन विभाग के कर्मचारियों और मंदिर कमेटी के सदस्यों के बीच नोकझोंक हुई। पेड़ों की कटाई की आशंका से महंत रोहित गिरी ने हरियाली बचाने की मांग उठाई।

लोक निर्माण विभाग की ओर से करीब 1.33 किलोमीटर लंबी और 5.5 मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। फिलहाल सड़क किनारों पर मिट्टी पटाई का कार्य चल रहा है। मंदिर से कुछ दूर पहले कंडवा नदी पर पुलिया का भी चौड़ीकरण प्रस्तावित है। मंदिर कमेटी का आरोप है कि सड़क चौड़ीकरण के नाम पर बड़ी संख्या में पेड़ों की छंटाई और कटान की तैयारी है। इसी आशंका

को लेकर गुरुवार को जब वन विभाग की टीम पेड़ों की छपान करने पहुंची तो विरोध शुरू हो गया। इस दौरान सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी वायरल हुआ, जिसमें वन कर्मी मौके पर दिखाई दे रहे हैं और कुछ मजदूर कुल्हाड़ी लिए नजर आ रहे हैं। वीडियो में महंत रोहित गिरी पेड़ों को बचाने की अपील कर रहे हैं कि पेड़ों पर आरा नहीं चलने दिया जाएगा।

गोला रंज के वन दरोगा कुलदीप ने बताया कि पीडब्ल्यूडी की ओर से विभाग को पेड़ों के संबंध में पत्र भेजा गया था। अधिकारियों के निर्देश पर वन कर्मी केवल छपान प्रक्रिया के लिए पहुंचे थे। कहा कि वायरल वीडियो विभाग के संज्ञान में है। विवाद समाप्त होने तक मार्किंग नहीं की जाएगी।

बैङ बजाने गए युवक के पैर में लगी गोली

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

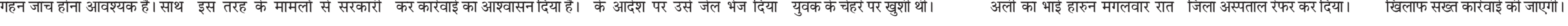
- शादी समारोह में द्वाराचार के दौरान फायरिंग के दौरान हुई घटना

अमृत विचार : मैंगलगंज थाना क्षेत्र के गांव भगौतीपुर में एक शादी समारोह उस समय अफरा-तफरी मच गई। जब द्वाराचार के दौरान हर्ष फायरिंग में बैङ बजाने गए युवक को गोली लग गई। गोली दाहिने पैर में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर गिर पड़ा। घटना के बाद शादी समारोह में भगदड़ मच गई। घायल युवक को पहले सीएचसी मिर्तौली ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर उसे प्राथमिक उपचार देकर जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां अस्का इलाज जारी है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर पर जानलेवा हमला और आम्स एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोहम्मदी थाना क्षेत्र के गांव कैमहरा निवासी फारूक पुत्र आशिक अली का भाई हारुन मंगलवार रात

अपने साथियों के साथ गांव भगौतीपुर में जोती राम सिंह के यहां बारात में बैङ बजाने गया था। देर रात करीब 12 बजे द्वाराचार कार्यक्रम चल रहा था और बारातियों के स्वागत की तैयारियां चल रही थीं। इसी दौरान आरोप है कि बराती पक्ष के वेदपाल निवासी बरेली और उसके साथ मौजूद एक अन्य युवक ने अवैध असलहों से फायरिंग शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पहले कुछ ही क्षण बाद एक गोली सीधे हारुन के दाहिने पैर में जा लगी। गोली लगते ही हारुन दर्द से चीखते हुए जमीन पर गिर पड़ा। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई। घायल हारुन को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दिहाल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर बताते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

वर्तमान में उसका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। घटना के बाद पीड़ित पक्ष में आक्रोश है। घायल के भाई फारूक ने आरोप लगाया कि बारात में खुलेआम अवैध हथियारों से फायरिंग की जा रही थी, जिसकी चपेट में आकर उसका भाई घायल हुआ। मामले को गंभीरता से लेते हुए मैंगलगंज पुलिस ने आरोपी वेदपाल समेत एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ जानलेवा हमला और आम्स एक्ट की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। वहीं घटना के बाद क्षेत्र में शादी समारोहों में होने वाली हर्ष फायरिंग को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अवैध हथियारों के प्रयोग और सार्वजनिक आयोजनों में फायरिंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।





न्यूज़ ब्रीफ

मेधावियों का पंचायत कार्यालय में सम्मान

मैलानी, अमृत विचार : नगर पंचायत मैलानी एवं आसपास के क्षेत्र के उन होनहार विद्यार्थियों को जिन्होंने कक्षा 10, 11 एवं 12 की परीक्षाओं में प्रतिभा का प्रदर्शन किया। ऐसे मेधावी रचित अग्रवाल, नामित अग्रवाल, रिया, मनीष कुमार यादव, आदित्य ठाकुर को नगर पंचायत कार्यालय मैलानी में पंचायत अध्यक्षा कीर्ति माहेश्वरी के प्रतिनिधि भवानी शंकर माहेश्वरी ने प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। साथ ही उनके माता पिता को भी सम्मानित किया गया। विनय कुमार शर्मा, रामाधार, गुरमीत कौर, दिलशाद, इमरान, विपिन पांडे, राहुल शर्मा सहित अनेक नागरिक मौजूद रहे।

चोरी के मामले में युवक गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कोतवाली सदर पुलिस ने चोरी के मामले में गद्दी रोड मोहल्ला शांतिनगर निवासी अयुष शुक्ला उर्फ छुट्कन्ने को गिरफ्तार किया है। शहर कोतवाला राजेश कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी के पास से चोरी के 2600 रुपये नगद, तमबा और कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी का चालान भेजा है।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कोतवाली घोरहरा पुलिस ने किशोरी से दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे आरोपी सिसैयाकला निवासी सखन उर्फ छोटू को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर गुरुवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से अदालत ने उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा है।

पॉक्सो एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मिर्जापुर पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर चालान कर दिया है। मिर्जापुर थानाध्यक्ष सोनी शुक्ला ने बताया कि आरोपी डीपी यादव के खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप है कि करीब दस दिन पहले वह एक किशोरी को अगवा करके ले गया था। पुलिस ने किशोरी को बरामद कर उसका डॉक्टर परीक्षण कराया था। घटना के बाद आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस ने आरोपी डीपी यादव को गिरफ्तार कर चालान कर दिया।

दो पक्षों में जमकर चले लाठी-डंडे

संवाददाता, भानपुर

अमृत विचार: भीरा थाना क्षेत्र के मेडई पूर्वा गांव में गुरुवार को पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। मामूली कहासुनी देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई, जिसमें लाठी-डंडे और धारदार हथियार चलने से करीब 10 लोग घायल हो गए। घटना से गांव में अफरा-तफरी मच गई।

गांव निवासी आशुतोष सक्सेना सुबह अपने खेत में खाद डालने का रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उनकी मुलाकात गांव के ही गोलू से हो गई। किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो कुछ ही देर में गाली-गलौज और फिर मारपीट में बदल गई।

कुकरा पहाड़पुर मार्ग की बदहाली से ग्रामीण बेहाल

संवाददाता, कुकरा

अमृत विचार:कुकरा से पहाड़पुर को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग अब सड़क कम और मौत का जाल ज्यादा बन चुका है। कई वर्षों से लगातार अखबारों में सोशल मीडिया फेसबुक एवं इंस्टाग्राम पर कुकरा पहाड़पुर मार्ग के कई वीडियो खस्ताहाल प्रचारित हो चुकी हैं। फिर भी अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया, जिससे सड़क पर डामर पूरी तरह गायब हो चुका है और जगह जगह बने गहरे गड्ढे हर पल किसी बड़े हादसे को दावत दे रहे हैं।

यह दृश्य किसी तालाब का नहीं, बल्कि ब्लॉक बांकेराज के अंतर्गत ग्राम पंचायत कुकरा पहाड़पुर मार्ग का है, जो पिछले कई वर्षों से बदहाली का शिकार बना हुआ है। हालत इतनी खराब है कि सड़क पर डामर ढूँढ़ने से भी नहीं मिलता, सिर्फ बड़े बड़े गड्ढे ही नजर आते हैं। इस मार्ग की

आज से शुरू हुई स्वगणना, लोगों ने खुद भरना शुरू किया डाटा

डीएम-सीडीओ से लेकर विधायकों तक ने मोबाइल से भरा ऑनलाइन प्रपत्र, जिले में बड़ी जागरूकता, पहले चरण में मकानों और आवास संबंधी जानकारी हो रही दर्ज

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिले में गुरुवार से स्वगणना (सेल्फ एन्चूमेरेशन) की प्रक्रिया शुरू हो गई। जिले में पहले ही दिन कई लोगों ने ऑनलाइन माध्यम से अपना डाटा अपलोड कर प्रक्रिया में भागीदारी की। इस बार लोगों को घर बैठे स्वयं जानकारी दर्ज करने की सुविधा दी गई है, जिससे जागरूकता भी बढ़ रही है। गुरुवार को डीएम समेत अफसरों और जनप्रतिनिधियों ने खुद आगे आकर ऑनलाइन प्रपत्र भरते हुए आमजन को भी इस राष्ट्रीय महाभियान से जुड़ने का संदेश दिया।

सरकार द्वारा जारी पोर्टल और मोबाइल ऐप के माध्यम से नागरिक स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू होने के बाद जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों में उत्सुकता देखी जा रही है। कई शिक्षित युवाओं और कर्मचारियों ने स्वयं स्वगणना पूरी करने के साथ अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करना शुरू कर दिया है। एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने



ऑनलाइन प्रपत्र भरने के बाद मोबाइल एप दिखाते डीएम अंजनी कुमार सिंह।

कलेक्ट्रेट से लेकर गांव की चौपाल तक ऑन लाइन स्वगणना प्रपत्र भरने लगे लोग

ऑन लाइन स्वगणना कलेक्ट्रेट से लेकर गांव की चौपाल तक भरी जाने लगी। डीएम अंजनी कुमार सिंह, सीडीओ अभिषेक कुमार, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, एडीएम (न्यायिक) समेत विधायक योगेश वर्मा, लोकेंद्र प्रताप सिंह और सीरभ सिंह सोनू सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने मोबाइल के जरिए अपना स्व-गणना प्रपत्र भरकर अभियान का आरंभ किया।

बताया कि प्रथम चरण में नागरिकों को मकान गणना एवं सूचीकरण करना होगा। पोर्टल पर मकान और सुविधाओं से जुड़े 34 प्रश्न पूछे जाएंगे,

जिनका उत्तर देकर कोई भी व्यक्ति अपनी स्व-गणना पूरी कर सकता है। फाइनल सबमिट के बाद एक यूनिक आईडी जनरेट होगी, जिसे सुरक्षित रखना जरूरी है। 22 मई

कबड्डी में खीरी और आंबेडकर नगर की शानदार जीत

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: पुलिस लाइन में आयोजित लखनऊ जोन की अन्तर्जनपदीय कबड्डी क्लस्टर (महिला/पुरुष) प्रतियोगिता-2026 का शुभारम्भ हुआ। कबड्डी में लखीमपुर खीरी और अम्बेडकरनगर की शानदार जीत हुई।

प्रतियोगिता का उद्घाटन सहायक पुलिस अधीक्षक सीओ सिटी विवेक तिवारी ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने का आह्वान किया। प्रतियोगिता में लखनऊ जोन की कुल 11 टीमों ने प्रतिभाग किया। उद्घाटन समारोह में एएसपी पूर्वी पवन गौतम, प्रतिसार निरीक्षक पवन कुमार भाटी, एसआई परिवहन चंद्रभूषण साहनी समेत विभिन्न



खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते एएसपी पूर्वी पवन गौतम।

● 8 मई तक चलेंगी कबड्डी, जिम्नारिक्त, फैंसिंग और खो-खो प्रतियोगिताएं

जनपदों से आए टीम मैनेजर, खिलाड़ी, अधिकारी-कर्मचारी और नगर की टीम ने रायबरेली को एकतरफा मुकाबले में 33-02 के बड़े अंतर से हराकर अपनी मजबूत दायेंदारी पेश की। प्रतिसार निरीक्षक पवन कुमार भाटी ने बताया कि प्रतियोगिता 08 मई तक आयोजित हो शानदार खेल का प्रदर्शन किया। लखीमपुर खीरी और अमेटी के बीच खेले गए मुकाबले में खीरी की

टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए 31 अंक हासिल कर जीत दर्ज की, जबकि अमेटी की टीम 08 अंकों पर सिमट गई।

वहीं दूसरे मुकाबले में अम्बेडकर नगर की टीम ने रायबरेली को एकतरफा मुकाबले में 33-02 के बड़े अंतर से हराकर अपनी मजबूत दायेंदारी पेश की। प्रतिसार निरीक्षक पवन कुमार भाटी ने बताया कि प्रतियोगिता 08 मई तक आयोजित हो शानदार खेल का प्रदर्शन किया। लखीमपुर खीरी और अमेटी के बीच खेले गए मुकाबले में खीरी की

रैली निकालकर लोगों को किया जागरूक

नगर और ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में रैलियां निकाली गईं। बच्चों ने स्लोगन, पोस्टर और प्रतियोगिताओं के माध्यम से लोगों को डिजिटल जनगणना के प्रति जागरूक किया। प्रशासन ने इसे जनभागीदारी से जनगणना का स्वरूप देने की रणनीति बनाई है। डीएम अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि सात मई से शुरू हुआ स्व-गणना चरण नागरिकों को अपनी जानकारी स्वयं दर्ज करने का अवसर देता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इंटरनेट के माध्यम से पोर्टल पर जाकर सही और



मैंने स्वगणना की ऑनलाइन प्रक्रिया का पहला चरण पूर्ण कर लिया है। फार्म भरने की प्रक्रिया काफी सरल है। लोगों को स्वयं आगे आकर सही जानकारी दर्ज करनी चाहिए, ताकि सटीक आंकड़े तैयार किए जा सकें और योजनाओं का लाभ बेहतर तरीके से लोगों तक पहुंच सके।

—ब्रजेश वर्मा, सरकारी कर्मचारी।

से 22 जून तक प्रगणक घर-घर जाकर विवरण का सत्यापन करेंगे।



बेहजम में लोगों ने निकाली जागरूकता रैली।

प्रमाणिक आंकड़े भरें। डीएम ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि देश की विकास योजनाओं

की बुनियाद है। सही डेटा से ही सरकार की नीतियां और योजनाएं धरातल पर प्रभावी बनती हैं।



महाविद्यालय के स्टाफ सहित सभी छात्र-छात्राओं और शिक्षित लोगों स्वयं स्वगणना करें और अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें। डिजिटल माध्यम से होने वाली यह प्रक्रिया देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी।

—प्रो. डॉ. हेमंत कुमार पाल, प्राचार्य, युवराजदत्त महाविद्यालय।



सभी लोगों को जागरूक होकर आगे आना चाहिए और अधिक से अधिक अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज करनी चाहिए। इससे सही आंकड़े तैयार होंगे और सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक बेहतर तरीके से पहुंच सकेगा।

—जसपाल सिंह (पाली), शहीद भगत सिंह निस्वार्थ सेवा समिति।

पहले चरण में मुख्य रूप से ली जा रही ये जानकारीयां

- 1- मकान का प्रकार।
- 2- भवन की स्थिति।
- 3- कमरों की संख्या।
- 4- बिजली और पानी की सुविधा
- 5- शौचालय की उपलब्धता।
- 6- रसोई और अन्य सुविधाएं।

ऐसे कर सकते हैं स्वगणना

- 1- आधिकारिक वेबसाइट se.census.gov.in या मोबाइल ऐप पर लॉगिन करें।
- 2- मोबाइल नंबर के माध्यम से पंजीकरण करें।
- 3- मकान और आवास संबंधी जानकारी भरें।
- 4- विवरण जांचकर फॉर्म सबमिट करें।

भाग लेने और इसे सफल बनाने की अपील की।

जनगणना ड्यूटी में मनमानी पर भड़के शिक्षक

संवाददाता, निघासन

अमृत विचार: तहसील क्षेत्र में आगामी जनगणना कार्य को लेकर ड्यूटी आवंटन में अनियमितताओं को लेकर शिक्षक और शिक्षा मित्रों में भारी नाराजगी देखने को मिली है। उनका कहना है कि उच्चाधिकारियों के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद शिक्षकों और शिक्षामित्रों की ड्यूटी उनके सेवित क्षेत्र से दूर-दराज इलाकों में लगा दी गई है। इससे नाराज शिक्षकों ने तहसीलदार और अधिशाषी अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर ड्यूटी में संशोधन की मांग की है।

22 मई से 20 जून तक जनगणना के प्रथम चरण में मकान गणना का कार्य प्रस्तावित है। इसके लिए बेसिक शिक्षा विभाग के कर्मचारियों को प्रगणक के रूप में तैनात किया गया है। भारत के महाराजिस्ट्रार एवं



तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते शिक्षक।

● अमृत विचार

जनगणना आयुक्त कार्यालय की ओर से स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि कर्मचारियों की ड्यूटी उनके सेवित क्षेत्र या उसके आसपास ही लगाई जाए, ताकि कार्य सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

शिक्षकों का आरोप है कि नगर पंचायत निघासन और नगर पंचायत सिंगाही में ड्यूटी लगाने में सबसे अधिक अनियमितता बरती गई है। स्थानीय स्तर पर पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध होने के बावजूद अन्य क्षेत्रों से शिक्षकों और शिक्षामित्रों को यहां तैनात

कर दिया गया है, जिससे उन्हें आवगमन और कार्य निष्पादन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में शिक्षकों ने कहा है कि दूरस्थ क्षेत्रों में ड्यूटी लगाए जाने से उन्हें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें समय, संसाधन और सुरक्षा संबंधी चुनौतियां शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अपने सेवित क्षेत्र की भौगोलिक, सामाजिक और पारिवारिक परिस्थितियों की

किसानों ने विधायक आवास पर पहुंचकर लगाई गुहार

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार : बाजपुर, लगदहान समेत कई गांव के करीब दो दर्जन सिक्ख फार्मर वन विभाग की कार्यशैली से नाराज होकर विधायक रोमी साहनी के आवास पहुंचे। किसानों ने आरोप लगाया कि वन्य पशुओं से फसलों की सुरक्षा के लिए वर्षों पहले लगाए गए तारबाड़ को वन विभाग के रेंजर व अन्य कर्मचारियों द्वारा कटवाया जा रहा है तथा उन्हें लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है।

किसानों ने विधायक को बताया कि जंगली जानवरों से फसलों को भारी नुकसान होता है। सुरक्षा के लिए लगाए गए तारबाड़ हटाए जाने से उनकी परेशानियां बढ़ गई हैं। साथ ही वनकर्मियों द्वारा धमकाने



विधायक रोमी साहनी से शिकायत करते सिख फार्मर।

● अमृत विचार

● वन विभाग की कार्यशैली पर जताई नाराजगी

में दशकों से रह रहे किसानों को बेवजह परेशान न किया जाए। विधायक ने कहा कि जनता को अनावश्यक रूप से परेशान करने वाले अधिकारियों की कार्यशैली

उन्होंने कहा कि बाजपुर, लगदहान सहित आसपास के क्षेत्रों

छात्र संसद का गठन कर दिलाई अनुशासन और देशभक्ति की शपथ

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार : सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में गुरुवार को शिशु भारती, कन्या भारती एवं छात्र संसद का शपथ ग्रहण समारोह पूर्ण अनुशासन एवं संस्कारित वातावरण में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपनिरीक्षक पलिया आदित्य राजौरा ने विद्यार्थियों को कर्तव्य, अनुशासन और देशभक्ति की शपथ दिलाई वहीं विशिष्ट अतिथि नगर प्रचारक योगेंद्र ने बाल संस्कारों और छात्र नेतृत्व के महत्व के बारे में बताया। इसके बाद नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने विद्यालय एवं समाज के प्रति दायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प लिया।

शिशु भारती के पदाधिकारियों

छात्र संसद का गठन कर दिलाई अनुशासन और देशभक्ति की शपथ



शपथ लेते शिशु भारती, कन्या भारती एवं छात्र संसद के विद्यार्थी।

में अध्यक्ष देविका कुशवाहा, मंत्री अर्जुन पाल एवं सेनापति शिवांशी श्रीवास्तव चुने गए। वहीं कन्या भारती में अध्यक्ष सौम्या शुक्ला, मंत्री सौम्या गुप्ता एवं सेनापति अपर्णा मिश्रा को दायित्व सौंपा गया। छात्र संसद में प्रधानमंत्री पद पर चंद्रप्रकाश मिश्र, नेता प्रतिपक्ष ओमी शाह, उपनेता प्रतिपक्ष

सौभाग्य शुक्ला तथा अनुशासन मंत्री के रूप में प्रफुल्ल शाक्य का चयन किया गया।

इस मौके पर विद्यालय प्रबंधक शिवपाल सिंह, प्रधानाचार्य सुनील सिंह, वरिष्ठ आचार्य सुनीत मिश्रा, वीरेंद्र कुमार बाजपेई, वशिष्ठ पांडे, कुमार गोलिएन, सीमा, आलोक सहित आदि मौजूद रहे।

सूचना
हमारी पुत्री का सही नाम विभूति सक्सेना है गलती से स्कूल में यशो चित्राओं अंकित हो गया है जब की आधार कार्ड में भी सही नाम विभूति सक्सेना अंकित है और जन्मतिथि 30-03-2013 है आज से हर खिला पड़ी में सही नाम दर्ज किया जाए।

लिकास कुमार सक्सेना मोहल्ला प्रताप नगर कस्बा व तहसील जलालाबाद जिला शाहजहांपुर

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र महेन्द्रपाल को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। नव्यूलाल पुत्र स्व. टीकाराम निवासी ग्राम सुहसन थाना गजरोला जिला पौलीभीत।

सूचना
सूचित किया जाता है कि ताववर कुरेशी पुत्र परबेज कुरेशी निवासी 189 घर जाफर खां, सेलानी मार्ग, पुराना शहर, थाना वावदरी जिला बरेली ने मुझसे सन् 2022 में 7 लाख रुपये उधार लिये थे जो अभी तक वापस नहीं किये है। बार-बार कहने के बाद ताववर कुरेशी ने एक चेक सं. 821845 स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया दिनांक 2.4.26 का दिया था जो बैंक द्वारा खाते में धनराशि न होने के कारण अनादित कर दिया गया। इस सूचना प्रकाशन के 7 दिन के अन्दर यदि ताववर कुरेशी ने प्रकम वापस नहीं करते है तो उनके विरुद्ध न्यायिक कार्यवाही की जायेगी। मन्मूर अहमद खान पुत्र जहूर अहमद खान निवासी 593 न्यू आबादपुरम कालोनी, ब्राटर्न नगर रोड, इन्डज नगर, जिला बरेली।

सूचना
मैंने अपने पुत्र शावेज अली के गलत संगत में पड़ जाने के कारण उससे संबंध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उससे लेनदेन करने वाला खुद जिम्मेदार होगा। अनवर अली पुत्र अकबर अली इस्लाम नगर बिजौरिया नवाबागढ़ बरेली।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

जिमों में महिलाओं के साथ घटनाओं पर डीआईजी सख्त

मंडल के चारों कप्तानों को दिए अभियान चलाने के निर्देश, पांच दिन में मांगी रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: पिछले दिनों शहर के सिविल लाइंस में एक जिम में एक महिला डॉक्टर को नशीला पदार्थ देकर जिम संचालक और उसके भाई द्वारा रेप करने और अश्लील वीडियो बनाकर 50 लाख रुपये मांगने की घटना से पुलिस प्रशासन हरकत में है। जिम में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर डीआईजी अजय सहानी ने मंडल के सभी जिलों में विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने चारों जिलों के पुलिस कप्तानों को जिम और फिटनेस सेंटरों में जांच कर जल्द आवश्यक व्यवस्थाएं लागू कराने को कहा है। उन्होंने पांच दिन में रिपोर्ट मांगी है।

डीआईजी ने कहा कि जिम में आने वाली महिलाओं को सुरक्षित वातावरण मिलना चाहिए। इसके लिए पुलिस और जिम संचालकों की संयुक्त जिम्मेदारी तय की

मुरादाबाद मंडल में मनाया गया विद्युत सुरक्षा सप्ताह

बरेली, अमृत विचार : उत्तर रेलवे के मुरदाबाद मंडल में 1 मई से 7 मई तक 'विद्युत सुरक्षा सप्ताह'मनाया गया। मंडल रेल प्रबंधक विनोता श्रीवास्तव के निर्देश पर वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) जन्मेजय उपाध्याय के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान के दौरान मंडल के सभी स्टेशनों पर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए। विद्युत विभाग की ओर से विभिन्न स्टेशनों पर विद्युत सुरक्षा से संबंधित पोस्टर और जागरूकता सामग्री लगाई गई।

विद्युत सुपरवाइजरों ने कर्मचारियों को विद्युत कार्यों के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की विस्तार से जानकारी दी। कर्मचारियों को सेफ्टी शुज, सेफ्टी बेल्ट, सेफ्टी हेलमेट व आर्थिंग रॉड जैसे सुरक्षा उपकरणों के अनिवार्य उपयोग के बारे में बताया गया। वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता जन्मेजय उपाध्याय ने कहा कि विद्युत कार्यों के दौरान जीवन सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोपी ने दरोगा को चाकू मारा

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: थाना नागफनी पुलिस ने नाबालिग बच्ची से छेड़छाड़ के आरोपी को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने गिरफ्तारी को पहुंची पुलिस टीम पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे एक दरोगा को घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपी को चाकू समेत गिरफ्तार कर जेल भेजा। घायल दरोगा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नागफनी प्रभारी निरीक्षक राकेश सिंह ने बताया कि बुधवार देर रात पुलिस टीम को सूचना मिली कि

- सभी जिमाों में सीसीटीवी से लेकर महिला ट्रेनर तक की व्यवस्था जांचने को कहा**

गई है। अभियान के दौरान पुलिस टीम जिमों का निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों का सत्यापन करेगी। डीआईजी ने निर्देश दिए कि सभी जिम और फिटनेस सेंटरों में सीसीटीवी कैमरे, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, महिला चेंजिंग रूम हों।

साथ ही महिलाओं के लिए महिला ट्रेनर और महिला स्टाफ की व्यवस्था होनी चाहिए। जिम में इस्तेमाल होने वाले प्रोटीन पाउडर, स्टेरॉयड और अन्य सप्लीमेंट की भी जांच कराई जाए, ताकि किसी प्रकार की अवैध गतिविधि न हो। बिना अनुमति फोटो या वीडियो बनाने तथा महिलाओं के साथ अभद्रता या छेड़छाड़ की घटनाओं को लेकर भी सख्ती बरतने को कहा।

डीआईजी ने संवेदनशील जिम

जिम संचालक भाइयों पर गैंगस्टर की तैयारी

बरेली, अमृत विचार : सिविल लाइंस स्थित अल्टीमेट फिटनेस जिम में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग के मामले में गिरफ्तार अकरम बेग और उसके भाई आलम बेग पर गैंगस्टर लगाने की तैयारी पुलिस कर रही है। पुलिस जांच में सामने आया है कि जिम में करीब 80 हाई प्रोफाइल महिलाएं वर्कआउट के लिए आती थीं, लेकिन वहां एक भी महिला ट्रेनर नहीं थी। जिम में सेपरेट रूम बनाया गया था, जहां गुप्त सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। अकरम महिलाओं को वर्कआउट के दौरान नशीला पेय पिलाकर बेहोश कर गलत काम करता था। इसकी रिकॉर्डिंग कर महिलाओं को ब्लैकमेल किया जाता था। पुलिस जिम में लगे कैमरों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की फॉरेंसिक जांच करा रही है।अकरम की दो बेटियां हैं, जबकि आलम के एक बेटा और एक बेटी हैं। दोनों आरोपियों की पत्नियां पीएचडी कर रही हैं। आलम की पत्नी शाहजहांपुर के एक डिग्री कॉलेज में अध्यापन भी कर चुकी हैं। एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि जिम संचालक के बारे में और भी जानकारी जुटाई जा रही है। आरोपी को पुलिस ने जेल भेज दिया है। आरोपियों पर कठोर कार्रवाई करने की तैयारी है। उनके मोबाइल से और भी डाटा जुटाया जा रहा है।

और फिटनेस सेंटरों के आसपास एंटी रोमियो स्कॉड और स्थानीय पुलिस द्वारा नियमित गश्त व चेकिंग कराने के आदेश दिए हैं। इसके अलावा सभी ट्रेनर और स्टाफ का पुलिस सत्यापन कराने को भी कहा गया है। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जहां संभव

हो, वहां महिलाओं और पुरुषों

के जिम आने का समय अलग-अलग निर्धारित किया जाए। साथ ही जिम संचालकों और महिला सदस्यों को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112 और साइबर हेल्पलाइन 1030 के बारे में जागरूक किया जाए।

स्कूल से सटे कुएं में गिरकर छह साल के छात्र की मौत

- इंटरवल में खेलते-खेलते खुले पड़े कुएं में गिरा, थाना भुता क्षेत्र के गांव अदीनापुर में हुआ हादसा**
- काफी देर बाद हो सकी अनहोनी की जानकारी, स्कूल प्रबंधन पर सुरक्षा में लापरवाही के आरोप**

पहुंचा और संतुलन बिगड़ने से 60 फीट गहरे कुएं में जा गिरा।

बच्चे के कुएं में गिरने की जानकारी तुरंत किसी को नहीं हुई। दोपहर 12 बजे इंटरवल खत्म हुआ, तो सभी बच्चे क्लासरूम में पहुंच गए मगर उनमें लविश नहीं था। उसकी खोजबीन शुरू की गई। इस बीच किसी छात्र ने कुएं में गिरने जैसी आवाज सुनने को बात कही। स्कूल स्टाफ के साथ मौजूद गांववालों ने कुएं में देखा तो बच्चा पानी में उतरता नजर आया।

सूचना पर थाना भुता पुलिस गांव पहुंच गई और लोगों के साथ रेस्क्यू कर बच्चे को कुएं से बाहर निकाला। इस काम में भी आधा घंटा लग गया। तुरंत ही एंबुलेंस से बच्चे को जिला अस्पताल भेजा गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे को

लेकर साथी बच्चों में किसी ने कहा

है कि लविश पानी पीने टंकी पर गया था, तो किसी ने कहा है कि वह मैदान में पते तोड़ रहा था। हालांकि, बड़ा सवाल ये है कि छह साल का बालक स्कूल से बाहर आया तो स्टाफ ने उस पर ध्यान क्यों नहीं दिया। प्रबंधन इस सवाल पर बगलें झंकता नजर आ रहा है।

बच्ची कहीं घूमें, स्कूल स्टाफ को नहीं थी फिक्र : गांववालों का कहना है कि स्कूल के बच्चे इंटरवल में मैदान में कहीं भी घूमते रहते हैं मगर स्टाफ कभी उनकी निगरानी नहीं करता। अगर मासूमों की देखरेख की जाती होती तो नन्हें लविश की जान नहीं गई होती ! बेटी

एसटीएफ व पुलिस ने

तीन तस्कर दबोचे, 1.4

किलो अफीम पकड़ी

बरेली, थाना सुभाषनगर पुलिस और यूपी एसटीएफ लखनऊ की संयुक्त टीम ने तीन अफीम तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 1 किलो 428 ग्राम अफीम, 2950 रुपये और तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एन-डीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

मंगलवार की रात मुखबिर की

सूचना पर अंधी पुलिस से खंडहर पंप नंबर आठ के पास घेराबंदी

कर तीनों आरोपियों को पकड़ा गया। तलाशी के दौरान भूणा थाना भमौरा निवासी लालाराम वर्मा के पास से 506 ग्राम, तौफीक खां के कब्जे से 412 ग्राम और प्रेमरामजुपु निवासी राकेश के पास से 510 ग्राम और अफीम बरामद हुई।

बरामद अफीम की अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब लाखों रुपये बताई गई है। आरोपियों ने बताया कि वे उत्तर प्रदेश, दिल्ली, उत्तराखंड, पंजाब और हरियाणा में अवैध अफीम की सप्लाई करते थे। इस खेप को पंजाब के लुधियाना में बेचने के लिए ले जाया जा रहा था।

डेढ़ घंटे कुएं में पड़ा रहा छह साल का लविश

गांववालों की माने तो बच्चा करीब डेढ़ घंटा कुएं में पड़ा रहा। बाद में जब पता लगा तो स्कूल स्टाफ के हाथ-पांव फूल गए। पुलिस के साथ गांव के लोगों ने मिलकर बच्चे को मशवकत के बाद बाहर निकाला मगर तब तक बहुत देर हो चुकी थी। लोगों का कहना है कि तुरंत अगर कुएं में गिरने का पता लग जाता तो बच्चे की जान बचाई जा सकती थी। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घरवालों के बयान दर्ज किए। इसके बाद छात्र के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। घरवालों ने स्कूल स्टाफ पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी लापरवाही की वजह से बच्चे की जान गई है। वहीं, स्कूल के प्रधानाचार्य चिरंजी लाल गंगवार ने सफाई दी है कि छात्र को बचाने के लिए वह खुद भी कुएं में उतर गए थे लेकिन गहराई ज्यादा होने की वजह से दिक्कत आई।

उनका कहना है कि स्कूल

के बाहर खुले मैदान में बिना सुरक्षा घेरे के बना कुआं हादसे का बड़ा कारण है। अगर कुएं के चारों ओर दीवार या जाली हाती तो ऐसी अनहोनी न हो पाती। रात तक परिवार ने किसी तरह की तहरीर थाने में नहीं दी। इस्पेक्टर भुता रविन्द्र कुमार ने बताया कि पैर फिसलने बच्चे के कुएं में गिर जाने की आशंका है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण साफ होगा।

उनका कहना है कि स्कूल

के बाहर खुले मैदान में बिना सुरक्षा घेरे के बना कुआं हादसे का बड़ा कारण है। अगर कुएं के चारों ओर दीवार या जाली हाती तो ऐसी अनहोनी न हो पाती। रात तक परिवार ने किसी तरह की तहरीर थाने में नहीं दी। इस्पेक्टर भुता रविन्द्र कुमार ने बताया कि पैर फिसलने बच्चे के कुएं में गिर जाने की आशंका है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण साफ होगा।

रुविवि ने परीक्षा केंद्रों की सूची की जारी

बरेली, अमृत विचार : एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने बीएड, बीपीएड, बीएलएड एवं एमएड की मुख्य परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्रों की निर्धारित सूची गुरुवार को जारी कर दी। विश्वविद्यालय में बरेली, शाहजहांपुर, पीलीभीत, बदायूं के साथ मुरादाबाद, बिजनौर, रामपुर, अमरोहा, जेपीनगर, संभल के महाविद्यालयों को परीक्षाओं का केंद्र बनाया गया।

बरेली में बरेली कॉलेज को 17 महाविद्यालयों का, गन्ना उत्पादक महाविद्यालय बहेड़ी और राजेंद्र प्रसाद स्नातकोत्तर महाविद्यालय मीरगंज को 2-2 महाविद्यालयों का परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

फर्जी आईएएस गैंग पर एक दिन में 9 केस

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: खुद को आईएएस बताकर ठगी करने वाली बरेली की तीन बहनें विप्रा, दीक्षा और शिखा के शिकार बने बरेोजगार लगातार पुलिस में दस्तक दे दे रहे हैं। करोड़ों की ठगी में जेल गई बहनों पर थाना बारादरी पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत पर एक दिन में छह मुकदमे दर्ज किए हैं। इस बार जालसाज विप्रा-दीक्षा शर्मा के पिता वीरेन्द्र शर्मा की भी आरोपी बनाया गया है। तीनों बहनों पर दर्ज केसों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है।

पुलिस रैकेट से जुड़े लोगों पर गैंगस्टर की कार्रवाई करने की तैयारी में जुटी है।

भोजीपुरा के गांव सैदपुर सरीरा निवासी सुरेंद्र पाल ने बताया कि उनकी मुलाकात शिखा पाठक से विश्वविद्यालय में हुई थी। तब शिखा ने उन्हें बताया था की उनकी बहन डॉं विप्रा आईएएस है। वह उसकी लेखपाल, बीडीओ में नौकरी लगवा देगी। इसके लिए 15 लाख रुपये खर्च

आग लगने से पांच पशुओं की हुई मौत

गजरीला, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव मंदिरों वाली में गुरुवार दोपहर पशुशाला में आग लगने से पांच पशुओं की जलकर मौत हो गई। ग्रामीणों ने बमुरि़कल आग बुझाई। गुरुवार दोपहर गांव निवासी परवीन की पशुशाला के पास परिवार के बच्चे खेल रहे थे। इसी बीच किसी बच्चे ने माधिस जला दी, जिससे पशुशाला में आग लग गई। काफी प्रयासों के बाद आग पर काबू पाया जा सका। परवीन के मुताबिक पांच पशुओं की मौत हुई है।

स्नातक-परास्नातक प्रयोगात्मक और मौखिकी परीक्षाएं आज से

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने वार्षिक प्रणाली के अंतर्गत संचालित स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों के पूर्व वर्षों में प्रवेशित छात्र-छात्राओं की शुक्रवार से शुरु होने वाली परीक्षाएं के लिए परीक्षा केंद्रों की सूची भी जारी की है।

विश्वविद्यालय प्रशासन सभी महाविद्यालयों के प्राचार्य को पत्र भेजकर विभिन्न महाविद्यालयों को नोडल केंद्र बनाते हुए उनसे संबद्ध कॉलेजों की परीक्षाएं संपन्न कराने के निर्देश दिए हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि शासन के निर्देश पर बीए, बीएससी, बीकॉम तथा एमए, एमएससी और एमकॉम समेत वार्षिकी प्रणाली के पाठ्यक्रम समाप्त किए जा चुके हैं। हालांकि, पूर्व वर्षों में प्रवेशित विद्यार्थियों को निर्धारित समयावधि में पाठ्यक्रम पूर्ण कराने के लिए विश्वविद्यालय

- महादठ विप्रा, दीक्षा, शिखा के हाथों लाखों गंवा चुके कई और बरेोगारों ने दी पुलिस में दस्तक**

- नौकरी के नाम पर पैसे ऐंठकर फर्जी नियुक्ति पत्र भेजे, भेद खुलने पर देती थी फंसाने की धमकी**

टग बहनों के खिलाफ थाने में लगातार शिकायतें पहुंच रही हैं। बुधवार को छह शिकायतें मिली थी। सभी को रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरे कर दी है। यदि और भी पीड़ित सामने आते हैं, तो उनके भी केस दर्ज कर एक्शन लिया जाएगा-

-**बिजेंद्र सिंह, इस्पेक्टर बारादरी**

होगा। बहनों की बातों में आकर सुरेंद्र ने उन्हें 13 लाख 50 हजार रुपये दे दिए। बाकी के रुपये नियुक्ति पत्र आने पर देने थे। जब सुरेंद्र का लेखपाल के पद के लिए नियुक्ति पत्र भी आ गया। जब वह ज्वाइनिंग करने पहुंचा तो पता चला की उसका नियुक्ति पत्र ही फर्जी निकला। पीड़ित ने अपने रुपये आरोपी बहने उसे धमकाने लगी। जिसके बाद वह चुप हो गया।

टग बहनों ने देवनरिया के अनंददीपु निवासी अर्जुन कुमार से सात लाख, शीशगढ़ के रहने वाले अंकित कुमार से सात लाख 50 हजार, बदायू रोड निवासी श्रीराम से डेढ़ लाख रुपये, नेकपुर के हिमांशु पाल से चार लाख, नेकपुर के रहने वाले प्रशांत पाल से पांच लाख रुपये टग लिए।

इनके अलावा जगतपुर पनबड़िया की भावना गुप्ता से डेढ़ लाख, एजानगर गौटिया के मो. रफीक से 5.25 लाख, बीसलपुर के मझगंवा के कश्मीर सिंह से लाख रुपये टग लिए। इन सभी के पास नियुक्ति पत्र आया था। पीड़ितों का कहना है कि जब हमें ठगी का अहसास हुआ तो वह अपने रुपये वापस मांगने गए। इस पर दोनों बहनों ने उन्हें जेल भिजवाने की धमकी दी। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने इस बार विप्रा के पिता वीरेंद्र कुमार शर्मा के खिलाफ भी रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस जल्द ही मामले में गैंगस्टर की कार्रवाई भी करने की तैयारी में लगी है।

 पूर्वात्तर रेलवे
ई-प्रापण निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी / निर्माण, पूर्वात्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं:-
क्रम सं-1. , ई-प्रापण निविदा संख्या: उप मु.ई-नि.-सा.-जीकेपी-ईपीसी-01-2026, दिनांक: 09-09-2026, कार्य का नाम: पूर्वात्तर रेलवे की खलीलाबाद–बहराइच नई ब्रॉड गेज रेलवे लाइन परियोजना के संबंध में, इकोना (सहित) (खेनेज 173+400)–बहराइच (सहित) (खेनेज 240+909) खंड (लंबाई 67.509 कि.मी.) की नई सिंगल ब्रॉड गेज लाइन के सिविल इंजीनियरिंग कार्यों, विद्युतीकरण कार्यों तथा सिग्नालिंग एवं दूरसंचार कार्यों के लिये इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण (ईपीसी) निविदा। अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 12,09,77,40,432.70, बयाना राशि (₹.): ₹ 24,19,54,800/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: N/A, कार्य पूर्ण करने की अवधि: 30 (तीस) माह
नोट:- - प्रथम प्री-बिड कॉन्फ्रेंस की तिथि: दिनांक 01-06-2026, 11:00 बजे, - द्वितीय प्री-बिड कॉन्फ्रेंस की तिथि: दिनांक 19-06-2026, 11:00 बजे, - बिड प्रारम्भ करने की तिथि: दिनांक 19-08-2026, • उपरोक्त ई-निविदा सार्वजनिक की अंतिम तिथि: दिनांक 02-09-2026, 11:00 बजे तक। - उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथि: दिनांक 09-09-2026, 16:00 बजे। - निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट <i>https://trecps.gov.in</i> पर देखा जा सकता है। - निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होंगें।
उप मुख्य इंजीनियर/ निर्माण/ सामान्य, मुजफ्फर / डब्लू-80 गोरखपुर
गाइडों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मैसर्स मॉ पूर्णागिरी प्राप्रटीज पता-340, मो. दुर्गा प्रसाद, बीसलपुर जिला पीलीभीत पंजीकरण संं. 14581/17 के पार्टनर राकेश गंगवार पुत्र श्री तुलसीराम की दिनांक 04.03.2026 को मृत्यु हो जाने के कारण भंग हो गयी है। उक्त फर्म पर यदि किसी का बकाया हो तो वह 15 दिन के अन्दर मय साथ्य के फर्म की जीवित पार्टनर कुसुम गंगवार से सम्पर्क कर सकता है।

कुसुम गंगवार पत्नी स्व. श्री राकेश गंगवार

पार्टनर-मैसर्स मॉ पूर्णा गिरी प्राप्रटीज नि. 340, मो. दुर्गा प्रसाद बीसलपुर पीलीभीत

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता

बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 4302 / 141सी0(ई0टेण्डर)–3 / 26

दिनांक: 02.05.2026

ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

(द्वितीय आमंत्रण)

1— महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन लाइन ई–निविदा दिनांक 09.05.2026 से दिनांक 15.05.2026 की अपराह्न 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 15.05.2026 को ही अपराह्न 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	लागत			परिवर धनराशि (₹0 लाख में)	निविदा प्रारंभ का मुख्य निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जीएसटी0 (₹0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	टेकदार की पंजाब अथवा (लाग करी हेंड)
			सिविल कार्य की लागत (₹0 लाख में)	05 वरें अनुषंग की लागत (₹0 लाख में)	कुल लागत (4+5) (₹0 लाख में)				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	ग्राम कपेड़ कटका बुढानपुर बार्डर से उदयपुर कटेया सम्पर्क मार्ग के नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2026–27)	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, शाहजहांपुर	119.80	7.50	127.30	8.37	2725.00	12 माह	ए' 'बी' (मार्ग कार्य)
2	ग्राम हथौड़ा बुजुर्ग से स्टेडियम मार्ग तक बांयी ओर का नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2026–27)		53.30	1.30	54.60	4.73	2725.00	04 माह	ए' 'बी' 'सी' (मार्ग कार्य)
3	पुर्वावर्ी मार्ग (हाइड्रिक ऑक्वि) से वेना बुजुर्ग तक मार्ग का नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2026–27)		84.00	6.40	90.40	6.52	2725.00	04 माह	ए' 'बी' (मार्ग कार्य)
4	मैदाखेड़ा सम्पर्क मार्ग का नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2026–27)		105.75	8.14	113.89	7.69	2725.00	12 माह	ए' 'बी' (मार्ग कार्य)
5	ग्राम रजजनगर में रामदयाल की बरिया से आंगनवाड़ी होते हुए बायात घर तक नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2026–27)		48.50	3.60	52.10	4.61	2725.00	04 माह	ए' 'बी' 'सी' (मार्ग कार्य)
6	ग्राम शाहबाजनगर स्थित मोहल्ला बड़ा बेहटा रोड /सिंग रोड से मोहल्ला कछियाना तक नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2026–27)		38.50	1.70	40.20	4.01	2725.00	04 माह	ए' 'बी' 'सी' (मार्ग कार्य)
7	रोजा से मुख्य मार्ग से गुरुद्वारा तक सम्पर्क मार्ग के नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2026–27)		190.50	6.50	197.00	11.85	2725.00	12 माह	ए' 'बी' (मार्ग कार्य)
8	रुकनपुर से हुस्नपुर सम्पर्क मार्ग के नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2026–27)		220.50	15.50	236.00	13.80	2725.00	12 माह	ए' (मार्ग कार्य)
9	ग्राम पंचायत हथौड़िया स्थित कृष्ण बिहार कोलीनी में शारस्वत श्रीवास्तव के मकान से राजीव सक्सेना के मकान तक मार्ग का नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2026–27)		66.30	1.66	67.96	5.40	2725.00	04 माह	ए' 'बी' 'सी' (मार्ग कार्य)

2— निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट <http://etender.up.nic.in> पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP - 250864 दिनांक: 06/05/2026

विभाजन वेबसाइट www.up.gov.in

प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, शाहजहांपुर

बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली

(प्रकाश चन्द्र)

अधीशासी अभियन्ता

अधीक्षण अभियन्ता

2— निविदा दर्स्ताज एंव निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट **UP + 250864** दिनांक: 06/05/2026 **UP + 250864** दिनांक: 06/05/2026

विज्ञापन वेबसाइट **www.up.gov.in**

(महेन्द्र कुमार पाल) अधिशासी अभियन्ता

प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,शाहजहांपुर

(प्रकाश चन्द) अधीक्षण अभियन्ता

बरेली वृत, लो0नि0वि0,बरेली पर उपलब्ध है।



न्यूज़ ब्रीफ

लोक अदालत 9 को जनअभियान बनाने की तैयारी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य सचिव एस. पी. गोयल ने राष्ट्रीय लोक अदालत को जनअभियान का रूप देने के लिए सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को व्यापक तैयारियों के निर्देश दिए हैं। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा करते हुए कहा कि 9 मई को प्रदेश के सभी जिलों में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित होगी, जिसके सफल संचालन के लिए विभागीय समन्वय जरूरी है। उन्होंने प्री-लिटिगेशन मामलों की अधिक पहचान कर उनके निस्तारण पर जोर दिया, ताकि लोगों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिल सके। जागरूकता के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया, आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को जोड़ा जाएगा। निर्देश दिए गए कि समय पर नोटिस तामीली हो, बार एसोसिएशन से समन्वय रहे और आयोजन के दौरान न्यायालय परिसरों में मेगा हेल्थ कैंप, ओडीओपी उत्पादों की प्रदर्शनी व सरकारी योजनाओं के स्टॉल भी लगाए जाएं, ताकि लोक अदालत जनसेवा का व्यापक मंच बन सके।

स्पेल कार्यक्रम से युवाओं में बढ़ रही नेतृत्व क्षमता : योगेंद्र

अमृत विचार, लखनऊ : उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ‘स्टूडेंट पुलिस एक्सपीरिएंशियल लर्निंग (स्पेल)’ कार्यक्रम युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित कर रहा है। एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए संचालित इस कार्यक्रम का दूसरा चरण प्रदेश के सभी 75 जिलों में सफलतापूर्वक पूरा हुआ। कार्यक्रम में कमिश्नरेट क्षेत्रों से 75 और अन्य जिलों से 50 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। शासनादेश के अनुसार प्रतिभागी विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय स्तर पर अंकपत्र में दो क्रेडिट अंक दिए जाएंगे। राज्य सर्फर्क अधिकारी डॉ. मंजु सिंह ने बताया कि केन्द्रीय गृह मंत्रालय की पहल पर 30 दिनों में 120 घंटे का प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें पुलिस कार्यपणाली, साइबर सुरक्षा, ट्रैफ़िक व आपदा प्रबंधन शामिल रहा।

भूसा संग्रह अभियान तेज, 60.99 लाख विक्टल का लक्ष्य

अमृत विचार, लखनऊ : पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने व्यापक ‘भूसा संग्रह अभियान’ शुरू किया है। एक वर्ष के लिए 131.40 लाख विक्टल भूसे की आवश्यकता के सापेक्ष 60.99 लाख विक्टल संग्रह का लक्ष्य तय किया गया है, जिसमें अब तक 26.78 लाख विक्टल भूसा एकत्र कर लाभग्रा 43.9 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, अभियान के तहत दान और क्रय दोनों माध्यमों से भूसा जुटाया जा रहा है। निर्देश दिए गए हैं कि प्रत्येक गो आश्रय स्थल पर भूसा बैक स्थापित कर किसानों से समन्वय के जरिए नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। प्रदर्शन में ललितपुर सबसे आगे है, जहां लक्ष्य के मुकाबले 102.9 प्रतिशत संग्रह हुआ है। इससे बाद देवरिया और गोरखपुर का स्थान है। मऊ, आगरा, महाराजगंज, सहारनपुर और हरदोई ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है, जबकि लखनऊ, कानपुर नगर, संभल और इटावा में प्रगति धीमी है। दान आधारित सहह में 12.19 लाख विक्टल लक्ष्य के सापेक्ष 2.65 लाख विक्टल भूसा जुटाया गया है। सरकार ने आमजन, संस्थाओं और गोसेवकों से अभियान में सहयोग की अपील की है।

अनुदान के खर्च का हिसाब न देने वाले विभागों पर सख्ती की तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने अनावर्ती सहायता अनुदानों के खर्च का समय पर हिसाब न देने वाले विभागों और अधिकारियों पर सख्ती शुरू कर दी है। दीपक कुमार द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि लंबित उपयोगिता प्रमाण-पत्र (यूसी) और एसी बिलों के सापेक्ष डीसी बिल तत्काल जमा कराए जाएं, अन्यथा संबंधित नियंत्रक अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

शासनादेश के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही

डीपी में सिंदूर, कवर पर ब्रह्मोस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: योगी आदित्यनाथ ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ की पहली वर्षगांठ पर सोशल मीडिया पर अपनी प्रोफाइल डीपी और कवर फोटो बदलकर एक मजबूत संदेश दिया है। डीपी में ‘ऑपरेशन सिंदूर’ का लोगो और कवर फोटो में ब्रह्मोस मिसाइल को प्रमुखता दी गई है, जिसे आतंकवाद के खिलाफ भारत की आक्रामक नीति का संकेत माना जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह बदलाव केवल सोशल मीडिया तक सीमित नहीं, बल्कि

नौकरियों में खत्म हुआ सिफारिश और सेटिंग का दौर : मुख्यमंत्री

योगी ने 481 अभ्यर्थियों को दिए नियुक्ति पत्र, बोले- योग्यता ही चयन का आधार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को एक बार फिर सरकारी भर्तियों में पारदर्शिता और तकनीक आधारित चयन प्रक्रिया को अपनी सरकार की बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि प्रदेश में अब सिफारिश, जाति, पैसे और पहुंच नहीं, बल्कि सिर्फ योग्यता के आधार पर नौकरियां मिल रही हैं। आरोप लगाया कि 2017 से पहले प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया संगठित वसूली के साथ जातीय और क्षेत्रीय पक्षपात से प्रभावित रहती थी।

लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने आयुष विभाग, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग तथा दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के लिए चयनित 481 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि परीक्षा के बाद तो किसी स्तर पर अनैतिक साधनों या सिफारिश की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया भ्रष्टाचार, जातीय और क्षेत्रीय पक्षपात से प्रभावित रहती थी, जिससे योग्य युवाओं का शोषण होता था। उन्होंने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यदि योग्य अभ्यर्थी की जगह

- मुख्यमंत्री योगी ने दिया डिजिटल स्ट्राइक संदेश**

- ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर बदली प्रोफाइल तस्वीर**



“नया भारत” और मजबूत रक्षा नीति का प्रतीक है। खास बात यह है कि ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण अब लखनऊ में भी हो रहा है, जिससे डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर

को बल मिला है।

7 मई 2025 को भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान स्थित ठिकानों पर संयुक्त सैन्य कार्रवाई की थी, जिसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। नरेंद्र मोदी, अमित शाह और राजनाथ सिंह सहित कई नेताओं ने भी डीपी बदली, लेकिन योगी की कवर फोटो को अधिक आक्रामक संकेत माना जा रहा है।

ब्रह्मोस परियोजना को सूपी डिफेंस कॉरिडोर की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, जिसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में अहम कदम बताया जा रहा है।



लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में चयनित अभ्यर्थी को नियुक्ति पत्र प्रदान करते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार

भर्ती प्रक्रिया को चयनित युवाओं ने सराहा

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में सरकारी भर्तियों को लेकर युवाओं का भरोसा मजबूत होता दिख रहा है। चयनित अभ्यर्थियों ने कहा कि पहले भर्तियों में भ्रष्टाचार और सिफारिश की शिकायतें रहती थीं, लेकिन अब पारदर्शिता बढ़ी है और योग्यता को प्राथमिकता मिल रही है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग और उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से चयनित अभ्यर्थियों में आयुष विभाग के 202, व्यावसायिक शिक्षा विभाग के 272 और दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के सात अभ्यर्थियों को गुरुवार को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। आयुष विभाग में प्रोफेसर (यूनानी) पद पर चयनित डॉ. मोहम्मद नासिर ने कहा कि चयन प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष रही। वहीं स्ट्राफ नर्स (आयुर्वेद) पद पर चयनित उपासना देवी और अनामिका पटेल ने भर्ती को पारदर्शी बताया। चिकित्सा अधिकारी (आयुर्वेद) पद पर चयनित आयुष भारद्वाज और डॉ. खुर्शीद आलम समेत अन्य अभ्यर्थियों ने कहा कि निष्पक्ष व्यवस्था से युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और अब मेहनत का सही फल मिल रहा है।

घूसखोर व्यक्ति व्यवस्था में आ जाए तो वह 30-35 वर्षों तक पूरे सिस्टम को घुन की तरह खोखला करता है। योगी ने कहा कि उनकी सरकार ने भर्ती प्रक्रिया में जवाबदेही तय की और तकनीक का इस्तेमाल कर पारदर्शिता सुनिश्चित की। उन्होंने बताया कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में नौ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है और

बीते 15 दिनों में यह चौथा नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश देश में सबसे अधिक नियुक्तियां देने वाला राज्य बन चुका है। यूपी की पहचान अब भ्रष्ट और अराजक प्रदेश की नहीं, बल्कि निवेश, रोजगार और सुशासन वाले राज्य की बन रही है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि राज्य की अर्थव्यवस्था, प्रति व्यक्ति आय

और वार्षिक बजट तीन गुना बढ़ा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 96 लाख एमएसएमई इकाइयां संचालित हो रही हैं, जिनसे तीन करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में बड़े उद्योगों की संख्या 14 हजार से बढ़कर 32 हजार से अधिक हो गई है। यूपी अब देश के “टॉप-3 राज्यों” में शामिल हो चुका है।

मथुरा में दो इनामी बदमाश पुलिस मुठभेड़ में ढेर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: हरदोई में एनकाउंटर के दूसरे दिन यूपी पुलिस ने मथुरा में भी दो अपराधियों को ढेर कर दिया। मथुरा एनकाउंटर में दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। दोनों अपराधियों ने सुनौर कोमवाली क्षेत्र के ठेठी ग्रामसभामें डकैती कांड को अंजाम दिया था। बदमाशों के खिलाफ पूर्व में भी कई मामले दर्ज हैं। एनकाउंटर में मारे गए बदमाशों में एक की पहचान धर्मवीर उर्फ लंबू के रूप में हुई है जो कि राजस्थान के भरतपुर का रहने वाला है। जबकि दूसरा बदमाश पप्पू उर्फ राजेंद्र था जो कि राजस्थान के ही अलवर का रहने वाला था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बदमाशों ने 23 अप्रैल की रात मथुरा में व्यापारी अजय अग्रवाल के घर में घुसकर

परिजनों को बंधक बनाया और डकैती की वारदात को अंजाम दिया। तीन लाख रुपये और 12 लाख रुपये से अधिक के जेवरात लूट ले गए। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस अधीक्षक ने डकैती को तलाश के लिए 17 टीमें बनाई एवं अपराधियों को पकड़ने के लिए 50 हजार का इनाम दे घोषित कर दिया। मुठभेड़ में ढेर गए पुलिस ने दोनों बदमाशों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि सुरीर इलाके में व्यापारी के यहां डकैती की घटना हुई थी, जिसमें समान व नगदी लूट कर बदमाश ले गए थे। पकड़े गए मृत बदमाश नाम बदलकर डकैती घटनाओं को अंजाम देते थे। पुलिस ने उनके कब्जे से लूटा गया सामान और नकदी भी बरामद की है।

‘ऑपरेशन सिंदूर’ सेना के पराक्रम का प्रतीक

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्य ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ की प्रथम



वर्षगांठ पर देश को निर्देश दिए गए हैं कि सभी आवश्यक दस्तावेज- रिकंसिलिएशन शीट, मासिक व्यय विवरण और अन्य रिपोर्ट- समय से उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही वर्ष 2001-02 से 2024-25 तक लंबित यूसी का निस्तारण प्राथमिकता पर करने को कहा गया है।

क्या है उपयोगिता प्रमाण-पत्र और डीसी बिल समय से जमा न करने पर तय होगी जिम्मेदारी

● **11 से 28 मई तक चलाया जाएगा विशेष अभियान**

तक बड़ी संख्या में अनुदानों का समायोजन यूसी के अभाव में लंबित है, जिस पर प्रधान महालेखाकार कार्यालय ने आपत्ति जताई है। इसे देखते हुए 11 मई से 28 मई 2026 तक विभागीय प्रण्डियों और भुगतानों के लेखा मिलान का विशेष अभियान चलाया जाएगा।

वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि समय पर लेखा मिलान न कराने पर पूरी जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की होगी और महालेखाकार के आंकड़े अंतिम माने जाएंगे। विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि सभी आवश्यक दस्तावेज- रिकंसिलिएशन शीट, मासिक व्यय विवरण और अन्य रिपोर्ट- समय से उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही वर्ष 2001-02 से 2024-25 तक लंबित यूसी का निस्तारण प्राथमिकता पर करने को कहा गया है।

क्या है उपयोगिता प्रमाण-पत्र : यूसी वह आधिकारिक दस्तावेज है, जिससे यह प्रमाणित होता है कि सरकारी अनुदान निर्धारित उद्देश्य पर ही खर्च किया गया है।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को जनभवन से उत्तर प्रदेश में जनगणना 2027 के मकान सूचीकरण एवं स्व-गणना प्रक्रिया की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने डिजिटल माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कर स्व-गणना अभियान की शुरुआत की। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार को स्व-गणना पोर्टल शुरू करने के लिए बधाई देते हुए प्रदेशवासियों से अपील की कि वे स्व-गणना अधिकारियों को सही, तथ्यात्मक और पूर्ण जानकारी

इंतजार खत्म, यूपी एसआई भर्ती कारिजल्ट जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उप्र. में उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती- 2025 का परिणाम गुरुवार को जारी कर दिया गया। 4543 पदों के लिए आयोजित इस भर्ती परीक्षा में शामिल लाखों अभ्यर्थियों का इंतजार खत्म हो गया है। -डीवी/पीएसटी की प्रक्रिया मई के तीसरे सप्ताह में आयोजित होगी।

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित करते हुए 12,333 अभ्यर्थियों को अभिलेख

- 15 लाख आवेदकों में 12,333 अभ्यर्थी अगले चरण के लिए हुए सफल**
- डीवी/पीएसटी की प्रक्रिया मई के तीसरे सप्ताह में होगी**

सत्यापन एवं शारीरिक मानक परीक्षण (-डीवी/पीएसटी) के लिए सफल घोषित किया है। भर्ती बोर्ड के अनुसार इस भर्ती प्रक्रिया के लिए कुल 15,75,760 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। परीक्षा 14 और 15 मार्च 2026 को चार पालियों में प्रदेशभर में आयोजित की गई थी।

बोर्ड ने निर्धारित नियमावली

भर्ती प्रक्रिया पर बढ़ा युवाओं का भरोसा

प्रदेश सरकार लगातार भर्ती प्रक्रियाओं को तकनीक आधारित, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने पर जोर दे रही है। हाल के वर्षों में पुलिस भर्ती समेत विभिन्न विभागों की भर्तियों में डिजिटल निगरानी, सख्त सुरक्षा व्यवस्था और पारदर्शी मूल्यांकन प्रणाली लागू किए जाने से युवाओं का भरोसा बढ़ा है। प्रदेश सरकार का दावा है कि भर्ती प्रक्रिया में सिफारिश और भ्रष्टाचार की गुंजाइश खत्म कर योग्यता आधारित चयन सुनिश्चित किया गया है।

के तहत प्रत्येक विषय में न्यूनतम 35 प्रतिशत तथा कुल 50 प्रतिशत अंक हासिल करने वाले अभ्यर्थियों में से मेरिट एवं आरक्षण व्यवस्था के अनुसार सफल अभ्यर्थियों की सूची जारी की है। अब चयनित अभ्यर्थियों को अगले चरण यानी

दस्तावेज सत्यापन और शारीरिक मानक परीक्षण से गुजरना होगा। डीवी/पीएसटी की प्रक्रिया मई के तीसरे सप्ताह में प्रस्तावित है। इसकी विस्तृत जानकारी जल्द ही भर्ती बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी की जाएगी।

प्रदेश में अब तुष्टीकरण की नहीं संतुष्टिकरण की राजनीति : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/सहारनपुर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को सहारनपुर में विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में अब तुष्टीकरण नहीं, बल्कि संतुष्टिकरण की राजनीति हो रही है। उन्होंने कहा कि पहले सरकारों का पैसा कब्रिस्तान की बाउंड्री वॉल, कब्जों और जातीय-साम्प्रदायिक तुष्टीकरण में खर्च होता था, जबकि अब वही धन सड़क, विश्वविद्यालय, स्पोर्ट्स कॉलेज, एक्सप्रेसवे और धार्मिक-पर्यटन स्थलों के विकास पर लगाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने सहारनपुर में 2131 करोड़ रुपये की 325 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कभी दंगों, फतवों और पलायन के कारण बदनाम रहने वाला सहारनपुर आज

- मुख्यमंत्री बोले- कब्रिस्तान की दीवारों से निकलकर विकास पर खर्च हो रहा पैसा**
- सहारनपुर में 2131 करोड़ रुपये की 325 परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण**

विकास, कनेक्टिविटी और औद्योगिक प्रगति की नई पहचान बन चुका है। योगी ने कहा कि 2017 से पहले पश्चिमी उप्र. में दंगे, कर्फ्यू और भय का माहौल रहता था। सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और शामली जैसे जिलों में व्यापारी असुरक्षित थे और नौजवान पलायन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अब डबल इंजन सरकार ने पूरे क्षेत्र की तस्वीर और तकदीर बदल दी है।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे, प्रस्तावित एयरपोर्ट, मां शाकम्भरी विश्वविद्यालय, स्पोर्ट्स कॉलेज और इंडस्ट्रियल-लॉजिस्टिक हब का जिक्र

एजेंसियों को 12 मई तक दिया समय

अमृत विचार, लखनऊ : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने कांग्रेस सांसद व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की कथित आय से अधिक संपत्ति की जांच की मांग वाली याचिका पर निर्देश प्राप्त कर जवाब देने के लिए 12 मई तक का समय दिया है।

मामले की सुनवाई जजों के चैंबर में की गई तथा सुनवाई के बाद पूरी केस फाइल को सील करके सीनियर रजिस्ट्रार की कस्टडी में देने का आदेश न्यायालय ने दिया है। कोर्ट ने कहा है कि 12 मई को अगली सुनवाई

- राहुल गांधी मामले में सतर्कता बरतते हुए हाईकोर्ट ने सील कराई केस की फाइल**

होगी तथा उसी दिन केस फाइल की सील खोली जाएगी। यह आदेश न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति जफीर अहमद की खंडपीठ ने कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विगनेश शिशिर की ओर से दाखिल याचिका पर दिया। याची ने राहुल गांधी पर अज्ञात स्रोतों से भारी संपत्ति अर्जित करने के आरोप लगाए हैं। याचिका में केंद्र सरकार, सीबीआई,

प्रवर्तन निदेशालय (ईं डी), सीबीडीटी, यूपी पुलिस और सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस, नई दिल्ली को पक्षकार बनाया गया है। न्यायालय के आदेश में कहा गया है कि याची द्वारा विस्तृत बहस की गई, जिसके बाद प्रतिवादियों की ओर से पेश अधिवक्ताओं ने लिखित निर्देश प्राप्त करने के लिए समय मांगा। जिसे न्यायालय ने स्वीकार कर लिया। सुनवाई शुरू होने पर याची ने प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसमें वर्तमान रिट याचिका के अभिलेखों को सुरक्षित रखने का अनुरोध किया गया था।

छोटे योगी ने की मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात

सहारनपुर, अमृत विचार

देवबंद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दौरे के दौरान उस समय खास नजारा देखने को मिला, जब एक छोटे बच्चे ने योगी आदित्यनाथ की तरह भगवा वस्त्र पहनकर कार्यक्रम में प्रवेश किया और मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात की। बच्चे को देखकर वहां मौजूद लोगों ने उसे छोटे योगी कहना शुरू कर दिया। मुख्यमंत्री ने भी बच्चे को देखकर मुस्कुराते हुए आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने छोटे योगी के साथ जमकर फोटो और वीडियो बनाए, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। देवबंद में आयोजित जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण भी किया।



राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने डिजिटल माध्यम से की शुरुआत

जनभवन से जनगणना की स्व–गणना प्रक्रिया शुरू



जनभवन में स्व–गणना प्रक्रिया की शुरुआत करती राज्यपाल आनंदीबेन पटेल।

उपलब्ध कराएं, ताकि भविष्य में जनकल्याणकारी योजनाओं के निर्माण में मदद मिल सके। कार्यक्रम में निदेशक जनगणना एवं मुख्य प्रधान नृवन्धना अधिकारी शीतल वर्मा ने स्व-गणना पोर्टल की जानकारी साझा की। विशेष कार्याधिकारी डॉ.

- क्या है स्व-गणना सुविधा**
- नागरिक खुद ऑनलाइन जानकारी भर सकते हैं
- 21 मई तक उपलब्ध रहेगा विकल्प
- डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सीधी डेटा एंट्री
- 22 मई से 20 जून तक जनगणना कर्मी करेगे सत्यापन

2026 तक संचालित किया जाएगा। इस दौरान प्रगणक मोबाइल ऐप के जरिए घर-घर जाकर परिवार के मुखिया, मकान की स्थिति, मूलभूत सुविधाओं और परिसंपत्तियों से जुड़े 33 अधिसूचित प्रश्नों की जानकारी एकत्रित करेगे।

मुख्य सचिव ने खुद भरा जनगणना फॉर्म

अमृत विचार : मुख्य सचिव एसपी गोयल ने गुरुवार को जनगणना- 2027 के प्रथम चरण के तहत स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) प्रक्रिया में स्वयं भाग लेते हुए ऑनलाइन फॉर्म भरकर सबमिट किया। इसके साथ ही उन्होंने सभी जिलाधिकारियों और प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस प्रक्रिया को जनआंदोलन का रूप दिया जाए। मुख्य सचिव ने आधिकारिक पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने के बाद कहा कि डिजिटल जनगणना की सफलता के लिए अधिकतम जनभागीदारी जरूरी है।

पश्चिम बंगाल में हिंसा

पश्चिम बंगाल में भड़की हिंसा के दौरान राजनीतिक कार्यकर्ताओं की हत्याएं, पार्टी कार्यालयों में आगजनी, घरों पर हमले और पलायन जैसी घटनाएं कानून-व्यवस्था की विफलता के साथ ही लोकतांत्रिक संस्कृति पर गहरे संकट का संकेत हैं। बंगाल में चुनाव बाद हिंसा नई घटना नहीं है, वामपंथी दौर से लेकर तृणमूल कांग्रेस के उदय तक की यही कहानी है, पर सत्ता परिवर्तन और राजनीतिक संघर्ष की वर्तमान घटनाओं को बंगाल की उस हिंसक राजनीतिक परंपरा का हवाला देकर इस हिंसा को सामान्य नहीं कह सकते। राजनीतिक मतभेद अब वैचारिक संघर्ष न रहकर सामाजिक प्रतिशोध का रूप लेते जा रहे हैं। सबसे भयावह पहलू यह है कि हमले केवल पार्टी कार्यालयों तक सीमित नहीं, बल्कि घरों तक पहुंच रहे हैं। जब परिवार, महिलाएं और बच्चे राजनीतिक संघर्ष की कोमत चुकाने लगे, तब यह केवल राजनीतिक संकट नहीं, सामाजिक विघटन का संकेत होता है। किसी भी लोकतंत्र में चुनाव जनादेश का उत्सव होना चाहिए, भय और बदले का नहीं। इस संदर्भ में नेताओं की भाषा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।

ममता बनर्जी के चुनाव परिणामों और चुनाव आयोग को लेकर आक्रामक तथा अडिगल रुख को उनके समर्थकों ने किस रूप में लिया, यह गंभीर प्रश्न है। जब शीर्ष नेतृत्व लगातार यह संदेश दे कि जनादेश ‘छीन’ लिया गया है, तो कार्यकर्ताओं में उग्रता बढ़ना स्वाभाविक है। दूसरी ओर भाजपा नेताओं की भाषा भी संर्यमित नहीं रही। यह कहना कि ‘सबका साथ, सबका विकास के बाद अब सबका हिसाब होगा’ निश्चित रूप से उत्तेजक और प्रतिशोधात्मक संदेश देता है। लोकतंत्र में ‘हिसाब’ चुनाव से होता है, सड़क की हिंसा से नहीं। सुरक्षा तंत्र की विफलता और भी गंभीर मसला है। चुनाव से पहले भारी केंद्रीय बलों की तैनाती की गई थी। कहा गया कि कोलकाता में मणिपुर से भी अधिक सुरक्षाबल मौजूद हैं। गुह मंत्रालय ने दूरदर्शिता दिखाते हुए चुनाव के बाद भी केंद्रीय बल बनाए रखने का निर्णय लिया था। इसके बावजूद यह हिंसा भड़कती है, फैलती है और हत्याओं तक पहुंच जाती है, तो यह केवल राजनीतिक दलों की नहीं, प्रशासनिक तंत्र की भी असफलता है। बाई लाख सुरक्षाबलों और स्थानीय पुलिस की मौजूदगी के बावजूद यदि खुफिया तंत्र हिंसा की आशंका नहीं भांप पाया, तो जवाबदेही तय होनी ही चाहिए। भाजपा का यह आरोप कि हतोत्साहित तृणमूल कार्यकर्ता हिंसा फैला रहे हैं, आंशिक रूप से सही हो सकता है, लेकिन राजनीतिक हिंसा अक्सर एकतरफा नहीं होती; प्रतिशोध और प्रतिक्रिया का चक्र दोनों पक्षों को इसमें शामिल कर देता है। यदि तृणमूल के कार्यालय और कार्यकर्ता अधिक निशाने पर हैं, तो यह भी संभव है कि हिंसा बहुपक्षीय रूप ले चुकी हो।

केंद्र सरकार संवैधानिक सीमाओं के भीतर अतिरिक्त बल, त्वरित गिरफ्तारी, संयुक्त नियंत्रण कक्ष और राज्य सरकार पर अधिक दबाव जैसे कदम पहले उठा सकती थी। अब भी आवश्यकता संयुक्त शांति प्रयास है। संभव है गुहमंत्री पहुंचने तक हिंसा रुक जाए। फिलहाल बंगाल को यह समझना होगा कि हिंसा से कोई स्थायी सिपासी सफलता नहीं मिल सकती। यदि राजनीतिक दल अपने कार्यकर्ताओं को संयम नहीं सिखा सके, तो अंततः सबसे बड़ी हार जनता और लोकतंत्र दोनों की होगी।

प्रसंगवश

पैरानॉयड डिसऑर्डर मतलब खामोश संकेत, बड़ा खतरा

कभी-कभी एक खबर सिर्फ सूचना नहीं होती, बल्कि समाज के भीतर छिपी किसी गहरी दराक को उजागर कर देती है। उत्तर प्रदेश के कानपुर में घटी वह घटना, जहां एक पिता ने अपनी ही जुड़वा बेटियों की हत्या कर दी। ऐसी ही एक सच्चाई को सामने लाती है। विभिन्न रिपोर्ट्स में सामने आई जानकारी के अनुसार वह अपनी पत्नी पर शक करता था, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह केवल ‘शक’ था या फिर एक ऐसी मानसिक अवस्था, जिसे हमने समय रहते पहचाना ही नहीं? हम आज भी भावनात्मक असुरक्षा और मानसिक बीमारी के बीच के अंतर को समझने में चूक रहे हैं।

पैरानॉयड डिसऑर्डर केवल एक शब्द नहीं बल्कि एक ऐसी स्थिति है, जहां व्यक्ति का मन धीरे-धीरे अपने ही बनाए संदेहों की कैद में बंद हो जाता है। उसे हर चेहरा संदिग्ध लगता है, हर व्यवहार में धोखा दिखाई देता है और हर रिश्ता असुरक्षित प्रतीत होता है। यह

केवल सोच नहीं, बल्कि एक विकृत यथार्थ है, जिसमें व्यक्ति जीने लगता है। वह अपने ही मन की आवाज को सच मान लेता है और बाहरी दुनिया की हर बात उसे झूठ लगाने लगती है। ऐसे में उसके निर्णय तर्क से नहीं बल्कि डर और भ्रम से संचालित होते हैं और यही स्थिति कभी-कभी त्रासदी का रूप ले लेती है।

पैरानॉयड डिसऑर्डर की एक बड़ी समस्या यह है कि व्यक्ति खुद को बीमार नहीं मानता। उसे लगता है कि उसकी सोच सही है और बाहरी दुनिया की हर बात उसे झूठ लगाने लगती है। ऐसे में उसके निर्णय तर्क से नहीं बल्कि डर और भ्रम से संचालित होते हैं और यही स्थिति कभी-कभी त्रासदी का रूप ले लेती है। पैरानॉयड डिसऑर्डर केवल एक शब्द नहीं बल्कि एक ऐसी स्थिति है, जहां व्यक्ति का मन धीरे-धीरे अपने ही बनाए संदेहों की कैद में बंद हो जाता है। उसे हर चेहरा संदिग्ध लगता है, हर व्यवहार में धोखा दिखाई देता है और हर रिश्ता असुरक्षित प्रतीत होता है। यह केवल सोच नहीं, बल्कि एक विकृत यथार्थ है, जिसमें व्यक्ति जीने लगता है। वह अपने ही मन की आवाज को सच मान लेता है और बाहरी दुनिया की हर बात उसे झूठ लगाने लगती है। ऐसे में उसके निर्णय तर्क से नहीं बल्कि डर और भ्रम से संचालित होते हैं और यही स्थिति कभी-कभी त्रासदी का रूप ले लेती है।

पैरानॉयड डिसऑर्डर केवल एक शब्द नहीं बल्कि एक ऐसी स्थिति है, जहां व्यक्ति का मन धीरे-धीरे अपने ही बनाए संदेहों की कैद में बंद हो जाता है। उसे हर चेहरा संदिग्ध लगता है, हर व्यवहार में धोखा दिखाई देता है और हर रिश्ता असुरक्षित प्रतीत होता है। यह

बाकी लोग गलत हैं। यही कारण है कि वह इलाज से बचता है और परिवार भी कई बार इसे ‘जिद’ या ‘स्वभाव’ समझकर नजरअंदाज कर देता है। धीरे-धीरे यह स्थिति और गंभीर हो जाती है। पुरुषों में यह विकार अक्सर अधिकार और नियंत्रण के रूप में सामने आता है। पत्नी की स्वतंत्रता, उसकी बातचीत, उसके संबंध हर चीज पर संदेह करना धीरे-धीरे एक आदत नहीं, बल्कि मानसिक जकड़न बन जाता है। समस्या तब और गहरी हो जाती है, जब समाज इस व्यवहार को ‘सामान्य’ या ‘पुरुष स्वभाव’ कहकर स्वीकार कर लेता है। यही सामाजिक स्वीकृति इस विकार को पहचानने में सबसे बड़ी बाधा बनती है। उत्तर प्रदेश की घटना इसी अन्देखी का चरम परिणाम है, जहां शक ने संवेदना को निगल लिया।

महिलाओं के संदर्भ में भी यह समस्या कम गंभीर नहीं है। कई बार महिलाएं भी पैरानॉयड सोच का शिकार हो जाती हैं, जहां वे अपने पति या परिवार के अन्य सदस्यों पर बिना कारण संदेह करने लगती हैं। उदाहरण के तौर पर, कुछ मामलों में महिला को यह विश्वास हो जाता है कि उसका पति उसे धोखा दे रहा है, भले ही उसके पास कोई प्रमाण न हो। यह संदेह धीरे-धीरे उसके मानसिक संतुलन को बिगाड़ता है और रिश्तों में तनाव पैदा करता है।

एक और महत्वपूर्ण उदाहरण प्रसव के बाद की मानसिक स्थिति से जुड़ा है। पोस्टपार्टम साइकोसिस जैसी अवस्था में कुछ महिलाओं में पैरानॉयड विचार विकसित हो सकते हैं। उन्हें लग सकता है कि कोई उनके बच्चे को नुकसान पहुंचाएगा या परिवार उनके खिलाफ साजिश कर रहा है। इस मानसिक भ्रम के कारण वे असामान्य और कभी-कभी खतरनाक व्यवहार कर सकती हैं। देश और दुनिया में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां मानसिक असंतुलन के कारण मां ने अपने ही बच्चे को नुकसान पहुंचाया। ये उदाहरण यह स्पष्ट करते हैं कि यह विकार केवल पुरुषों तक सीमित नहीं है, यह एक व्यापक मानसिक स्वास्थ्य समस्या है।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)



शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है, जिसका उपयोग आप दुनिया को बदलने के लिए कर सकते हैं।

–नेल्सन मंडेला, पूर्व राष्ट्रपति, दक्षिण अफ्रीका

सोमनाथ और भारत की अजेय भावना



नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

वर्ष 2026 की शुरुआत में मुझे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। यह सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद भी मंदिर के शाश्वत और अविनाशी होने का पर्व था। अब 11 मई को मुझे एक बार फिर सोमनाथ जाने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। इस बार यह यात्रा पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में है। मैं उस क्षण को फिर जीने जा रहा हूँ, जब भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी ने मंदिर का लोकार्पण किया था। उस दिन, सोमनाथ में विध्वंस से सृजन तक की यात्रा फिर से जीवंत होगी। छह महीनों के भीतर सोमनाथ के इतिहास से जुड़े इन दो अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ावों का साक्षी बनना मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है।

सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है। इसके सामने लहराता विशाल समुद्र अनंत काल की अनुभूति करता है। हमारे प्राचीन शास्त्रों में लिखा है: प्रभासं च परिक्रम्य पृथिवीक्रमसम्भवम्। अर्थात दिव्य प्रभास (सोमनाथ) की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है। जब लोग यहां दर्शन-पूजन के लिए आते हैं, तब उन्हें उस सभ्यता की अद्भुत निरंतरता का भी अनुभव होता है, जिसकी ज्योति कभी बुझाई नहीं जा सकी। कई साम्राज्य आए और गए, समय बदला और इतिहास ने ढेरों उतार-चढ़ाव देखे, फिर भी सोमनाथ हमारे हृदय में हमेशा बना रहा। यह समय उन असंख्य महान विभूतियों के स्मरण का भी है, जो क्रूर आक्रांताओं के सम्मुख अडिग रहे। लकुलीश और सोम शर्मा जैसे मनीषियों ने प्रभास को शैव दर्शन का महान केंद्र बनाया। चक्रवर्ती महाराज धारसेन चतुर्थ ने सदियों पहले वहां दूसरा मंदिर बनवाया था। समय की कठिन परीक्षा के बीच भीम प्रथम, जयपाल और आनंदपाल जैसे शासकों ने आक्रमणों के विरुद्ध अपनी सभ्यता की ढाल बनकर मंदिर की रक्षा की थी। ऐसा माना जाता है कि महान राजा भोज ने भी इस पावन स्थल के पुनर्निर्माण में अपना अमूल्य योगदान

आमने अग्र स्मार्ट मीटर ने बेईमानी हो सकती है, तो ईवीएम कैसे सुरक्षित है? ईवीएम में बेईमानी क्यों नहीं हो सकती? भाजपा झूठ की सोन पापड़ी है। एक झूठ की परत के ऊपर दूसरी परत बढ़ा देती है।।प्रोपेगंडा भाजपा का टार्गेटेड कैंपेन है।। वो जनता को डराकर चुनाव लड़ती है।

समाजवादी पार्टी के मुखिया की हालिया प्रेस कॉन्फ्रेंस में,(बंगाल) हार की बौखलाहट और फ्रस्ट्रेशन साफ उनके चेहरे पर दिखाई दे रहा है। अखिलेश यादव चुनावी हार के बाद मनगढ़ंत तरीके से ईवीएम और चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि यह कोई नई बात नहीं है।

–अखिलेश यादव : –अनिल राजभर
सपा मुखिया : मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार

‘नमामि’ मिशन की जमीनी हकीकत



सुमन कुमार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन (नमामि) के तहत भारत की विशाल पांडुलिपि संपदा के डिजिटलीकरण की दिशा में पिछले दो दशकों में उल्लेखनीय पहल की गई है। वर्ष 2024 के बाद इसे ‘ज्ञान भारतम् मिशन’ के रूप में पुनर्गठित किया गया, जिससे अपेक्षा थी कि यह प्रयास और राज्यवार सटीक और अद्यतन सार्वजनिक डिटा अभी भी एकीकृत रूप में उपलब्ध आगे बढ़ेगा। परंतु जमीनी स्तर पर स्थिति अब भी असमान है और यह पहल अनेक संरचनात्मक तथा प्रशासनिक चुनौतियों से घिरी हुई दिखाई देती है।

हाल के दिनों में बिहार एवं देश अन्य हिस्सों से यह समाचार मिल रहे हैं कि जिला प्रशासन की पहल पर सैकड़ों वर्ष पुरानी पांडुलिपियों को डिजिटलीकरण के लिए एकत्र किया जा रहा है। यह पहल पहली दृष्टि में अत्यंत सकारात्मक और स्वागतयोग्य प्रतीत होती है, क्योंकि इससे स्थानीय स्तर पर सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ती है, किंतु इसके साथ यह आशंका भी जुड़ी रहती है कि कहीं यह प्रयास केवल औपचारिकता या सोशल मीडिया पर प्रचार तक सीमित न रह जाए।

इतिहास में जब भी प्रशासनिक स्तर पर विरासत संरक्षण की बात होती है, तो अलेक्जेंडर कनिंघम जैसे उदाहरण याद आते हैं, किंतु समकालीन संदर्भ में यह भी स्पष्ट है कि कुछ अपवादों का छोड़कर प्रशासनिक तंत्र में इस दिशा में दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का अभाव रहा है। यही कारण है कि अनेक योजनाएं प्रारंभ तो होती हैं, परंतु उनमें निरंतरता और संस्थागत स्थायित्व नहीं बन पाता।

डिजिटलीकरण के संदर्भ में ‘कृति संपदा’ जैसे राष्ट्रीय डेटाबेस के माध्यम

से लाखों पांडुलिपियों का पंजीकरण किया गया है। भंडारकर प्राच्य अनुसंधान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय तथा अन्य पांडुलिपि संसंधान केंद्रों में स्कैनिंग, मेटाडेटा निर्माण और संरक्षण का कार्य जारी है। इसके बावजूद, पांडुलिपियों का राज्यवार सटीक और अद्यतन सार्वजनिक डिटा अभी भी एकीकृत रूप में उपलब्ध नहीं है, क्योंकि यह प्रक्रिया निरंतर चल रही है और विभिन्न संस्थानों के माध्यम से चरणबद्ध ढंग से अद्यतन होती रहती है।

उपलब्ध सूचनाओं के अनुसार, पांडुलिपियों की अधिकतम संख्या तमिलनाडु, केरल, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों में पाई जाती है, जहां मंदिरों, मठों और निजी संग्रहों में इनका विशाल भंडार सुरक्षित है। वहीं राजस्थान और गुजरात में जैन तथा संस्कृत पांडुलिपियों की समृद्ध परंपरा है। उत्तर प्रदेश और बिहार में ऐतिहासिक पुस्तकालयों और विद्वत केंद्रों के कारण उल्लेखनीय संग्रह मौजूद हैं, जबकि पश्चिम बंगाल और जम्मू कश्मीर में तिब्बती, फारसी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं की पांडुलिपियां महत्वपूर्ण हैं।

कुल मिलाकर, भारत में लगभग 45–50 लाख पांडुलिपियों का अनुमान है, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा अभी भी अपंजीकृत या निजी हाथों में है। ऐसे में ‘ज्ञान भारतम् मिशन’ का कार्य केवल संग्रह तक सीमित नहीं है, बल्कि इन विविध स्रोतों को एकीकृत कर एक विश्वसनीय राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार करना भी है। इसके बावजूद, इस विशाल संख्या की तुलना में डिजिटलीकरण की गति अभी भी धीमी है। कई परियोजनाएं तकनीकी उन्नयन, सतत वित्तपोषण और



दिया था। कर्णदेव सोलंकी और जयसिंह सिद्धराज ने गुजरात की राजनीतिक और सांस्कृतिक शक्ति को पुनर्स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। भाव बृहस्पति, कुमारपाल सोलंकी और पाशुपताचार्यों ने इस तीर्थ को आराधना और ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित करने में अमूल्य योगदान दिया। विशालदेव वाघेला और त्रिपुरांतक ने इसकी बौद्धिक और आध्यात्मिक परंपराओं की रक्षा की। महिपाल चूड़ासमा और राव खंगार चूड़ासमा ने विध्वंस के बाद पूजा-पाठ की परंपरा को पुनर्जीवित किया। पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर, जिनकी 300 वीं जयंती मनाई जा रही है, उन्होंने सबसे चुनौतीपूर्ण समय में भी भक्ति की परंपरा को जीवंत रखा।

1940 के दशक में स्वतंत्रता की भावना पूरे भारत में फैल रही थी। सरदार पटेल जैसे महान नेताओं के नेतृत्व में स्वतंत्र भारत की नींव रखी जा रही थी। ऐसे में एक बात जो उन्हें बहुत व्यथित करती थी, वह थी- सोमनाथ की दुर्दशा। 13 जनवर् 1947 को, दिवाली के समय, उन्होंने सोमनाथ के जर्जर अवशेषों के सामने खड़े होकर, समुद्र का जल हाथ में लेकर संकल्प लिया, “इस (गुजराती) नववर्ष पर हमारा निश्चय है कि सोमनाथ का पुनर्निर्माण होगा। सौराष्ट्र के लोगों को इसके लिए हर तरह से अपना योगदान देना होगा। यह एक पावन कार्य है, जिसमें हर किसी को भागीदारी निभानी होगी।” उनके इस आह्वान ने सिर्फ गुजरात ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष को नए उत्साह से भर दिया। दुर्भाग्यवश, सरदार पटेल अपने उस सपने को साकार होते नहीं देख सके, जिसके लिए उन्होंने स्वयं को समर्पित कर दिया था। इससे पहले कि जीर्णोद्धार के बाद सोमनाथ मंदिर भक्तों के लिए खुलता, उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। इसके बावजूद, प्रभास पाटन की पावन धरती पर उनका प्रभाव निरंतर महसूस किया जाता रहा है। उनके विजन को के.एम. मुंशी ने आगे बढ़ाया, जिन्हें नवानगर के जामसाहेब का समर्थन मिला। 1951 में मंदिर का पुनर्निर्माण पूरा होने पर राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को

डेटा की सार्वजनिक उपलब्धता के अभाव में अधूरी रह जाती है।

इस पूरी प्रक्रिया में सबसे बड़ी बाधा देश के अधिकांश पुस्तकालयों की जर्जर स्थिति है। बड़े और प्रतिष्ठित संस्थानों को छोड़ दे तो जिला, विश्वविद्यालय और निजी संग्रहालयों में बुनियादी अवसरंचना का अभाव है। नियंत्रित तापमान, आर्द्रता प्रबंधन, प्रशिक्षित संरक्षक और उच्च गुणवत्ता वाले स्कैनिंग उपकरणों की कमी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। कई पुस्तकालय आज भी पारंपरिक सूचीकरण तक सीमित हैं और कुछ स्थानों पर तो न्यूनतम स्टाफ की उपलब्धता नहीं है। परिणामस्वरूप, वित्तीय संसाधनों की कमी डिजिटलीकरण की प्रक्रिया को गंभीर रूप से प्रभावित करती है।

मानव संसाधन का संकट भी उतना ही महत्वपूर्ण है। पांडुलिपि विज्ञान और संरक्षण के क्षेत्र में प्रशिक्षित विशेषज्ञों की संख्या अत्यंत सीमित है। यद्यपि मिशन द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, परंतु उनका प्रभाव और विस्तार तिब्बती, फारसी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं की पांडुलिपियां महत्वपूर्ण हैं।

आलोचनात्मक दृष्टि से देखें तो नमामि की सबसे बड़ी चुनौती ‘नीति और क्रियान्वयन के बीच का अंतर’ है। एक ओर इसकी परिकल्पना व्यापक और दूरदर्शी है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर संस्थागत समन्वय, तकनीकी मानकीकरण और सतत वित्तपोषण का अभाव इसकी गति को सीमित करता है। डिजिटलीकरण के बाद भी डेटा की आपन-एक्सेस उपलब्धता सीमित है, जिससे शोधार्थियों और आम जनता को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाता।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

प्रोफेसरों के नोट्स

हमारे यहां के प्रोफेसरों का आलम यह है कि वे एक ही विषय को सालों साल पढ़ाते रहते हैं। उनके पढ़ाने में कोई बेहतरी नजर नहीं आती। कोई नई अंतर्वस्तु नजर नहीं आती। उनके क्लास नोट्स में कोई नयापन या नई ठोस सामग्री और समझ नहीं होती। इसके विपरीत स्थितियां देखें, मैं इन दिनों मिशेल फूको के



जगदीश्वर चट्टोपदी
पूर्व अध्यक्ष हिंदी विभाग
कलकत्ता यूनिवर्सिटी

के कक्षा में दिए गए व्याख्यान या यों कहें क्लास नोट्स पढ़ रहा हूं, उनमें गजब की मेहनत नजर आती है।

मिशेल फूको College de France में 1971 से लेकर मृत्यु पर्यंत प्रोफेसर रहे, वहां नियम था कि प्रोफेसर को साल में 26 घंटे पढ़ाना है, इनमें आधे समय उनको सेमीनार के रूप में बोलना होता है और हर साल नई रिसर्च करके पढ़ाना होता था। वहां पाठ्यक्रम एकदम खुले होते थे, किसी क्रिस्म के नामांकन की जरूरत नहीं

होती थी, शर्त एक होती थी जो विषय चुना है, उस पर हर साल नया शोध करके लेक्चर दो। इस क्रम में मिशेल फूको के क्लास नोट्स सामने आए।

अब तस्वीर का दूसरा पहलू देखें। हिंदी में जो आए दिन फूको-फूको करते रहते हैं या फिर पश्चिम के विद्वानों को उद्धृत करके किताबें लिखते रहते हैं, व्याख्यान देते रहते हैं, उनमें से अधिकांश तो ठीक से कक्षा में पूरे समय पढ़ाने तक नहीं जाते, उनके क्लास नोट्स मिल जाएं तो आपको शर्मिंदा होना पड़ेगा।

मसलन, नामवर सिंह के क्लास नोट्स प्रकाशित हो चुके हैं, वे किसी भी तरह एक प्रोफेसर के नोट्स नहीं लगते। खासकर एक ऐसे प्रोफेसर के नोट्स तो एकदम नहीं लगते, जो दुनियाभर के साहित्य का गंभीर अध्येता रहा हो। हिंदी में रामचंद्र शुक्ल के साहित्य इतिहास को देखें या फिर हजारी प्रसाद द्विवेदी के दिए गए व्याख्यानों को देखें, तो एकदम नए क्रिस्म का अध्यापकीय विवेक और शोधदृष्टि सामने आएंगी।

रामचंद्र शुक्ल ने एमए हिंदी के विद्यार्थियों को इतिहास पढ़ाते समय जो नोट्स बनाए, उनके आधार पर बाद में हिंदी साहित्य का इतिहास नामक महत्वपूर्ण ग्रंथ लिखा। द्विवेदी ने आदिकाल नामक किताब में अपने व्याख्यान शामिल किए हैं, इनमें एकदम नई सामग्री है, यही स्थिति उनकी व्याख्यानों की किताब मध्यकालीन बोध का स्वरूप की है। वहां पर मध्यकाल पर एकदम नए नजरिए से विचार किया गया है।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी



एनसीईआरटी किताबें विवादों में घिरी

नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी), 2020 के तहत विकसित किया गया नेशनल कॉिकुलम फ्रेमवर्क (एनसीएफ), 2023 भारत में स्कूली शिक्षा के लिए एक विस्तृत गाइडलाइन है, इसका मकसद छात्रों को इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों के लिए तैयार करना है, जिसमें होलिस्टिक डेवलपमेंट, कॉम्पिटेंसी-बेस्ड लर्निंग और इनक्लूसिविटी अर्थात समावेशिता पर जोर दिया गया है। स्कूली शिक्षा को चार चरणों में बांटा गया है। फाउंडेशनल (3-8 वर्ष), प्रिपरेटरी (8-11 वर्ष), मिडिल (11-14 वर्ष) और सेकेंडरी (14-18 वर्ष) कॉम्पिटेंसी-बेस्ड लर्निंग यानी रोट मेमोराइजेशन के बजाय कौशल आधारित शिक्षा पर जोर, फर्नकिसबल सब्जेक्ट चॉइस यानी सेकेंडरी स्तर पर छात्रों को विषय चुनने की आजादी, होलिस्टिक डेवलपमेंट यानी शारीरिक, भावनात्मक और बौद्धिक विकास पर ध्यान और इनक्लूसिविटी मायने

सभी छात्रों के लिए समान अवसर तय करना है, नतीजतन उद्देश्य स्कूल पाठ्यक्रम और पठन-पाठन की सामग्री को विकसित है।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की क्लास एके से लेकर आठ तक नई किताबें बाजार में आने के साथ ही विवादों का सिलसिला भी शुरू हो गया है। मुद्दा एक नहीं लोगों को कई चीजों पर ऐतराज है। एनसीईआरटी पर इतिहास को सांप्रदायिक दृष्टिकोण से पेश करने के आरोप लग रहे हैं। मुगल साम्राज्य के बारे में कुछ अध्यायों को हटाने का फैसला किया गया, जिसका इतिहासकारों और शिक्षकों ने विरोध किया। देश के कई शहरों में एनसीईआरटी की नकली किताबों का खज्ीरा बरामद हुआ, जिससे शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठे हैं,

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने आठवीं क्लास की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार नामक एक खंड का स्वतः संज्ञान लिया था। अदालत ने इस पाठ्यपुस्तक की भौतिक या ऑनलाइन प्रतियों के इस्तेमाल पर पाबंदी लगा दी थी।

वर्तमान, नये शैक्षणिक सत्र की किताबें मार्केट में हैं। पहले एनसीईआरटी की फाउंडेशनल से लेकर मिडिल क्लासों की भाषाई पाठ्य पुस्तकों के नाम भारतीय संगीत वाद्ययंत्रों और क्लासिकल रागों के नाम पर रखे जाने पर आपत्ति जताई गई। अब नई किताबों में पुरानी किताबों के कुछ संदर्भ न होने को लेकर भी चर्चाएं चल रही हैं। सातवीं की सोशल साइंस की किताब में मुगलों व दिल्ली सल्तनत के संदर्भों को हटा दिया गया है। भारतीय राजवंशों पर चैप्टर, महाकुंभ का संदर्भ, मेक इन इंडिया, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, चार धाम, धार्मिक यात्राओं जैसी योजनाओं के बारे में बताया गया है।

सोशल साइंस की नई किताब में मगध, मौर्य, शुंग और सातवाहन जैसे प्राचीन भारतीय राजवंशों पर नए चैप्टर शामिल किए गए हैं। पवित्र भूगोल (सेकेंड साइट) अब दुनिया भर में एक मान्यता प्राप्त एकेडेमिक डिसिप्लिन है, भारत के अनूठे मामले पर कई अध्ययन हुए हैं। स्वतंत्रता के बाद से ही कई शैक्षिक आयोगों और शिक्षाविदों ने हमारे बच्चों में राष्ट्रीय एकीकरण की भावना पैदा करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। यह चैप्टर ऐसी भावना विकसित करने के कई संभावित तरीकों में से एक है। एनसीईआरटी किताब का टाइटल आर्यभट्ट, भास्कराचार्य, ब्रह्मगुप्त और श्रीनिवास रामानुजन जैसे महान भारतीय गणितज्ञों के योगदान से बनाया गया है। किताब के एक चैप्टर ऑल इंडियंस में बारह राज्यों के बारे में जानकारी दी गई है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

वैज्ञानिकों ने काफी समय तक निगरानी करते हुए मालूम किया है कि रात में खाने के लिए शिकार ढूँढने वाले जीव-जंतु चांदनी रातों में बेहतरी से और अधिक ऊर्जा से शिकार करते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि चांदनी ही उन्हें अतिरिक्त शक्ति प्रदान करती है। यह स्टडी साइंस एडवांसेज जर्नल पहली मई 2026 के अंक में 'मूनलाइट ड्राइव्स द एनर्जी बैलेंस एंड एनुअल साइकिल ऑफ नॉक्टर्नल फोरेजर' शीर्षक से स्पेन के साथ वैज्ञानिकों ने संयुक्त रूप से प्रकाशित की है। इस स्टडी की अहमियत पक्षियों के रात्रिकालीन व्यवहार, इनकी फिटनेस, शिकार पकड़ने की शक्ति के संचय के लिए चांदनी के प्रकाश की जरूरत और पारिस्थिकी संतुलन के लिए मानी गई है।

नाइटजार पक्षी

नाइटजार एक विश्वव्यापी समूह है, जिसमें ऐसे हवाई कीटपक्षी पक्षी शामिल हैं, जो सुबह और शाम के धुंधलके में या रात में सक्रिय रहते हैं। ये मुख्य रूप से कम रोशनी वाली स्थितियों में भोजन की तलाश करते हैं और दिन के समय बिना हिले-डुले आराम करते हैं, जिससे ये जीवों के व्यवहार और शारीरिक बनावट पर चंद्रमा की रोशनी के प्रभावों की जांच करने के लिए एक बेहतरीन माध्यम बन जाते हैं। कई प्रजातियों पर किए गए पिछले अध्ययनों में चंद्रमा के चक्र और रोजाना भोजन की तलाश करने की गतिविधि, साथ ही प्रजनन और प्रवास जैसे ऊर्जा की ज्यादा खपत वाले वार्षिक जीवन-इतिहास की के समय के बीच संबंध पाए गए हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि चंद्रमा की रोशनी ऊर्जा प्राप्त करने की प्रक्रिया पर समय-समय पर कुछ सीमाएं लगा सकती है। हालांकि चंद्रमा की रोशनी को किसी जीव की व्यक्तिगत गतिविधि, ऊर्जा के बंटवारे और जीवन-इतिहास से जुड़े फैसलों से जोड़ने वाले तंत्रों को अभी भी ठीक से समझा नहीं गया है। नाइटजार सुबह और शाम के धुंधलके में भोजन की तलाश के छोटे-छोटे समय-अंतरालों के दौरान कीड़ों को पेट भर खा सकते हैं और शरीर के तापमान में अस्थायी कमी (जिसे 'टॉरपोर' कहते हैं) करके अपनी चयापचय लागत को कम कर सकते हैं। ये ऐसी रणनीतियां हैं, जो संभवतः उन्हें बिना चंद्रमा वाली रातों में भोजन की तलाश के लिए मिलने वाले बहुत ही कम समय का सदुपयोग करने में सक्षम बनाती हैं। ये सभी विशेषताएं मिलकर नाइटजार पक्षियों को एक बेहतरीन मॉडल के रूप में स्थापित करती हैं,

वैज्ञानिक फैक्ट

अंतरिक्ष में डकार लेना क्यों होता है मुश्किल

पृथ्वी पर डकार लेना एक सामान्य शारीरिक प्रक्रिया है। जब हम भोजन करते हैं या पानी पीते समय हवा निगल लेते हैं, तो वह गैस पेट में जमा हो जाती है और बाद में डकार के रूप में बाहर निकलती है। यहाँ गुरुत्वाकर्षण एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह भोजन और तरल पदार्थों को पेट के निचले हिस्से में बनाए रखता है, जबकि गैस ऊपर की ओर आ जाती है और आसानी से मुंह के रास्ते बाहर निकल जाती है। वहीं अंतरिक्ष में स्थिति बिल्कुल अलग होती है। वहां लगभग शून्य गुरुत्वाकर्षण यानी माइक्रोग्रैविटी होती है। ऐसी अवस्था में गैस, तरल और ठोस पदार्थ अलग-अलग परतों में नहीं बंट पाते। परिणामस्वरूप पेट में मौजूद हवा भोजन और तरल के साथ मिश्रित रहती है। यही कारण है कि अंतरिक्ष यात्री सामान्य तरीके से डकार नहीं ले पाते। यदि वे डकार लेने की कोशिश करें, तो गैस के साथ पेट का तरल पदार्थ और भोजन भी मुंह तक आ सकता है। इसे वैज्ञानिक भाषा में 'वेट बप' कहा जाता है, जो काफी असहज अनुभव हो सकता है। इसी वजह से अंतरिक्ष यात्रियों के खानपान पर विशेष ध्यान दिया जाता है। उन्हें ऐसे खाद्य पदार्थ कम दिए जाते हैं, जो पेट में ज्यादा गैस बनाते हों, जैसे कार्बोनेटेड ड्रिंक्स या अत्यधिक मसालेदार भोजन। अंतरिक्ष मिशनो में भोजन को इस प्रकार तैयार किया जाता है कि वह आसानी से पच जाए और

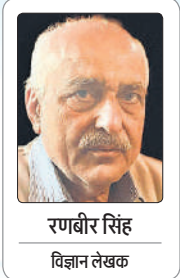


गैस की समस्या कम पैदा करे। नासा के वैज्ञानिकों के अनुसार, अंतरिक्ष में केवल डकार ही नहीं, बल्कि शरीर की कई सामान्य प्रक्रियाएं भी बदल जाती हैं। उदाहरण के लिए, माइक्रोग्रैविटी के कारण शरीर के तरल पदार्थ ऊपर की ओर खिसकने लगते हैं, जिससे अंतरिक्ष यात्रियों का चेहरा सूजा हुआ दिखाई देता है। वहीं पैरों में रक्त और तरल कम पहुंचता है। अंतरिक्ष में पाचन तंत्र भी पृथ्वी की तुलना में अलग तरीके से काम करता है। कई अंतरिक्ष यात्रियों ने बताया है कि वहां भोजन का स्वाद थोड़ा फीका लगता है, क्योंकि शरीर के तरल ऊपर आने से नाक बंद जैसी स्थिति बन जाती है। यही कारण है कि अंतरिक्ष यात्री अधिक तीखे और मसालेदार भोजन को पसंद करने लगते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि लंबे अंतरिक्ष मिशनो जैसे मंगल ग्रह की यात्रा के लिए मानव शरीर पर माइक्रोग्रैविटी के प्रभावों को समझना बेहद जरूरी है। डकार जैसी छोटी लगने वाली प्रक्रिया भी अंतरिक्ष विज्ञान में महत्वपूर्ण शोध का विषय बन चुकी है। यह दिखाता है कि पृथ्वी पर सामान्य दिखने वाली हमारी कई शारीरिक क्रियाएं वास्तव में गुरुत्वाकर्षण पर कितनी निर्भर हैं।



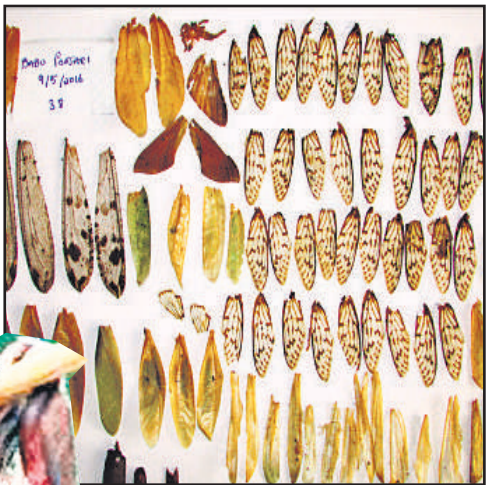
अमृत विचार

चूरे का



रणबीर सिंह
विज्ञान लेखक

शिकारी जीवों को ताकत देती है चांदनी



जिससे यह समझने में मदद मिलती है कि चंद्रमा के चक्र किस तरह रात में सक्रिय रहने वाले जीवों के व्यवहार, शरीर-क्रिया विज्ञान और जीवन-इतिहास से जुड़े समझौतों को प्रभावित करते हैं। लाल गर्दन वाले नाइटजारों (Caprimulgus ruficollis, जिन्हें आगे नाइटजार कहा जाएगा) का अध्ययन किया गया। उद्देश्य यह समझना था कि चंद्रमा का चक्र उनकी रोजाना की भोजन खोजने की आदतों और सफलता

को कैसे प्रभावित करता है। भोजन खोजने के दौरान चांदनी से जुड़ी बाधाएं किसी पक्षी के ऊर्जा भंडार और ऊर्जा बचाने वाले तरीकों (जैसे कि 'टॉरपोर' या सुप्तावस्था) के इस्तेमाल पर कैसे असर डालती हैं, और ये प्रभाव किस तरह मिलकर वार्षिक जीवन-चक्र की मुख्य घटनाओं जैसे कि प्रजनन, पंख झड़ना और प्रवास को एक-दूसरे के साथ तालमेल बिठाने में मदद करते हैं। भोजन खोजने में मिली सफलता, ऊर्जा की प्राप्ति और प्रजनन व पंख झड़ने के लिए समय के बंटवारे का आकलन करने के लिए, शोधकर्मियों ने स्पेन के 'दोनाना' क्षेत्र से 2011 से 2020 के बीच इकट्ठा किए गए लंबे समय के क्षेत्रीय आंकड़ों का उपयोग किया। उड़ान संबंधी गतिविधियों, टॉरपोर की स्थिति और प्रवास के समय पर नजर रखने के लिए सन् 2016 से 2020 के दौरान 74 वयस्क नाइटजारों पर विशेष रूप से तैयार किए गए छोटे आकार के 'मल्टीसेंसर डेटा लॉगर' लगाए गए थे। इसके अलावा, पांच अन्य पक्षियों पर 'ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम' लॉगर भी लगाए गए थे।

चंद्रमा की रोशनी से जुड़ी प्रतिक्रियाएं

ज्यादातर जीव-जंतु कई समय-सीमाओं में होने वाले समय-समय पर होने वाले पर्यावरणीय बदलावों का सामना करते हैं। ये बदलाव आकाशीय पिंडों की घूमने और अपनी जगह बदलने वाली गतियों के कारण भी होते हैं, जिससे जीवों में भू-भौतिकीय चक्रों के हिसाब से ढलने की क्षमता विकसित होती है। इन बदलावों में, उदाहरण के लिए, प्रजनन और जीवित रहने के लिए संसाधनों की तलाश में मौसम के हिसाब से एक जगह से दूसरी जगह जाना, संसाधनों की बहुतायत के समय ज्यादा से ज्यादा ऊर्जा लेने के लिए पाचन क्रिया को समायोजित करना और उपवास के दौरान ऊर्जा बचाने के लिए शरीर के तापमान और चयापचय दर में नियंत्रित कमी करना शामिल है। चमगादड़ से लेकर गीदड़, मेंढक, लोमड़ी और सांप जैसे रात में सक्रिय रहने वाले जीवों के लिए चंद्रमा का चक्र, रात की रोशनी का एक दोहराया जाने वाला पैटर्न बनाता है, जो उनके व्यवहार, शारीरिक बनावट और जीवन-इतिहास की विशेषताओं को आकार देता है। चंद्रमा की रोशनी से जुड़ी प्रतिक्रियाएं हवा, जमीन और पानी के पारिस्थितिक तंत्रों में अलग-अलग पोषण स्तर पर दर्ज की गई हैं, जिससे यह पता चलता है कि चंद्रमा का चक्र वैश्विक स्तर पर पारिस्थितिक प्रक्रियाओं को प्रभावित कर सकता है। इसके बावजूद, जीवों की पारिस्थितिकी और विकास पर चंद्रमा के चक्र के प्रभावों को अभी भी ठीक से समझा नहीं गया है, क्योंकि रात में खुले वातावरण में रहने वाले जीवों का अध्ययन करने में कई तरह की स्वाभाविक चुनौतियां आती हैं।

क्या कहते हैं शोध

शोध के नतीजों से नाइटजार में चांद के समय के हिसाब से कई अडैप्शन होने और उनके आपस में तालमेल बिठाने का सपोर्ट मिलता है, जिससे वे अमावस्या के आसपास अकाल का समय झेल पाते हैं। इन अडैप्शन में हाइपोथर्मिया में जाने की क्षमता, शरीर के रिजर्व को साइकल के हिसाब से फिर से भरना और थोड़े समय के लिए बहुत ज्यादा खाना स्टोर करने की क्षमता बनाए रखना शामिल है। हम दिखाते हैं कि चांद से जुड़े ऐसे काउंटरमेजर का इस्तेमाल सिर्फ थोड़ा या कुछ समय के लिए किया जाता है, शायद फिटनेस कॉस्ट के कारण जो सालाना साइकिल में अलग-अलग होती है, जिसके नतीजे में जीवन-इतिहास की घटनाओं का चांद के साथ पहले से तय सिंक्रोनाइजेशन होता है।

नाइटजार कीड़ों के शिकारी और बड़े जानवरों के शिकार, दोनों के तौर पर एक अहम ट्रॉफिक जगह रखते हैं अर्थात् भोजन को एक इनाम के तौर से प्राप्त करना। इसलिए, चांद की वजह से होने वाले उनके रोजाना के खाने की एक्टिविटी और एनर्जी बैलेंस में उतार-चढ़ाव कम्युनिटी में फैल सकते हैं, जिससे शिकार की आबादी और शिकारी-शिकार के बीच बातचीत पर इनडायरेक्ट असर पड़ सकता है और आखिर में, बड़े इकोसिस्टम के काम करने के तरीके पर भी असर पड़ सकता है। यह स्टडी अंधेरे में जीवन के लिए चांदनी की अहमियत को दिखाती है और ऐसे संभावित अडैप्शन का पता लगाती है, जो जीवों को रात के समय की जगह का फायदा उठाने में मदद करते हैं। यह रात में रहने वाले जीवों की सालाना साइकिल ट्रैकिंग स्टडीज में इकोलॉजिकल एनर्जी को शामिल करने की जरूरत पर भी जोर देता है, जो रात की इकोलॉजी को आगे बढ़ाने के लिए एक जरूरी कदम है, खासकर तब जब दुनियाभर में ज्यादा से ज्यादा स्पीसीज रात में रहने वाले जीव बन रहे हैं। अपने आसपास भी हम पक्षियों के व्यवहार में कुछ परिवर्तन देख सकते हैं जोकि शहरी इलाकों, शहर के बाहरी इलाकों और खेतों में विचरण करने और घोंसला बनाकर संतानोत्पत्ति के कार्य में व्यस्त रहते हैं। भारत में ऐसे अध्ययन किए गए हैं। यह भी देखा गया है कि माइग्रेटरी बर्ड्स ज्यादातर चांदनी रातों में ही एक से दूसरे स्थान पर बहुत लंबी दूरी तक उड़ते हैं। सन् 2000 में मदुरै कामराज यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने चमगादड़ों पर ऐसा ही एक अध्ययन लंदन से प्रकाशित जूलांजी जर्नल में किया था। इसमें यह भी बताया गया कि शहरों के आकाश में कृत्रिम विद्युत रोशनी की चमक इन रात्रिकालीन शिकारियों के व्यवहार और इनके ब्रीडिंग और फोरेजिंग पैटर्न पर विपरीत असर डालती है।

अमेजन जंगल क्यों माना जाता है रहस्यमयी

अमेजन का वर्षावन, जिसे 'पृथ्वी का फेफड़ा' भी कहा जाता है, सदियों से मानव जाति के लिए कौतूहल और रहस्य का केंद्र रहा है। दक्षिण अमेरिका के नौ देशों में फैला यह विशाल जंगल न केवल अपनी जैव-विविधता के लिए जाना जाता है, बल्कि यहां छिपे अनगिनत अनसुलझे रहस्य इसे दुनिया के सबसे रहस्यमयी जगहों में से एक बनाते हैं। अमेजन में पौधों और जीवों की इतनी प्रजातियां हैं कि वैज्ञानिकों का मानना है कि हमने अभी तक केवल 10 प्रतिशत हिस्से को ही समझा है। हर साल यहां दर्जनों नई प्रजातियों की खोज होती है, जिससे यह सवाल उठता है कि इस घने अंधेरे विस्तार में और क्या-क्या छिपा हो सकता है?

'उबलती हुई नदी' का रहस्य

पेरू के जंगलों के बीच 'शनाय-तिम्पिशका' (Shanay-timpishka) नाम की एक नदी बहती है, जिसका पानी खौलता रहता है। यहां का तापमान 90 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, जिसमें कोई भी जीव जीवित नहीं रह सकता। सबसे रहस्यमयी बात यह है कि इस नदी के पास कोई सक्रिय ज्वालामुखी नहीं है, फिर भी इसका पानी कैसे उबलता है, यह आज भी वैज्ञानिकों के लिए शोध का विषय है।

छिपी हुई सभ्यताएं और 'एल डोरेडो'

हजारों वर्षों से यह माना जाता रहा है कि अमेजन के घने जंगलों के बीच सोने का शहर 'एल डोरेडो' छिपा है। हालांकि वह शहर तो नहीं मिला, लेकिन हालिया 'लिडार' (LiDAR) तकनीक के स्कैन से जंगल के नीचे विशाल संरचनाएं, सड़कें और नहरों के जाल मिले हैं। यह संकेत देते हैं कि प्राचीन काल में यहां एक बहुत बड़ी और विकसित सभ्यता निवास करती थी, जो अचानक विलुप्त हो गई।



जनजातियां

अमेजन दुनिया के उन चुनिंदा जगहों में से एक है, जहां आज भी ऐसी जनजातियां रहती हैं, जिनका आधुनिक दुनिया से कोई संपर्क नहीं है। ये लोग अपनी आदिम जीवनशैली में मस्त हैं और बाहरी दुनिया के लिए एक पहली बने हुए हैं। वे कौन सी भाषा बोलते हैं और उनके पास प्रकृति के क्या रहस्य हैं, यह कोई नहीं जानता।

मिट्टी के पिरामिड

हाल ही में बोलिविया और ब्राजील के जंगलों के नीचे विशाल मिट्टी के पिरामिड और ऊंचे चबूतरे मिले हैं। ये संरचनाएं दर्शाती हैं कि यहां कभी भव्य धार्मिक स्थल थे। वैज्ञानिकों को यहां इंसान द्वारा बनाई गई बेहद उपजाऊ काली मिट्टी मिली है। यह मिट्टी हजारों सालों बाद भी उपजाऊ बनी हुई है, जो इस बात का सबूत है कि प्राचीन लोग खेती की उन्नत तकनीक जानते थे।

प्रतिकूल वातावरण और 'अंधेरा'

अमेजन का घनत्व इतना अधिक है कि सूर्य की रोशनी जंगल की सतह तक मुश्किल से पहुंच पाती है। यहां का वातावरण इतना चुनौतीपूर्ण है कि आधुनिक तकनीक के बावजूद इसके कई हिस्सों में प्रवेश करना लगभग असंभव है। कई खोजकर्ता इस जंगल में गए और कभी वापस नहीं लौटे, जिससे इसके साथ 'शापित' या 'खतरनाक' होने की कहानियां जुड़ गईं।



बाजार	संसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	77,844.52	24,326.65
गिरावट	114.00	4.30
प्रतिशत में	0.15	0.02

	सोना	1,56,000 प्रति 10 ग्राम
	चांदी	2,61,500 प्रति किलो

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन :- तुलसी 2595, राज श्री 1950, फ़ोर्बून कि . 2700, रविन्द्रा 2540, फ़ोर्बून 13kg 2370, जय जवान 2125, सचिन 2340, सूरज 2125, अवसर 2125, उजाला 2100, गुहणी 13 kg 2200, क्लासिक (kg) 2455, मोर 2330, चक्र टिन 2565, ब्लू 2440, आशीर्वाद मस्टर्ड 2440 , स्वास्तिक 2550

किराना :-निजामाबाद हल्दी 16000–18000, जौरा 24500–25000, लाल मिर्च 21500–24000, धनिया 14000–18000, अजवायन 14000–19000, मेथी 7000–8000 सफ़ 11000–20000, सोंठ 33000, (प्रतिकुो) लौंग 850–1000, बादाम 750–1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330–380, मखाना 800–1150

चावल (प्रति कुो) :- डबल चाबी सेला 10800, आभा प्याइस 8300, शरबती कच्ची 6500, शर्बती स्टीम 6500, मंसूरी 4500, महबूब सेला 4600, गौरी रंछल 10200, राजभोग 8250, गौरी पत्ती (1kg,5kg) 11700, हरी पत्ति नेबुरल 10900, गौरी स्पेशल 10100, गौरी प्रीमियम 11500, जन्नत 3700, गौरी डिलाइट 10800, मंसूरी पनघट 4400,लाडली 4400

दाल दलहन :- मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500–13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7450–9600, मलका छैंटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छेटी 10700–12200, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500, चना काला 7200, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूफकिशोर बेसन 7400, चना अकोला 6600, डबरा 7000–8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9700, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11000–11600, अरहर कोरी छोटी 12600

चीनी :- दारिकेश 4320, बहेड़ी 4300, सितारगंज 4270

बिजनेस झीफ

एप्पल और क्लीनमैक्स करेंगे ऊर्जा क्षेत्र में 100 करोड़ रुपये का निवेश
नई दिल्ली। भारत में विभिन्न स्थानों पर ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के लिए क्लीनमैक्स और एप्पल ने 100 करोड़ रुपए का निवेश करने की साझेदारी की है। क्लीनमैक्स ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस साझेदारी के तहत दोनों कंपनियों का लक्ष्य देश के वाणिज्यिक एवं औद्योगिक (सीएंडआई) खंड की जरूरतों को खखछ ऊर्जा परियोजनाओं की तेनाती के माध्यम से पूरा करना है। यह समझौता कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में तेजी लाने के उद्देश्य से किया गया है।

रुपया 27 पैसे मजबूत 94.22 प्रति डॉलर पर मुंबई।
अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया शुक्रआती गिरावट से उबरते हुए गुरुवार को 27 पैसे की बढ़त के साथ 94.22 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। ब्रेट फ़ूट और अमेरिकी डॉलर सूचकांक के अपने ऊपरी स्तर से नीचे आने से रुपये को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के मुताबिक, अमेरिका और ईरान के बीच शांति की उम्मीदों से ब्रेट फ़ूट की कीमतें 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई हैं। आज यह डॉलर के मुकाबले 94.77 पर खुला था। बुधवार को रुपया 69 पैसे मजबूत होकर 94.49 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

एमएमटीपी-पीएमपी ने फिर शुरु किया डिजिटल सोना-चांदी खरीद का मंच

नई दिल्ली, एजेंसी

बहुमूल्य धातुओं को परिष्कृत करने वाली कंपनी एमएमटीसी-पीएमपी डिजिटल रूप में सोने और चांदी की खरीद को फिर से शुरू कर दिया है। अब उपभोक्ता गृहाल पे, पेटीएम और कंपनी जैसे साझेदार मंचों के अलावा फ़ोर्नी की वेबसाइट और एंड्रॉइड ऐप के माध्यम से सीधे डिजिटल सोने और चांदी की खरीदारी कर सकते हैं। कंपनी ने सबसे पहले 2017 में डिजिटल सोना और फरवरी, 2023 में चांदी की पेशकश की थी। हालांकि, बेहतर उपयोगकर्ता अनुभव के लिए वेबसाइट को नया रूप देने के उद्देश्य से 2024 के अंत में सीधे मंच से बिक्री बंद कर दी गई थी।

कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी समित गुहा ने कहा कि डिजिटल सोना और चांदी कीमती

उत्पादन ही काफी नहीं, निर्यात क्षमता भी बढ़ानी होगी : शिवराज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अब केवल उत्पादन बढ़ाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि गुणवत्ता, सेल्फ लाइफ़, प्रोसेसिंग और निर्यात क्षमता को मजबूत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

इतना ही नहीं, भारत को वैश्विक फल बाजार में मजबूत पहचान दिलाने के लिए उत्पादन से लेकर प्रोसेसिंग, लॉजिस्टिक्स और निर्यात तक पूरी वैल्यू चेन को आधुनिक बनाना होगा।

केन्द्रीय मंत्री, गुरुवार को लखनऊ स्थित आईसीएआर—केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान (सीआईएसएच) में आयोजित ‘फ्रूट होराइजन 2026’ कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।



लखनऊ स्थित आईसीएआर—केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान (सीआईएसएच) में कृषि विज्ञानी से बात करते केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान।

फ्रूट होराइजन 2026

- यूपी बनega प्रीमियम फल उत्पादन और निर्यात का बड़ा हब**
- गुणवत्ता, सेल्फ लाइफ और निर्यात मानकों पर होगा विशेष फोकस**

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए भारतीय फलों की गुणवत्ता सुधारना बेहद जरूरी है। सरकार अब शेल्फ लाइफ बढ़ाने, निर्यात के दौरान गुणवत्ता बनाए रखने और वैश्विक मानकों के अनुरूप

उत्पादन पर विशेष ध्यान दे रही है।

मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जीरो रिजेक्शन और प्रीमियम क्वालिटी वाले फलों का उत्पादन भारत को निर्यात के क्षेत्र में नई ऊंचाई तक पहुंचा सकता है।

इसके लिए आधुनिक तकनीक,

बुनियादी ढांचा सुधार से तेजी से बढ़ रहा उप्र का संपत्ति बाजार : यूपी-रेरा

2026 में 400 नई परियोजनाओं को दी जा सकती है मंजूरी, पिछले साल थीं 308

नई दिल्ली, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (उप्र-रेरा) के चेयरमैन संजय आर भूस्रेड्डी ने कहा है कि बुनियादी ढांचे में सुधार के चलते राज्य में संपत्ति बाजार तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि उप्र-रेरा द्वारा 2026 में 400 नई परियोजनाओं को मंजूरी दी जा सकती है। पिछले कैलेंडर साल में यह आंकड़ा 308 रहा था।

उद्योग मंडल फिक्की द्वारा आयोजित रियल एस्टेट शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण के चेयरमैन भूस्रेड्डी ने कहा कि राज्य का संपत्ति बाजार अब केवल लखनऊ, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद तक ही सीमित नहीं है।

उन्होंने कहा कि कानपुर, गोरखपुर, वाराणसी, अयोध्या, झांसी, हापुड़, बरेली, मेरठ, मुजफ्फरनगर और गोंडा जैसे अन्य शहरों में भी रियल एस्टेट गतिविधियों में तेजी आई है। भूस्रेड्डी

सेबी ने बंद किया शेयर ब्रोकरों के जोखिम का सुरक्षा प्रणाली मंच ‘आईआरआरए’

नई दिल्ली, एजेंसी

बाजार नियामक सेबी ने गुरुवार को शेयर ब्रोकरों के लिए निवेशक जोखिम कम करने वाले मंच आईआरआरए को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा कि पूंजी बाजार में कामकाज जारी रखने की मजबूत व्यवस्था और साइबर सुरक्षा ढांचे के सशक्त होने से यह मंच अब अप्रासंगिक हो गया है।

आईआरआरए (इन्वेस्टर रिस्क रिडक्शन एक्सेस) मंच को एक अक्टूबर, 2023 को शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य ब्रोकरों को शेयर

खरीद-बिक्री सेवाओं में बाधा आने की स्थिति में एक वैकल्पिक माध्यम उपलब्ध कराना था।

हालांकि, सेबी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में प्रौद्योगिकी-आधारित कई उपाय लागू किए जाने से ब्रोकरों की परिचालन क्षमता में मजबूती आई है। इनमें ‘बिजनेस कंटिन्यूटी प्लानिंग और डिजास्टर रिकवरी’ (बीसीपी-डीआर) व्यावस्था, बेहतर साइबर सुरक्षा ढांचा, बाजार सुरक्षा परिचालन केंद्र और तकनीकी गड़बड़ी से निपटने के तंत्र को मजबूत करना शामिल है।

शेयर ब्रोकरों ने ऐसे तकनीकी समस्याओं की अपनाए हैं, जिससे

किसी बाधा की स्थिति में मुख्य और वैकल्पिक प्रणाली के बीच आसानी से स्विच किया जा सकता है।

कभी उपयोग में ही नहीं आया था मंच
सेबी के मुताबिक, शेयर बाजारों ने बताया है कि आईआरआरए मंच शुरू होने के बाद से कभी भी उपयोग में नहीं आया और मजबूत नियामकीय उपायों एवं तकनीकी प्रति के कारण यह ‘संरचनात्मक रूप से अप्रासंगिक’ हो गया है। बाजार नियामक ने इन्हीं कारणों और हितधारकों की प्रतिक्रिया के आधार पर इस मंच को तत्काल प्रभाव से बंद करने का फैसला किया है।

किसानों की आय बढ़ाने को बनेगी टास्क फोर्स

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री की अध्यक्षता में यह निर्णय लिया गया कि आईसीएआर के वैज्ञानिक संस्थान, एपीडा, निर्यातक और अन्य एजेंसियां मिलकर एक विशेष टास्क फोर्स बनाएंगी। यह टास्क फोर्स उत्पादकों और निर्यातकों की समस्याओं का समाधान कर समयबद्ध एक्शन प्लान तैयार करेगी, जिससे किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

यूपी को मिलेगा क्लीन प्लांट मिशन का लाभ
शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि केंद्र सरकार के ‘क्लीन प्लांटिंग मैटेरियल प्रोग्राम’ के तहत उत्तर प्रदेश को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में उन्होंने छोटे किसानों को बाजार और निर्यात से जोड़ने में एफपीओ, एफपीसी और स्वयं सहायता समूहों की भूमिका को अहम बताया। कार्यक्रम में यह भी जानकारी दी गई कि राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड द्वारा कई निर्यातोन्मुख वलस्टर विकसित किए जा रहें हैं। साथ ही बताया कि जल्द ही जेवर एयरपोर्ट से जुड़ी निर्यात परियोजनाएं प्रदेश को फल निर्यात के बड़े केंद्र के रूप में स्थापित करेंगी।

बेहतर पोस्ट-हार्वेस्ट प्रबंधन, पैकहाउस और प्रोसेसिंग सुविधाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से किसान, वैज्ञानिक, निर्यातक, नर्सरी संचालक, एफपीओ और फल प्रसंस्करण क्षेत्र

से जुड़े प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इस दौरान प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह समेत कई वरिष्ठ अधिकारी व कृषि विज्ञानी मौजूद रहे।

एनबीएफसी लाइसेंस लेने की योजना से पेटीएम का इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी प्रमुख वन97 कम्प्युनिकेशंस ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) लाइसेंस से इनकार किया है। वन97 कम्प्युनिकेशंस के पास पेटीएम ब्रांड का स्वामित्व है। कंपनी का चौथी तिमाही का आय संबंधी विवरण देते हुए पेटीएम के अध्यक्ष मधुर देवड़ा ने गुरुवार को कहा कि हम एनबीएफसी लाइसेंस लेने को लेकर बहुत उत्साहित नहीं हैं। पेटीएम की प्राथमिकता दोनों पक्षों के लिए लाभकारी साझेदारी मॉडल की है। जिसमें पेटीएम वितरण, प्रौद्योगिकी एवं वसूली का काम संभालता है जबकि उसके प्रतिष्ठित ऋा साझेदार पूंजी, जोखिम एवं चक्रीय उतार-चढ़ाव का प्रबंधन करते हैं।

रियल एस्टेट शिखर सम्मेलन में बोले यूपी रेरा अध्यक्ष-कानपुर, गोरखपुर, वाराणसी, अयोध्या, झांसी, हापुड़, बरेली, मेरठ, मुजफ्फरनगर और गोंडा जैसे अन्य शहरों में भी रियल एस्टेट गतिविधियों में आई है तेजी

को मंजूरी मिलने की संभावना है। रेरा अधिनियम के अन्तर्गत, रियल एस्टेट डेवलपर को अपनी परियोजनाओं को बिक्री के लिए पेश करने से पहले रेरा पंजीकरण प्राप्त करना आवश्यक है।

भूस्रेड्डी ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बुनियादी ढांचे के विकास, जिसमें जेवर हवाई अड्डा भी शामिल है, के कारण रियल एस्टेट की कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि जहां भी राज्य सरकार ने एक्सप्रेसवे विकसित किए हैं, वहां रियल एस्टेट क्षेत्र अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

वालमार्ट ने कहा- भारत सबसे गतिशील व्यापारिक अवसर

नयी दिल्ली,एजेंसी। अमेरिकी कंपनी वॉलमार्ट के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जॉन फर्नर ने भारत को वैश्विक व्यापार में सबसे गतिशील अवसरों में से एक बताते हुए कहा है कि कंपनी अब तक यहां से 40 अरब डॉलर मूल्य का सामान खरीद चुकी है।

फर्नर ने कहा कि कंपनी उद्यमियों और आपूर्तिकर्ताओं की क्षमताओं को मजबूत करने, अनुपालन और गुणवत्ता मानकों को बेहतर बनाने तथा विनिर्माण क्षमता बढ़ाने पर ध्यान दे रही है, ताकि अधिक भारतीय व्यवसाय निर्यात के लिए तैयार हो सकें।

शेयर बाजार में अब घरेलू निवेशकों ने थामी पतवार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। देश में शेयर बाजार की तस्वीर तेजी से बदल रही है। लंबे समय तक बाजार की दिशा तय करने वाले विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की पकड़ अब कमजोर पड़ती दिख रही है, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) निर्णायक ताकत बनकर उभर रहे हैं। भारतीय पूंजी बाजार के लिए यह बदलाव एक नए दौर की शुरुआत माना जा रहा है, जिसमें बाजार की असली ताकत घरेलू निवेशकों के हाथों में जाती नजर आ रही है।

इस साल की पहली तिमाही के आंकड़ों के अनुसार निफ्टी-50 कंपनियों में घरेलू संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़कर रिकॉर्ड 20.9 फीसदी पर पहुंच गई है, जबकि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की हिस्सेदारी घटकर 17.1 फीसदी रह गई है, यह बीते कई वर्षों का निचला स्तर है। यह बदलाव भारतीय पूंजी बाजार की संरचना में हो रहे बड़े परिवर्तन का संकेत है।

म्यूचुअल फंडों में बढ़ते एसआईपी निवेश, रिटायरमेंट फंड्स की सक्रियता और खुदरा निवेशकों की बढ़ती भागीदारी ने घरेलू निवेशकों को बाजार का नया आधार बना दिया है। मार्च में समाप्त तिमाही के दौरान घरेलू संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में करीब 27.2 अरब डॉलर का निवेश किया। दूसरी ओर विदेशी निवेशकों की ओर से बिकवाली का दबाव बना रहा। हालांकि मार्च के अंत में बाजार में आई तेजी से विदेशी निवेशकों की गतिविधियों

श्रमिकों के लिए मुफ्त वार्षिक स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम शुरू

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया न 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के श्रमिकों के लिए राष्ट्रव्यापी नि:शुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम की गुरुवार को शुरुआत है।

दिल्ली स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मांडविया ने कहा कि चार श्रम संहिताओं का क्रियान्वयन देशभर के श्रमिकों के लिए सम्मान, कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को दर्शाता है। श्रम एवं रोजगार मंत्री ने इस अवसर को ‘श्रम शक्ति’ के सम्मान का दिन बताते हुए कहा कि सरकार सभी श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा दायरे को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्ष में सरकार ने रोजगार सृजन के जरिये ‘श्रम शक्ति’ और ‘युवा शक्ति’ को सशक्त बनाने का काम किया है।

देश में सामाजिक सुरक्षा का दायरा एक दशक में 30 करोड़ से बढ़कर आज करीब 94 करोड़ लाभार्थियों तक पहुंच गया है।



- वर्ष 2022-23 को माना गया आधार वर्ष**
- सभी राज्यों में मानकीकृत ढांचे और प्रदर्शन की तुलनात्मकता सुनिश्चित की जा सकेगी**

की एकरूपता, विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक मानकीकृत ढांचा प्राप्त होगा। वित्त मंत्रालय, वित्त आयोग, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) और अन्य संबंधित पक्ष राजकोषीय विकेंद्रीकरण, नीति निर्माण, संसाधन आवंटन, बजट निर्माण, प्रदर्शन मूल्यांकन और अंतर-राज्यीय तुलनाओं के लिए जीएसडीपी का व्यापक रूप से उपयोग करते हैं। वर्तमान में, लक्षद्वीप और दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव को छोड़कर 34 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश 2011-12 को आधार वर्ष मानकर जीएसडीपी अनुमान संकलित कर रहे हैं।

कोफोर्ज का मुनाफा दोगुना, एआई से पैदा होंगे नए और ज्यादा लाभ वाले अवसर

कामकाज का मॉडल बदल रहा एआई, पर बाजार नहीं होगा कम

नई दिल्ली, एजेंसी

सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी कोफोर्ज ने कहा है कि कृत्रिम मेधा (एआई) के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल से आईटी उद्योग का पारंपरिक ‘लेबर-एज-ए-डिफॉल्ट’ मॉडल बदल रहा है। हालांकि, कंपनी का मानना है कि इससे आईटी सेवाओं का बाजार छोटा नहीं होगा, बल्कि नए और ज्यादा मुनाफे वाले अवसर पैदा होंगे।

कंपनी का जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ दोगुना होकर 612.3 करोड़ रुपये पहुंच गया एक साल पहले इसी अवधि में यह 308 करोड़ रुपये के आसपास था। वहीं, कंपनी का राजस्व 30 प्रतिशत बढ़कर 4,450.4 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल इसी तिमाही में 3,422.2 करोड़ रुपये था। कंपनी के सीईओ और कार्यकारी निदेशक सुधीर सिंह ने कहा कि एआई के बढ़ते इस्तेमाल से टेक्नोलॉजी सर्विस इंडस्ट्री में बड़ा बदलाव आ रहा है। उन्होंने कहा कि एआई से कोड बनाना भले सस्ता हो, लेकिन उसका रखरखाव, सुरक्षा और संचालन महंगा पड़ता है। इसलिए आने वाले समय में एआई आधारित सेवाओं की मांग तेजी से बढ़ेगी।



एजेंट एआई बनेगा नया बड़ा बाजार

सुधीर सिंह ने कहा कि जैसे 20 साल पहले कंपनियां क्लाउड टेक्नोलॉजी की ओर बढ़ी थीं, वैसे ही अब ‘एजेंट एआई’ नई तरह की मैनेज्ड सर्विसेज का बड़ा बाजार तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि एआई सिस्टम लागू होने के बाद कंपनियों को मॉडल की निगरानी करनी होगी। एआई एजेंट्स को दोबारा ट्रेन करना होगा और पूरे सिस्टम का संचालन संभालना होगा। इससे आईटी कंपनियों के लिए नए बिजनेस अवसर बनेंगे। कोफोर्ज ने निवेशकों को बताया कि पिछले एक एआई आधारित टेक्नोलॉजी सेवाओं का बाजार 160-180

बढ़ती लागत से निपटने को प्रौद्योगिकी अपना रहा रियल एस्टेट क्षेत्र : रिपोर्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत का रियल एस्टेट क्षेत्र बढ़ती लागत के दबाव और सख्त नियामकीय अनुपालन के बीच मूल्य श्रृंखला में दृढ़ता बढ़ाने के लिए तेजी से डिजिटल और डेटा-आधारित माध्यमों (टूल) को अपना रहा है। उद्योग मंडल फिक्की और केपीएमजी की एक संयुक्त रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का रियल एस्टेट बाजार 2047 तक 5,800 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा जो 2025 में 650 अरब डॉलर का था। फिक्की और परामर्श कंपनी केपीएमजी की रिपोर्ट ‘भारत के रियल एस्टेट परिदृश्य की पुनर्कल्पना – मूल्य श्रृंखला परिवर्तन में प्रौद्योगिकी की भूमिका’ गुरुवार को यहां जारी की गई। फिक्की द्वारा आयोजित एक शिखर सम्मेलन में जारी रिपोर्ट में कहा गया कि... यह क्षेत्र अब तेजी से डिजिटल और डेटा-आधारित माध्यमों को अपना रहा है।

अरब डॉलर का है। इसके अगले पांच वर्षों में 35 प्रतिशत की दर से बढ़ते हुए 800 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। कोफोर्ज ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी ने एआई पर 55 लाख डॉलर का निवेश किया।

वर्ल्ड ब्रीफ

रूस की सेना ने यूक्रेन की ओर से दागे 347 ड्रोन को किया नष्ट

कीव। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने रात भर में 347 यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट किया। यह घटना मॉस्को द्वारा सप्ताह की शुरुआत में कीव के युद्धविराम प्रस्ताव को टुकराए जाने और रूस के आगामी 'विजय दिवस' समारोह में सुरक्षा को लेकर बढ़ते तनाव के बाद एक बड़े हमले के रूप में सामने आई। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यूक्रेन द्वारा किए गए हवाई हमलों में मॉस्को समेत 20 से अधिक क्षेत्रों में ड्रोन नष्ट किए गए। ये हमले रूस द्वारा चार साल पहले शुरू किए गए युद्ध के बाद यूक्रेन का दूसरा सबसे बड़ा हवाई हमला था। इससे पहले मार्च में यूक्रेन ने 389 ड्रोन दागे थे। रूसी अधिकारियों ने यूक्रेन में शुक्रवार और शनिवार के लिए एकतरफा युद्धविराम की घोषणा की है।

बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप फैला, 12 और बच्चों ने तोड़ा दम

ढाका। बांग्लादेश में खसरे की महामारी से पिछले 24 घंटों में 12 और बच्चों की मौत हो गई है जिनमें एक बच्चे में खसरे की पुष्टि हुई थी, जबकि 11 बच्चों में खसरे जैसे लक्षण थे। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएसएस) ने बताया है कि पूरे देश में 1,238 और बच्चों में खसरे के लक्षण पाए गए हैं। यह जानकारी 'प्रथम आलो' की रिपोर्ट में दी गई है। इनमें से 286 मामलों के प्रयोगशाला में पुष्टि हुई है। इससे पहले 4 मई को 24 घंटों के भीतर खसरे और खसरे के लक्षणों के कारण कम से कम 17 बच्चों की मौत हो गई थी। इसके साथ ही 15 मार्च से अब तक मरने वालों की कुल संख्या 279 हो गई है।

जयशंकर ने सूरीनाम को दिया विकास में सहयोग का आश्वासन

पारामारिबो। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत सूरीनाम की विकास क्षमता को पहचानता है और उसकी प्रगति यात्रा में एक भरोसेमंद सहयात्री बना रहेगा। जयशंकर ने संयुक्त आयोग की बैठक के बाद प्रेस से बातचीत करते हुए कहा कि भारत और सूरीनाम व्यापार, पर्यटन, डिजिटल क्षमताओं और कृत्रिम बुद्धिमान सहित कई क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बैठक में द्विपक्षीय संबंधों के लिए अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्य और उद्देश्य निर्धारित किए गए।

इमोशनल फूल बनाने का बड़ा हथियार

डिजिटल प्राइवेंसी के बाद दूसरा बड़ा खतरा डिजिटल फिंगरप्रिंटिंग और डार्क पैटर्न्स है। शायद ही आपको एहसास हो कि इंटरनेट आपकी पर्सद-नापसंद को आपके बिना

बताए कंट्रोल करने की कोशिश कर रहा है। क्या आपने कभी गौर किया है कि जब आप किसी एप को अनइंस्टॉल करने लगते है तो वह इमोशनल मेसेज देता है। ... क्या आप वाकई नहीं छोड़कर जा रहे हैं, हम आपको याद करेंगे। ऐसे ही जब आप शॉपिंग करते हैं तो वहां लिखा आता है। ... रिफ्रेंड 2 स्टॉक बचे हैं, 15 लोग इसे अभी देख रहे हैं। दरअसल, यह कोई इतफाक नहीं है, बल्कि डिजिटल साइकोलॉजी का एक गहरा जाल है।

आपके लिए जरूरी बातें

- एआई अब आपके टाइमिंग पैटर्न और स्क्रीन पर उंगलियों के दबाव से यह समझ सकता है कि आप कब उदास हैं या कब एक्साइटेटेड।उसरी हिसाब से आपको कंटेंट या विज्ञापन दिखाए जाते हैं।
- एल्गोरिदम आपको केवल वही चीजें दिखाता है जो आपकी विचारधारा से मेल खाती हैं।इससे आप एक बबल में फंस जाते हैं और आपको लगता है कि पूरी दुनिया वैसा ही सोच रही है जैसा आप।
- स्लीप स्ट्रीलिंग यानी वीडियो एप्स का ऑटो-प्ले फीचर आपकी नींद चुराने के लिए बनाया गया है। एक के बाद एक वीडियो चलते रहते हैं और आपका दिमाग यह तय नहीं कर पाता कि कब रुकना है।
- आप किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नहीं भी हैं, तब भी आपके दोस्तों के कॉन्टेंट्स और डेटा के जरिए कंपनियां आपकी एक शैडो प्रोफाइल तैयार कर लेती हैं।

टैगोर को 165वीं जयंती पर शंघाई में दी गई श्रद्धांजलि

बीजिंग। शंघाई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के नेतृत्व में बृहस्पतिवार को नोबेल पुरस्कार से सम्मानित रवीन्द्रनाथ टैगोर की 165 वीं जयंती पर उनके प्रशंसकों और भारतीय समुदाय ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। भारतीय वाणिज्य दूतावास ने एक बयान में कहा कि भारतीय महावाणिज्यदूत प्रतीक माथुर ने माओमिंग स्टीट पर स्थित टैगोर की प्रतिमा और लू शुन पब्लिक पार्क में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। भारतीय महावाणिज्यदूत ने जोर दिया कि लोग आपसी संपर्कों को मजबूत करें। चीनी बुद्धिजीवी टैगोर को काफी पसंद करते हैं।

तीस्ता पर तनाव : भारत से जुड़ा मुद्दा लेकर चीन के पास पहुंचा बांग्लादेश

तीस्ता नदी पुनर्स्थापन परियोजना के लिए मांगी मदद, भारत से संबंधों पर पड़ेगा असर

बीजिंग, एजेंसी

तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश सरकार ने तीस्ता नदी पुनर्स्थापन परियोजना के लिए औपचारिक रूप से चीन से मदद मांगी है। इस कदम से भारत और बांग्लादेश के संबंधों के प्रभावित होने के आसार बढ़ गए हैं। चीन ने बांग्लादेश का समर्थन किया है, साथ ही उसके साथ पारंपरिक क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने को लेकर प्रतिबद्धता जताई है।

बांग्लादेश की सरकारी समाचार एजेंसी बांग्लादेश संगबाद संस्था (बीएसएस) के अनुसार, बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान और चीन के उनके समकक्ष वांग यी के बीच बुधवार को बीजिंग में हुई बैठक में तीस्ता नदी व्यापक प्रबंधन एवं पुनर्स्थापन परियोजना (टीआरसीएमआरपी) से जुड़े मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। तीस्ता नदी पूर्वी हिमालय से निकलकर सिक्किम और पश्चिम बंगाल से होते हुए बांग्लादेश में प्रवेश करती है, जहां यह सिंचाई एवं लाखों लोगों की आजीविका का प्रमुख स्रोत है।वांग ने नई बांग्लादेश सरकार का समर्थन करते हुए कहा कि चीन उच्च गुणवत्ता वाली "बेस्ट एंड रोड" सहयोग परियोजना को बांग्लादेश की राष्ट्रीय विकास रणनीतियों के



पहले से तीस्ता के मुद्दे में दिलचस्पी दिखा रहा है चीन चीन कई वर्ष से टीआरसीएमआरपी के विकास में रुचि दिखाता रहा है, जो भारत के संवेदनशील सिंलीगुड़ी गलियारे के पास स्थित है। यह इसकी मुख्य भूमि को पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ता है। इस पृष्ठभूमि में भारत ने 2024 में तीस्ता बेसिन के लिए तकनीकी और संरक्षण सहायता की पेशकश की थी जो सीमा-पार नदी प्रबंधन पर ढाका के साथ सहयोग बढ़ाने के नई दिल्ली के प्रयासों को दर्शाता है। जल बंटवारा द्विपक्षीय संबंधों में एक प्रमुख मुद्दा बना हुआ है और गंगा नदी के शुष्क मौसम में जल बंटवारे को नियंत्रित करने के लिए 1996 में 30 वर्ष के लिए हस्ताक्षरित भारत-बांग्लादेश गंगा जल संधि को यदि नवीनीकृत नहीं किया गया तो यह इस वर्ष समाप्त होने वाली है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब हाल के वर्षों में चीन ने बांग्लादेश में अपनी आर्थिक एवं कूटनीतिक उपस्थिति का विस्तार किया है।

साथ जोड़ने और अर्थव्यवस्था, अवसंरचना एवं लोगों के बीच संपर्क जैसे पारंपरिक क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि सरकार चीन की कंपनियों को बांग्लादेश में निवेश के लिए भी प्रोत्साहित करेगी।

चीन के अनुसार, वांग ने जोर

दिया कि बांग्लादेश और अन्य दक्षिण एशियाई देशों के साथ चीन के संबंधों का विकास किसी तीसरे पक्ष को लक्ष्य नहीं बनाता। तारिक रहमान के नेतृत्व वाली नई सरकार के फरवरी में सत्ता संभालने के बाद यह रहमान की चीन की पहली यात्रा है। वह पांच मई को यहां पहुंचे और बृहस्पतिवार को

90 देशों में 1.55 करोड़ डॉलर की नकली दवाएं जब्त

सिंगापुर, एजेंसी

इंटरपोल के समन्वय में 90 देशों और क्षेत्रों में चलाए गए 'ऑपरेशन पेंजिया 18' के तहत 1.55 करोड़ डॉलर मूल्य की 64.2 लाख से अधिक अवैध और नकली दवाओं को जप्त किया गया है। इस बीच अवैध दवा व्यापार में शामिल 66 आपराधिक समूहों का भंडाफोड़ करने के साथ 269 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इंटरपोल की ओर से जारी एक बयान के अनुसार यह अभियान 10 से 23 मार्च 2026 तक चला। इस

●इंटरपोल का अभियान, 66 गिरोहों का भंडाफोड़, 269 लोग गिरफ्तार

दौरान दुनिया भर की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने नकली और घटिया चिकित्सा उत्पादों को निशाना बनाते हुए 392 जांच शुरू कीं और 158 सर्च वारंट निकाले किए। इंटरपोल के महासचिव वाल्डेसी उरक्विजा ने कहा, नकली दवाएं केवल एक धोखाधड़ी नहीं हैं, बल्कि ये लोगों के जीवन को खतरे में डालती हैं। अपराधी ऑनलाइन माध्यम से उन लोगों को निशाना बनाते हैं जो त्वरित

दर्द निवारक और नींद की गोлияं सबसे ज्यादा अभियान के दौरान इक्वेटोरल डिफेंकेशन की दवाएं, नींद की गोलीयां, दर्द निवारक, एंटीबायोटिक्स और घूमपान रोधी उत्पाद सबसे अधिक मात्रा में जब्त किए गए। इसके अलावा, डिजिटल कार्रवाई के तहत दवाओं की अवैध बिक्री में शामिल लगभग 5,700 वेबसाइटों, सोशल मीडिया पेजों और बॉट्स को बंद कर दिया गया। जांच में एंटी-पैरासिटिक दवाओं की जब्ती में भारी उछाल देखा गया है, विशेष रूप से आइबुप्रोफेन और फेनबेजोल, जिन्हें ऑनलाइन मंचों पर वैज्ञानिक साक्ष्यों के बिना कैसर के वैकल्पिक उपचार के रूप में प्रचारित किया जा रहा था।

या किफायती इलाज की तलाश में होते हैं। इस वैश्विक अभियान में भारत, अमेरिका, ब्रिटेन, बांग्लादेश, तुर्की और मलेशिया सहित 90 देशों ने हिस्सा लिया। आंकड़ों के अनुसार,

सबसे अधिक जब्ती ब्रिटेन (21.2 लाख खुराक) और कोलंबिया (14.7 लाख खुराक) में हुई। भारत को इस तरह के उत्पादों के निर्माण केंद्र के रूप में भी चिह्नित किया गया है।

एपस्टीन की आत्महत्या की कोशिश के बाद मिला रहस्यमय नोट सार्वजनिक

न्यूयॉर्क, एजेंसी

न्यूयॉर्क की एक अदालत ने उस रहस्यमय नोट को सार्वजनिक कर दिया है, जिसे यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के साथ जेल में बंद रहे निकोलस टार्टग्लियोन ने मिलने का दावा किया था। वर्षों एक अदालत के वॉल्ट में बंद रहा यह नोट एपस्टीन की आत्महत्या की पहली कोशिश के बाद टार्टग्लियोन को मिला था।



न्यूयॉर्क के व्हाइट प्लेन्स में अमेरिकी जिला न्यायाधीश केनेथ करास ने नोट जारी करने का आदेश दिया था। इससे पहले 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने पिछले सप्ताह इसे और उस मामले से जुड़े अन्य दस्तावेजों को सार्वजनिक करने का अनुरोध किया था जिसमें टार्टग्लियोन

● जेल में साथ रहे टार्टग्लियोन को मिला था नोट, वर्षों से अदालत की वॉल्ट में था बंद

शामिल था। संघीय अभियोजकों ने इस अनुरोध का विरोध नहीं किया। इस नोट के बारे में तब तक बहुत कम लोगों को ही पता था, जब तक कि चार लोगों की हत्या के लिए उभ्रक्रेद की सजा काट रहे पूर्व पुलिस अधिकारी टार्टग्लियोन ने लेखिका जेसिका रीड क्रॉस के पॉडकास्ट पर इसका जिक्र

नहीं किया। टार्टग्लियोन ने दावा किया कि उसे यह नोट एक किताब में तब मिला जब एपस्टीन 23 जुलाई, 2019 को मैनेहटन फेडरल जेल में अपनी कोठरी के फर्श पर पड़ा मिला था और उसके गले में एक चादर की पट्टी लपटी हुई थी।

चुनौतियों से निपटने को अपनी क्षमता बढ़ाएंगे: पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सेना ने कहा कि वह भविष्य की चुनौतियों से निपटने और हर प्रकार की आक्रामकता का निर्णायक जवाब देने के लिए अपनी क्षमताओं को बढ़ाती रहेगी। पाकिस्तान सेना ने 'मारका-ए-हक' के एक साल पूरे होने पर इसे देश के सैन्य इतिहास का निर्णायक अध्याय बताया। पाकिस्तानी सेना ने पिछले साल भारत के साथ चार दिन तक चले सैन्य संघर्ष को मारका-ए-हक नाम दिया है। पहलगाम में आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत होने के बाद भारत ने पिछले साल सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। इसके तहत पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादियों के नौ ठिकानों पर हमले किए गए थ, जिनमें करीब 100 आतंकवादी मारे गए थे। इस कार्रवाई के बाद दोनों देशों के बीच भारी तनाव पैदा हो गया था और पाकिस्तान ने भारत की कार्रवाई के जवाब में हमले किए थे, हालांकि उनमें से ज्यादातर को भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हर धर्म विघटित हो जाएगा, हर संवैधानिक अदालत को करना पड़ेगा बंद

सवाल उठाने से धर्म और सभ्यता के विघटन का होगा खतरा



मंदिर से जुड़ा मामला भी शामिल है। यह पीठ दाऊदी बोहरा समुदाय सहित विभिन्न धर्मों की धार्मिक स्वतंत्रता की सीमा और दायरे पर भी विचार कर रही है। दाऊदी बोहरा समुदाय के केंद्रीय बोर्ड ने 1986 में एक जनहित याचिका

दायर कर 1962 के उस फैसले को रद्द करने की मांग की थी जिसने बॉम्बे बहिष्कार निवारण अधिनियम, 1949 को निरस्त कर दिया था। इस कानून के तहत समुदाय के किसी भी सदस्य का बहिष्कार करना अवैध था।

तर्क-वितर्क

याचिकाएं दायर की जाएंगी। हम इस बात से अवगत हैं। न्यायमूर्ति सुंदरेश ने कहा, हर धर्म विघटित हो जाएगा और हर संवैधानिक अदालत को बंद करना पड़ेगा। यदि विवादों को अनुमति दी जाती है तो हर कोई हर चीज पर सवाल उठाने लगेगा।

में इसके कामकाज के प्रबंधन को हिस्सा था और 1949 के अधिनियम ने ऐसे बहिष्कार को भी अमान्य घोषित करके संविधान के अनुच्छेद 26(ख) के तहत समुदाय के अधिकार का उल्लंघन किया।

दीदी हारी नहीं, बहादुरी से लड़ीं: अखिलेश

● कोलकाता में ममता बनर्जी से मिले अखिलेश, कहा- भाजपा से मिला हुआ है चुनाव आयोग

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत के बाद समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कोलकाता पहुंचकर ममता बनर्जी से मुलाकात की और उनका हौसला बढ़ाया। अखिलेश ने कहा, सामंती और पुरुषवादी सोच रखने वाली भाजपा की नजरों में दीदी हमेशा खटकती रही हैं क्योंकि वह आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रक्रिया बिल्कुल भी पारदर्शी नहीं थी। ममता बनर्जी हारी नहीं हैं बल्कि हराई गई हैं।

पश्चिम बंगाल में हुए राजनीतिक बदलाव के बाद अखिलेश की ममता बनर्जी से यह पहली मुलाकात थी। कोलकाता में हुई इस मुलाकात के दौरान ममता बनर्जी खुद अखिलेश यादव को रिसीव करने गेट तक पहुंचीं, अभिषेक बनर्जी ने गले लगाकर उनका स्वागत किया। अखिलेश यादव ने ममता बनर्जी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और कहा, दीदी, आप हारी नहीं हैं बल्कि आपने एक योद्धा की तरह चुनाव लड़ा है।

पोप लियो से मिलने के लिए वेटिकन पहुंचे रुबियो

वेटिकन सिटी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो बृहस्पतिवार को वेटिकन की यात्रा पर पहुंचे। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पोप लियो 14वें के बीच बढ़ते तनाव को कम करना और बिगड़े हुए रिश्तों को सुधारना है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचनाओं और ईरान में अमेरिका-इजराइल युद्ध को लेकर पोप नाराज हो गए थे। ट्रंप ने शिकागो में जन्मे पोप की आलोचना की थी वहीं लियो ने कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति शांति पर महज बाइबल का उपदेश पढ़ रहे हैं। रुबियो की वेटिकन के विदेश मंत्री कार्डिनल पिप्रेत्तो पारोलिन से भी मुलाकात होनी है। पिप्रेत्तो ने अपनी मुलाकात से पहले लियो का पुरजोर बचाव किया है।



कोलकाता में अपने आवास पर अखिलेश का स्वागत करती ममता बनर्जी। ● शुभंकर



कुंदरकी-रामपुर में भी हुई थी इसी तरह की धांधली

अखिलेश ने उत्तर प्रदेश के कुंदरकी और रामपुर उपनुावों का जिक्र करते हुए कहा कि वहां मतदाताओं को डराया गया और पोलिंग एजेंटों को बाहर निकाल दिया गया। उन्होंने चुनौती दी कि यदि चुनाव आयोग निष्पक्ष है तो बंगाल और कुंदरकी की वोटिंग और मतगणना के सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक किए जाएं।

प्रदेश में की गई थी।

सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा की राजनीति अराजकता फैलाने वाली है और चुनाव के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर किए गए दावे भी सवालों के घेरे में हैं। चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने बंगाल में वही प्रयोग किया, जिसकी शुरुआत उत्तर

महाराष्ट्र की 1,194 बस्तियों और 411 गांवों में जल संकट

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र में भीषण गर्मी के प्रकोप के बीच मई के पहले सप्ताह में 411 गांवों और 1,194 बस्तियों में रहने वाले लोग पीने के पानी की आपूर्ति के लिए पूरी तरह से पानी के टैंकों पर निर्भर हैं। तपती गर्मी में भारी वृद्धि हुई है और डर है कि महीने के अंत तक पानी की कमी वाले क्षेत्रों की संख्या और बढ़ सकती है।



● लाखों लोग टैंकों पर हनु निर्भर जल संकट और बढ़ने के आसार

है। राज्य प्रशासन ने मई के पहले सप्ताह में ही पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए 466 टैंकर तैनात किए हैं, जिनमें 20 सरकारी और 446 निजी टैंकर शामिल हैं। इसकी तुलना में, अप्रैल के चौथे सप्ताह के दौरान 321 टैंकर चल रहे थे, जो बहुत कम समय में पानी की मांग में भारी वृद्धि को दर्शाता है।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

	आज कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा। रुके कार्य पूरे होने के संकेत हैं।		आज भाग्य का साथ मिलेगा और रुके काम आगे बढ़ेंगे। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी। धन निवेश से सलाह जरूर ले।
	आज आर्थिक मामलों में सावधानी बरतने की जरूरत है। व्यापार में बड़ी साझेदारी हो सकती है। प्रतियोगी खज्रों के लिए मेहनत का समय है।		आज गुरु से पर नियंत्रण रखना आपके लिए लाभकारी रहेगा। नई उपलब्धि मिलने की संभावना है। बुगुनीं का आशीर्वाद प्राप्त होगा।
	आज का दिन नई योजनाओं पर काम करने के लिए अच्छे है। व्यापार में लाभ के अवसर मिल सकते हैं।		आज आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ सकती है। करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर मिलेंगे। मित्रों के साथ अच्छे समय व्यतीत होगा।
	आज भावनाओं में आकर कोई बड़ा निर्णय लेने से बचे। मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। घर में शांति का वातावरण बना रहेगा।		आज मेहनत के अनुसार परिणाम मिलने की संभावना है। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय ले। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें।
	आज आपकी नेतृत्व क्षमता लोगों को प्रभावित करेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। यात्रा के दौरान सावधानी बरते।		आज समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। नई योजनाएं भविष्य में लाभ दिला सकती हैं।
	आज कामकाज में व्यस्तता अधिक रह सकती है। किसी पुराने विवाद का समाधान निकलेगा। मेहनत का अच्छे परिणाम प्राप्त होगा।		आज मन रचनात्मक कार्यों में अधिक लगेगा। व्यवसाय में लाभ के संकेत मिल रहे हैं। किसी प्रिय व्यक्ति से शुभ समाचार प्राप्त होगा।

आज का पंचांग आचार्य गुरुदत्त पांडेय astrompandey@gmail.com											
सुजेफ़ - 142 का हल											
शु.	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
गु.	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1
शु.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
गु.	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
शु.	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1
गु.	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2
शु.	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3
गु.	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4
शु.	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5
गु.	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5	6
शु.	9	10	11	12	1	2	3	4	5	6	7
गु.	10	11	12	1	2	3	4	5	6	7	8
शु.	11	12	1	2	3	4	5	6	7	8	9
गु.	12	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
शु.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
गु.	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
शु.	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1
गु.	4	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2
शु.	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3
गु.	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4
शु.	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5
गु.	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5	6
शु.	9	10	11	12	1	2	3	4	5	6	7
गु.	10	11	12	1	2	3	4	5	6	7	8
शु.	11	12	1	2	3	4	5	6	7	8	9
गु.	12	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10



टूर्नामेंट की शुरुआत में खराब दौर से गुजरने के बावजूद टीम को वरुण चक्रवर्ती की काबिलियत पर कभी कोई शक नहीं हुआ। खेल में सब कुछ नतीजों पर आधारित होता है और लोग भावुक हो जाते हैं।
-इवेन ब्रावो, गेंदबाजी कोच, केकेआर

आज के मुकाबले

दिल्ली कैपिटल्स

बनाम

कोलकाता नाइट राइडर्स

समय - शाम 7:30 बजे

हाईलाइट



मैं फीफा विश्व कप में वापसी के लिए तैयार हूं: लुइस सुआरेज
मियामी। उरुग्वे के ऑल-टाइम लीडिंग स्कोरर लुइस सुआरेज ने कहा कि वह इस साल होने वाले फीफा विश्व कप में खेलने के लिए तैयार हैं। मैनेजर मार्सेलो बिएल्सा के साथ सर्वाेजनिक अनबन के बाद सुआरेज ने सितंबर 2024 में उरुग्वे की नेशनल टीम से संन्यास ले लिया था। 39 साल के इंटर मियामी स्ट्राइकर ने कहा कि उन्होंने तब से अपने फैसले पर दोबारा सोचा है। उन्होंने कहा कि अर्जेंटीना के कोच के लिए उनके मन में कोई बुरी भावना नहीं है, जो मई 2023 से सेलेस्टे के इंजार्ज हैं। एम्फएल संघ के साथ एक अभ्यास सत्र के बाद सुआरेज ने पत्रकारों से कहा मैंने कुछ ऐसा कह दिया जो मुझे नहीं कहना चाहिए था। आपको अपनी गर्लफ्रिेंड माननी होगी और यह अब बीती बात है।

गुकेश ने सिंदारोव को हराया, सो से ड्रॉ खेला
वारसा। डी गुकेश ने विश्व चैम्पियनशिप मुकाबले की तैयारियां पुख्ता करते हुए सुपर रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में अपने चैलेंजर जावोखिर सिंदारोव को पांचवें दौर में हराया और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेसले सो को ड्रॉ पर रोका। उजबेकिस्तान के सिंदारोव को हराके के बाद गुकेश ने वेसले सो को ड्रॉ पर रोका। अब उनके छह अंक हो गए हैं जबकि रैपिड वर्ग में तीन राउंड बाकी हैं। सिंदारोव के खिलाफ जीत से उन्हें दो अंक मिले जबकि ड्रॉ से एक अंक हासिल हुआ। सो नौ अंक लेकर अमेरिका के ही हैंस नीमन के साथ शीर्ष पर हैं। उनके बाद ब्लादीमिर फेडोसीव हैं जो एक अंक पीछे हैं। गुकेश, फेबियानो कारुआना, जान क्रिस्टोफ डुडा और मैक्सिम वाचियेरे लाग्रोव के छह अंक हैं।

अल्ल्टमाएर ने रोम में 2 मैच प्वाइंट बचाए
रोम। डेनियल अल्ल्टमाएर ने बुधवार को रोम में इटैलियन ओपन में तब अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। उन्होंने दो मैच पॉइंट बचाकर झंझ झीझेन को हराया। एटीपी रैंकिंग में 64वें नंबर के खिलाड़ी अल्ल्टमाएर ने दूसरे सेट में 3-5, 15/40 के स्कोर पर अपनी सर्विस पर मैगपॉइंट बचाए, और फिर 4-6, 7-6(3), 6-4 से जीत हासिल करके इस सीजन में अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 मैच जीता। 27 वर्षीय खिलाड़ी को इस जीत का इनाम दूसरे दौर में रोम के दो बार के चैंपियन एलेक्जेंडर ज्येरे से मुकाबले के रूप में मिला है।

तीरंदाजी विश्व कप

भारत का तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में बृहस्पतिवार को प्रदर्शन मिला जुला रहा जब महिला रिकर्व टीम ने रिकॉर्ड दस बार की ओलंपिक चैम्पियन दक्षिण कोरिया को सेमीफाइनल में हराकर पहला पदक पक्का किया लेकिन पुरुष टीम पहले दौर में बांग्लादेश से हार गई। मिश्रित टीम वर्ग में भारत की चुनौती समाप्त हो गई जब धीरज बोम्मादेवरा और अंकिता भक्त दूसरे दौर में ब्राजील से शूटआफ में 4-5 से हार गए। महिला टीम की सदस्यों दीपिका कुमारी, अंकिता भक्त और कुमकुम मोहोद ने सेमीफाइनल में कोरिया को 5-1 से मात दी। अब उसका सामना स्वर्ण पदक के मुकाबले में रविवार को चीन से होगा।

मिचेल मार्श के शतक के बाद प्रिंस यादव की गेंदबाजी से जीती लखनऊ

आईपीएल-2026 : बारिश से प्रभावित मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 9 रन से हराया

लखनऊ, एजेंसी

मिचेल मार्श (111) की आतिशी शतकीय पारी के बाद प्रिंस यादव (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के वर्षा बाधित मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को नौ रनों से हराया।

लखनऊ सुपर जायंट्स को लगातार छह हार के बाद यह जीत नसीब हुई। वहीं आरसीबी की यह टूर्नामेंट में चौथी हार है। ऋषभ पंत का दिग्गेश राठी को आखिरी ओवर देने का फैसला सही साबित हुआ। उन्होंने इस ओवर में 10 रन देते हुए स्कोर का बचाव किया और लखनऊ सुपर जायंट्स को अभी टूर्नामेंट से बाहर होने से बचा लिया है। 213 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने नौ रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिये। जेकब बेथेल (चार) को मोहम्मद शमी ने आउट किया। वहीं अगले ही ओवर में प्रिंस यादव ने विराट कोहली को खाता भी खोलने का मौका नहीं दिया। इसके बाद कप्तान रजत पाटीदार और देवदत्त पडिक्कल ने पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिए 95 रन जोड़े। 11वें ओवर में प्रिंस यादव ने पडिक्कल को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। पडिक्कल ने 25 गेंदों में तीन चौके और एक



एजेंसी

छक्का लगाते हुए (34) रन बनाये। इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर प्रिंस ने जितेश शर्मा (एक) भी शिकार कर लिया। अगले ओवर में शाहबाज अहमद ने रजत पाटीदार को आउट कर पवेलियन भेज दिया। पाटीदार ने 31 गेंदों में तीन चौके और छक्के उड़ाते हुए (61) रनों की पारी खेली। आरसीबी के बल्लेबाजों कुणाल पंड्या और रोमारियो शेफर्ड ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए आखिरी तक अपने को मुकाबले

में बनाये रखा। आरसीबी निर्धारित 19 ओवरों में छह विकेट पर 203 रन ही बना सकी और नौ रनों से मुकाबला हार गई। कुणाल पंड्या ने 16 गेंदों में नाबाद 28 रन बनाये। उन्होंने अपनी पारी में दो चौके और दो छक्के भी जड़े। रोमारियो शेफर्ड ने 15 गेंदों में तीन चौके और एक डेविड को आउट कर लखनऊ सुपर जायंट्स को छठी सफलता दिलाई।

विस्फोटक पारी के दौरान शॉट लगाते लखनऊ सुपर जायंट्स के मिशेल मार्श।

लखनऊ सुपर जायंट्स

209/3 (19 ओवर)

■ मिचेल मार्श का बेथेल बो हेजलवुड 111

■ अर्शिन कुलकर्णी का पाटीदार बो कृणाल 17

■ निकोलस पूरन का कृणाल बो रसिख 38

■ ऋषभ पंत नाबाद 32

■ ऐडन मारक्रम नाबाद 01

अतिरिक्त : 10, विकेट पतन : 1-95, 2-165, 3-194, गेंदबाजी : भुवनेश्वर 4-0-34-0, हेजलवुड 4-0-49-1, कृणाल पंड्या 4-0-31-1, रसिख सलाम 4-0-53-1, सुयश 2-0-21-0, शेफर्ड 1-0-16-0

अति प्रयोग से बुमराह का प्रदर्शन अस्थिर : उमेश

नई दिल्ली। भारत के सीनियर तेज गेंदबाज उमेश यादव का कहना है कि जसप्रीत बुमराह बहुत ज्यादा चीजें आजमा रहे हैं और इसी वजह से इस आईपीएल में उनका प्रदर्शन लगातार एक जैसा नहीं रहा है जबकि भुवनेश्वर कुमार अपनी स्पष्ट योजना के अलावा पावरप्ले और डेथ ओवर दोनों में अच्छा प्रदर्शन करने की काबिलियत की वजह से कामयाब रहे हैं।



एजेंसी

बारिश के बीच पिच को बचाने के लिए ग्राउंडस्टाफ कवर लाते हुए।

रेसलर विनेश फोगाट एशियाई खेलों के चयन ट्रायल्स से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

तीन बार की ओलंपियन विनेश फोगाट को रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) द्वारा घोषित मानदंडों के अनुसार एशियन गेम्स 2026 के सेलेक्शन ट्रायल के लिए गुरुवार को अयोग्य घोषित कर दिया गया।

फेडरेशन के अनुसार,सेलेक्शन ट्रायल के लिए पात्रता तीन घरेलू प्रतियोगिताओं - 2025 सीनियर नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप, 2026 सीनियर फेडरेशन कप और अंडर-20 नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप के पदक विजेताओं तक सीमित है। सीनियर नेशनल चैंपियनशिप दिसंबर में आयोजित की गई थी, जबकि फेडरेशन कप फरवरी में हुआ था। विनेश फोगाट ने इनमें से किसी भी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है, क्योंकि वह पेरिस 2024 ओलंपिक के बाद से प्रतिस्पर्धा से दूर रही हैं और इसलिए पहला मानदंडों को पूरा नहीं करती हैं।

डब्ल्यूएफआई के नए पात्रता मापदंड में फंस गई



उन्होंने ग्रीष्मकालीन खेलों के तुरंत बाद रेसलिंग से संन्यास ले लिया था, लेकिन पिछले साल दिसंबर में विनेश ने कुश्ती में फिर से वापसी की घोषणा की थी। मैदान से दूर रहने के दौरान उन्होंने एक व्यक्तिगत उपलब्धि भी हासिल की, क्योंकि वह पिछले साल जुलाई में मां बनी थीं। 31 वर्षीय भारतीय पहलवान ने हाल ही में उत्तर प्रदेश में 10 से 12 मई तक होने वाले

नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट को अपनी वापसी के लिए चुना था। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अनुसार, नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट के परिणाम चयन ट्रायल में पात्रता के लिए मान्य नहीं होंगे। फेडरेशन ने एशियन गेम्स के सेलेक्शन ट्रायल इसी महीने के अंत में दो दिनों में आयोजित करने का फैसला किया है। महिला कुश्ती के चयन ट्रायल 30 मई को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में होंगे, जबकि पुरुषों की फ्रीस्टाइल और ग्रीको-रोमन प्रतियोगिताएं 31 मई को लखनऊ के क्षेत्रीय केंद्र में होंगी। ये ट्रायल सभी 18 ओलंपिक भार वर्गों में आयोजित किए जाएंगे, जिनमें से प्रत्येक में तीन डिस्प्लिन में छह कैटेगरी होंगी। फेडरेशन ने यह भी स्पष्ट किया है कि चयन प्रक्रिया में पिछले प्रदर्शनों पर विचार नहीं किया जाएगा, केवल सेलेक्शन ट्रायल के रिजल्ट पर ही ध्यान दिया जाएगा। एशियन गेम्स 2026 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक जापान में होंगे।

दिल्ली के सामने वरुण और नारायण की चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

पेचीदा पिचों पर चकमा खाने वाली या अच्छी पिचों पर बड़ा स्कोर नहीं बचा पाने वाली दिल्ली कैपिटल्स को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ शुक्रवार को आईपीएल के 'करो या मरो' के मुकाबले में घरेलू मैदान पर भी राहत मिलने की उम्मीद नहीं है।

दस मैचों में आठ अंक लेकर सातवें स्थान पर काबिज दिल्ली को अब प्लेआफ में जगह बनाने के लिये 16 अंक तक पहुंचने के लिये बाकी चारों मैच जीतने होंगे। वहीं आठवें स्थान पर खड़ी केकेआर को भी बाकी पांचों मैच जीतने होंगे। ऐसे में यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि दिल्ली कैपिटल्स का यह मैच किस तरह की पिच पर खेला जाएगा। समझा जाता है कि वरुण चक्रवर्ती और सुनील नारायण की फिरकी का सामना करने के लिए दिल्ली बल्लेबाजों की मददगार पिच नंबर छह पर खेल सकती है जिस पर उसने पंजाब किंग्स के खिलाफ 264 रन बनाए थे पर जीत फिर भी नहीं मिली थी। इस पिच को चुनने की वजह बल्लेबाजों पर भरोसे की कमी है जो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ



एजेंसी

अभ्यास सत्र के दौरान दिल्ली कैपिटल्स के कुलदीप यादव, माधव तिवारी, आशुतोष शर्मा और नीतीश राणा।

केकेआर का शीर्षक्रम नहीं उतर सका खरा

नई दिल्ली। केकेआर का शीर्षक्रम भी अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर सका है। कप्तान अजिंक्य रहाणे (131.42 की स्ट्राइक रेट से 205 रन) और अंगकृष रघुवंशी (137.43 की स्ट्राइक रेट से 268 रन) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारियों में नहीं

सीम लेती पिच पर छह विकेट नौ रन पर गंवा बैठे थे। धीमी विकेट पर दिल्ली के बल्लेबाज गुजरात टाइटंस के राशिद खान या सीएसके के नूर अहमद और अकाल हुसैन को नहीं

खेल पाये थे। सुनील (इकोंनांमी रेट 6.80) और वरुण (इकोंनांमी रेट 8.88) के सामने पाथुम निसांका, समीर रिजवी या करुण नायर को मुश्किलें पेश आ सकती हैं।

कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मुकाबला आज

टीम

दिल्ली कैपिटल्स : अभिषेक पोरेल, केएल राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, अक्षर पटेल, आशुतोष शर्मा, दुष्मन्त चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिथेल स्टार्क, डेविड मिलर, ओकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, साहिल पारख, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, अजय जादव मंडल, करुण नायर, टी नटराजन।

कोलकाता नाइट राइडर्स : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), मनीष पांडे, रोमन पॉरेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, रिकू सिंह, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, वरुण चक्रवर्ती, कैमरान ग्रीन, मथीशा पथिराना, राहुल त्रिपाठी, टिम सीफर्ट, तेजस्वी दहिया, रविन रवींद्र, आकाश दीप, डेविड मुजारानी, नवदीप सेनी, प्रशांत सोलंकी, फिन एलन, दक्ष कामरा, कार्तिक त्यागी।

चैंपियंस लीग फाइनल में पहुंचा पेरिस सेंट जर्मेन

म्युनिख। पेरिस सेंट जर्मेन ने बायर्न म्युनिख से 1-1 से ड्रॉ खेलकर चैंपियंस लीग फुटबॉल के फाइनल में प्रवेश कर लिया।

सेमीफाइनल के दूसरे चरण के मुकाबले में उस्मान डेम्बेले ने तीसरे ही मिनट में गोल दाग दिया। हैरी केन ने स्टॉपेज टाइम में म्युनिख के लिए गोल किया पर तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इसके साथ ही उनकी टीम का एक ही सत्र में बूंडेस्लिगा, जर्मन कप और चैम्पियंस लीग जीतने का सपना टूट गया। गत चैंपियन पीएसजी ने औसत के आधार पर 6-5 से जीत दर्ज की। उसने पेरिस में पिछले सप्ताह पहले चरण का मुकाबला 5-4 से जीता था। अब उसका सामना 30 मई को हंगरी के बुडापेस्ट में आर्सनल से होगा जिसने एटलेटिको मैड्रिड को हराया।

रोबिन्हो जूनियर को थप्पड़ मारने पर नेमार ने मांगी माफी

रियो डी जेनेरियो, एजेंसी



स्टार फुटबॉलर नेमार ने कहा कि उन्होंने हद पार कर दी और उन्होंने अपने सैंटोस टीम-साथी रोबिन्हो जूनियर से ट्रेनिंग सेशन के दौरान उस युवा को थप्पड़ मारने के लिए माफी मांगी। ब्राजील के इस क्लब ने जांच शुरू कर दी थी, जब 18 साल के फॉरवर्ड ने कथित तौर पर नेमार पर रविवार को चेहरे पर जोरदार थप्पड़ मारने का आरोप लगाया था। यह घटना तब हुई थी जब वह 34 साल के नेमार को ड्रिबल करते हुए पीछे छोड़ गए थे। अब उन्होंने गलतफहमी दूर कर ली है और मंगलवार को कहा कि रे पेले ट्रेनिंग सेंटर में हुई यह घटना पूरी तरह सुलझ गई है। नेमार ने कहा अगर आप मीडिया के सामने माफी चाहते

हैं, तो यह रही नेमार ब्राजील के अब तक के सबसे ज्यादा गोल कराने वाले खिलाड़ी हैं, जिनके नाम 79 गोल हैं। बीबीसी स्पोर्ट के अनुसार, बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के पूर्व फॉरवर्ड ने मंगलवार को कोपा सुदामेरिकाना में रिकोलेटा के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ रहे मैच में सैंटोस के लिए गोल करने का जश्न मनाते हुए सबस्टीट्यूट रोबिन्हो जूनियर को गले लगाया। रोबिन्हो जूनियर उनके पूर्व ब्राजील टीम-साथी और मैनचेस्टर सिटी तथा रियल मैड्रिड के पूर्व

अंटेकर रोबिन्हो के बेटे हैं। नेमार ने कहा, हाँ, मैंने जिस तरह से प्रतिक्रिया दी, उसमें मैंने थोड़ी ज्यादा ही प्रतिक्रिया दे दी। यह अलग तरह से हो सकता था, लेकिन आखिर में मैंने अपना आपा खो दिया। हर कोई गलतियाँ करता है। यह मेरी गलती थी, उसकी गलती थी। मैंने थोड़ी बड़ी गलती की। वह एक ऐसा लड़का है जिससे मैं बहुत पसंद करता हूँ, जिसके लिए मेरे मन में ख़ास लगाव है। फुटबॉल में ऐसा होता रहता है - आप अपने दोस्त, अपने भाई से बहस कर लेते हैं। यही फुटबॉल है, यह खेल का ही एक हिस्सा है। रोबिन्हो जूनियर ने कहा कि नेमार को तुरंत एहसास हो गया था कि वह बहुत आगे निकल गए हैं और उन्होंने इस कहा-सुनी के लिए कई बार माफी मांगी।